

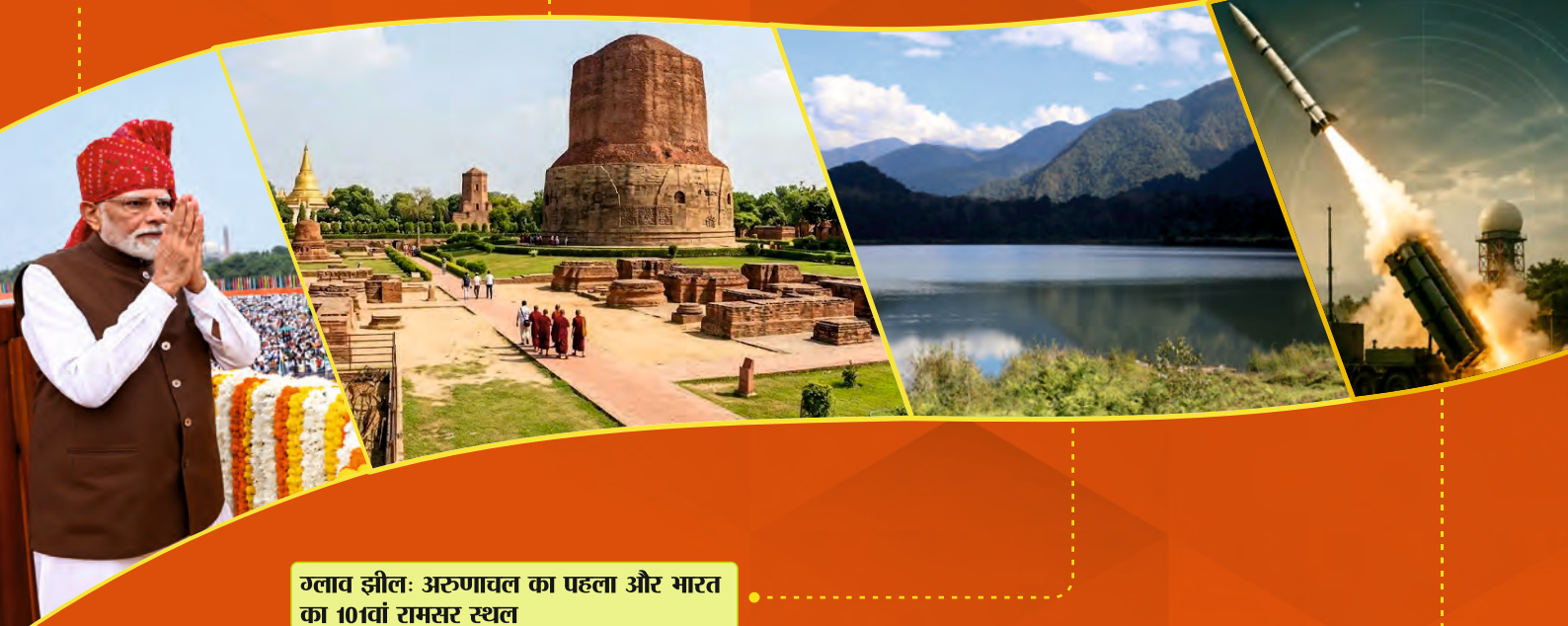


**SSC
WALLAH**

दक्ष करेंट अफेयर्स सितंबर - 2026

भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस

सारनाथ: भारत का 45वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल



गलाव झील: अरुणाचल का पहला और भारत का 101वां रामसर स्थल

DRDO ने 'Kusha' लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

SSC CGL, CHSL और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

लेखक के विचार

- लेखकों के विचार और मत उनके अपने हैं, और जरूरी नहीं कि यह करंट अफेयर्स पत्रिका या फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड को प्रतिबिंबित करें। उन्हें लेखक या लेखकों के व्यक्ति के दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए। पत्रिका के विज्ञापन में बताए गए विचारों और विचारों का फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड समर्थन नहीं करता है, न ही यह उनमें किए गए किसी भी दावे की सत्यता को प्रमाणित करता है। यद्यपि पत्रिका में प्रकाशित जानकारी की शुद्धता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए बहुत सावधानी बरती गई है, न तो प्रकाशक, संपादक और न ही इसके किसी भी कर्मचारी को किसी भी गलत, संक्षिप्त, निरस्त, छोड़े गए या गलत तरीके से डाले गए डेटा के लिए कोई दायित्व नहीं लेता है।
- सभी अधिकार फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सुरक्षित हैं। प्रकाशक के लिखित सहमति के बिना, इस प्रकाशन के किसी भी भाग का पुनरुत्पादन नहीं बनाया जा सकता है, पुनः इसे किसी भी रूप में रखा नहीं जा सकता है, या किसी भी तरह से प्रसारित नहीं किया जा सकता है, चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य किसी भी रूप में हो।

समावेश

1. राष्ट्रीय समाचार	1
2. अंतरराष्ट्रीय समाचार	16
3. राज्य समाचार.....	22
4. व्यवसाय और अर्थव्यवस्था	29
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	35
6. रक्षा समाचार.....	43
7. नियुक्तियाँ.....	46
8. समझौता ज्ञापन.....	49
9. शिखर सम्मेलन	52
10. रिपोर्ट्स और सूचकांक.....	54
11. खेल समाचार	58
12. पुरस्कार और सम्मान समाचार.....	63
13. सरकारी योजनाएँ.....	67
14. निधन समाचार.....	70
15. पुस्तकें और लेखक समाचार.....	74
16. महत्वपूर्ण दिवस समाचार	75

सरकार ने हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत 44 हवाई अड्डों की योजना बनाई



- केंद्र सरकार ने हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत 44 हवाई अड्डों का नेटवर्क विकसित करने की योजना बनाई है। इसमें 4 हब हवाई अड्डे और 40 स्पोक हवाई अड्डे शामिल होंगे।
- इस योजना का उद्देश्य टियर-II और टियर-III शहरों को प्रमुख हब हवाई अड्डों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जोड़ना है।
- एयर इंडिया ने जून 2026 में वाराणसी से पहली ईजी कनेक्ट उड़ान शुरू की तथा जुलाई 2026 में अमृतसर से आवक (इनबाउंड) और जावक (आउटबाउंड) सेवाएं शुरू कीं। इसके माध्यम से यात्रियों को दिल्ली के जरिए 27 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जोड़ा गया।
- ईजी कनेक्ट प्रणाली के तहत यात्रियों को चेक-इन, आब्रजन (इमिग्रेशन) प्रक्रिया, सामान का स्थानांतरण तथा टर्मिनल परिवर्तन जैसी सुविधाएं प्रारंभिक स्पोक हवाई अड्डे से ही उपलब्ध कराई जाती हैं।
- अहमदाबाद को अगले स्पोक हवाई अड्डे के रूप में विकसित करने की योजना है, जबकि गोवा और कोच्चि को भी इस नेटवर्क में शामिल करने के लिए विकसित किया जा रहा है।
- नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने जुलाई 2026 में बताया कि विजन 2047 के तहत सरकार अगले 10 वर्षों में 100 हवाई अड्डे और 200 हेलिपोर्ट विकसित करने की योजना बना रही है।

स्टैटिक जीके

- हब-एंड-स्पोक मॉडल एक विमानन नेटवर्क प्रणाली है, जिसमें यात्री स्पोक हवाई अड्डों से हब हवाई अड्डे तक पहुंचते हैं और वहां से लंबी दूरी या अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से अपने गंतव्य तक जाते हैं।

- वर्तमान योजना में दिल्ली मुख्य हब हवाई अड्डा है, जबकि वाराणसी और अमृतसर प्रारंभिक स्पोक हवाई अड्डे हैं।
- हब हवाई अड्डे, स्पोक हवाई अड्डों की तुलना में अधिक यात्री यातायात, उड़ानों के कनेक्शन तथा ट्रांसफर संचालन का प्रबंधन करते हैं।

सरकार ने बीएस-VI वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र की वैधता तीन वर्ष करने का प्रस्ताव रखा



- केंद्र सरकार ने जुलाई 2026 में पीयूसीसी 3.0 योजना के तहत बीएस-VI वाहनों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (PUC) की वैधता संबंधी संशोधित नियमों का प्रस्ताव रखा।
- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इन प्रस्तावित बदलावों के लिए मसौदा अधिसूचना जारी की।
- प्रस्ताव के अनुसार, छह वर्ष तक पुराने बीएस-VI निजी वाहनों के लिए पीयूसीसी की वैधता तीन वर्ष होगी।
- छह से दस वर्ष पुराने बीएस-VI निजी वाहनों को हर वर्ष अपना पीयूसीसी नवीनीकृत कराना होगा।
- दस वर्ष से अधिक पुराने बीएस-VI निजी वाहनों के लिए हर छह माह में पीयूसीसी का नवीनीकरण अनिवार्य होगा।
- प्रस्ताव के अनुसार, छह वर्ष तक पुराने बीएस-VI परिवहन वाहनों को प्रथम पंजीकरण की तिथि से दो वर्ष की पीयूसीसी वैधता प्रदान की जाएगी।
- बीएस-IV वाहनों के लिए हर छह माह में पीयूसीसी का नवीनीकरण जारी रहेगा, जबकि बीएस-I, बीएस-II और बीएस-III वाहनों के लिए हर तीन माह में नवीनीकरण आवश्यक होगा।

- सरकार ने इन प्रस्तावित नियमों को अंतिम रूप देने से पहले 30 दिनों के भीतर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

स्टैटिक जीके

- बीएस-VI (भारत स्टेज-VI) भारत का छठा चरण वाहन उत्सर्जन मानक है।
- बीएस-VI मानक अप्रैल 2020 से पूरे भारत में नए वाहनों के लिए लागू किए गए।
- पीयूसीसी वाहन के उत्सर्जन परीक्षण के बाद जारी किया जाने वाला वैधानिक प्रमाणपत्र है।

केंद्र ने पश्चिमी घाट ईएसए का सातवां मसौदा जारी किया



- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने जुलाई 2026 में पश्चिमी घाट के लिए पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) संबंधी सातवां मसौदा अधिसूचना पुनः जारी की।
- प्रस्तावित ईएसए का क्षेत्रफल 56,825.7 वर्ग किलोमीटर है, जो कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, गोवा और गुजरात सहित छह राज्यों में फैला हुआ है।
- मसौदे के अनुसार, कर्नाटक में 20,668 वर्ग किमी के साथ सबसे बड़ा ईएसए क्षेत्र प्रस्तावित किया गया है। इसके बाद महाराष्ट्र में 17,340 वर्ग किमी और केरल में 9,993.7 वर्ग किमी क्षेत्र प्रस्तावित है।
- सातवें मसौदा अधिसूचना में गोवा के 108 गांवों को ईएसए में शामिल किया गया है।
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत इस ईएसए को अधिसूचित किया गया है, ताकि खनन, पत्थर खनन (क्वैरिंग), रेत खनन, नए ताप विद्युत संयंत्रों तथा बड़ी निर्माण परियोजनाओं जैसी गतिविधियों को संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों में विनियमित किया जा सके।
- मसौदा अधिसूचना पर जनता से आपत्तियां और सुझाव प्राप्त करने के लिए 60 दिनों का समय दिया गया है। साथ ही, संजय कुमार की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति का कार्यकाल जुलाई 2027 तक बढ़ा दिया गया है।

- गांवों की सीमाओं, भूमि उपयोग पर प्रतिबंधों और विकास संबंधी चिंताओं को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच मतभेद होने के कारण पश्चिमी घाट ईएसए का मुद्दा चर्चा में बना हुआ है।

स्टैटिक जीके

- पश्चिमी घाट को 2012 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
- पश्चिमी घाट गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु से होकर गुजरता है।
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 में लागू किया गया था।

लोकसभा ने जन्म और मृत्यु (संशोधन) विधेयक पारित किया



- लोकसभा ने जुलाई 2026 में ध्वनि मत (Voice Vote) से जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया।
- यह विधेयक जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में संशोधन करता है तथा भारत में जन्म और मृत्यु के विलंबित पंजीकरण की प्रक्रिया में बदलाव करता है।
- संशोधित प्रावधानों के अनुसार, दो वर्ष के बाद दर्ज कराए जाने वाले जन्म या मृत्यु के पंजीकरण के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी।
- एक वर्ष से दो वर्ष के बीच विलंब से होने वाले पंजीकरण के लिए जिला मजिस्ट्रेट (DM), उप-मंडल मजिस्ट्रेट (SDM) या अधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी।
- यह विधेयक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जुलाई 2026 में लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।

स्टैटिक जीके

- जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 में लागू किया गया था।
- लोकसभा भारत की संसद का निचला सदन है।

- ध्वनि मत संसद में मतदान की एक प्रक्रिया है, जिसमें सदस्य मौखिक रूप से अपनी स्वीकृति या अस्वीकृति व्यक्त करते हैं।

भारत और नेपाल ने ललितपुर के विरासत स्थलों का पुनर्स्थापन किया



- भारत और नेपाल ने जुलाई 2026 में ललितपुर के पाटन स्थित गुइटा टोले में पुनर्स्थापित श्री गुस्थल महाविहार और अगम ऑफ प्रथमश्री महाविहार का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।
- यह पुनर्स्थापन परियोजना भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए लगभग 12 करोड़ नेपाली रुपये (NPR) के अनुदान से पूरी की गई। इसका कार्यान्वयन नेपाल की केंद्रीय स्तरीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई द्वारा किया गया।
- 2015 के नेपाल भूकंप में ललितपुर की इन बौद्ध विरासत संरचनाओं सहित कई स्मारकों और पारंपरिक बस्तियों को क्षति पहुंची थी।
- पुनर्स्थापन कार्य के लिए इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) ने डिजाइन और परियोजना प्रबंधन संबंधी सहयोग प्रदान किया।
- नेपाल के पुनर्निर्माण में भारत की सहायता के तहत 30 सांस्कृतिक विरासत स्थलों के संरक्षण, 50,000 निजी मकानों, 85 शैक्षणिक संस्थानों तथा 133 स्वास्थ्य सुविधाओं के पुनर्निर्माण का कार्य शामिल है।

स्टैटिक जीके

- ललितपुर, काठमांडू घाटी के तीन प्रमुख शहरों—काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर—में से एक है।
- इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज कला, संस्कृति और विरासत स्थलों के संरक्षण से संबंधित संस्था है।

राज्यसभा ने 'वंदे मातरम्' के अपमान को अपराध घोषित करने वाला विधेयक पारित किया

- राज्यसभा ने जुलाई 2026 में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया, जिसके तहत 'वंदे मातरम्' को 'जन गण मन' के समान कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया।



- यह विधेयक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन करता है, जो राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान से संबंधित प्रावधानों से जुड़ा है।
- संशोधन के तहत 'वंदे मातरम्' के गायन में जानबूझकर बाधा डालना या इसके गायन में संलग्न सभा में व्यवधान उत्पन्न करना एक अलग अपराध बनाया गया है।
- संशोधित कानून के तहत दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक का कारावास, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।
- यह विधेयक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा जुलाई 2026 में राज्यसभा में प्रस्तुत किया गया था और विपक्ष के वॉकआउट के बाद ध्वनि मत (Voice Vote) से पारित हुआ।
- यह संशोधन 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में लाया गया तथा राष्ट्रीय गीत को वैधानिक मान्यता प्रदान की गई।

स्टैटिक जीके

- 'वंदे मातरम्' की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी और यह पहली बार 1882 में प्रकाशित उनके उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ था।
- 'जन गण मन' को 24 जनवरी 1950 को भारत के राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया।
- 'वंदे मातरम्' भारत का राष्ट्रीय गीत है, राष्ट्रगान नहीं।

पंचायती राज मंत्रालय ने ग्राम पंचायतों के डिजिटलीकरण के लिए 'दानवीर' लॉन्च किया



- पंचायती राज मंत्रालय ने जुलाई 2026 में नई दिल्ली में 'दानवीर' पहल की शुरुआत की। इसका उद्देश्य नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों के डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना है।
- दानवीर 'मेरी पंचायत' मोबाइल ऐप के माध्यम से कार्य करता है और व्यक्तियों तथा संस्थाओं को पात्र ग्राम पंचायतों के लिए मानकीकृत एवं गुणवत्ता-सत्यापित कंप्यूटर बंडल दान करने की सुविधा प्रदान करता है।
- इस मंच का उद्देश्य लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों की डिजिटल उपकरणों से संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करना है, जो ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की सबसे निचली इकाई हैं।
- दानवीर में 'मेरी पंचायत' ऐप को डिजीहाट मार्केटप्लेस से एकीकृत किया गया है, जिससे दानदाता राज्य-विशिष्ट तकनीकी मानकों के अनुसार पूर्व-स्वीकृत कंप्यूटर बंडलों का चयन कर सकते हैं।
- इस पहल को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और डिजीहाट के सहयोग से विकसित किया गया है तथा इसे डिजिटल इंडिया और विकसित भारत के विज़न से जोड़ा गया है।

स्टैटिक जीके

- ग्राम पंचायत ग्रामीण भारत में पंचायती राज व्यवस्था की सबसे निचली इकाई है।
- पंचायती राज से संबंधित प्रावधान भारतीय संविधान के भाग IX में दिए गए हैं।
- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- डिजिटल इंडिया की शुरुआत 2015 में डिजिटल सेवाओं और डिजिटल अवसंरचना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

एनकैश ने भारत का पहला यूपीआई-एकीकृत मील कार्ड लॉन्च किया



- एनकैश ने कॉर्पोरेट मील बेनिफिट्स को यूपीआई तकनीक से जोड़ने के लिए भारत का पहला यूपीआई-सक्षम मील कार्ड लॉन्च किया।
- यह कार्ड कॉर्पोरेट कर्मचारियों को भोजन बैलेंस से सीधे भुगतान करने की सुविधा देता है। इसके लिए वे खाद्य पदार्थ और किराना व्यापारियों के पात्र यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं।

- यह समाधान नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और रुपये के सहयोग से विकसित किया गया है तथा इसकी स्वीकार्यता 50,000 से अधिक खुदरा और ऑनलाइन व्यापारिक केंद्रों तक बढ़ाई गई है।
- यह मील कार्ड भारतीय रिज़र्व बैंक के नियमों और कर छूट (टैक्स एंजेम्पशन) संबंधी दिशानिर्देशों के अनुरूप है तथा इससे प्रतिवर्ष ₹1,05,600 तक की संभावित कर बचत हो सकती है।
- इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक मील वाउचर की जगह निर्बाध डिजिटल यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली उपलब्ध कराना है।

स्टैटिक जीके

- एनकैश एक भारतीय फिनटेक कंपनी है, जो कॉर्पोरेट भुगतान, व्यय प्रबंधन और बिजनेस बैंकिंग समाधान प्रदान करती है।
- नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना 2008 में भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम के तहत हुई थी।
- यूपीआई की शुरुआत 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा की गई थी।
- भारतीय रिज़र्व बैंक का मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित है।
- रुपये की शुरुआत 2012 में भारत के घरेलू कार्ड भुगतान नेटवर्क के रूप में की गई थी।

सारनाथ भारत का 45वाँ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बना



- उत्तर प्रदेश स्थित सारनाथ को दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वाँ विश्व धरोहर स्थल तथा उत्तर प्रदेश का ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी के बाद चौथा सांस्कृतिक विश्व धरोहर स्थल बन गया।
- जुलाई 1998 से यूनेस्को की अस्थायी सूची में 28 वर्षों तक रहने के बाद सारनाथ को यह दर्जा प्राप्त हुआ।
- संरक्षित विरासत स्थलों में धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, धर्मराजिका स्तूप तथा अशोक स्तंभ शामिल हैं।
- यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन, विरासत संरक्षण तथा भारत की बौद्ध विरासत के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- भगवान बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त दिया था।
- अशोक स्तंभ के सिंह शीर्ष को भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया है।
- यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है।
- धामेक स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने 249 ईसा पूर्व में सारनाथ में कराया था।

प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का अतिरिक्त प्रभार संभाला



- केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने धर्मेन्द्र प्रधान के पद से इस्तीफा देने के बाद शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाला।
- कर्तव्य भवन में कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रह्लाद जोशी ने मंत्रालय के कार्यों की जानकारी लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कीं।
- उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अधिकारियों को परीक्षा प्रक्रियाओं और प्रशासनिक सुधारों की समीक्षा के लिए तलब किया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली में सुधारों की सिफारिश करने के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का गठन किया।

स्टैटिक जीके

- शिक्षा मंत्रालय को 1985 से 2020 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नाम से जाना जाता था।
- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे।
- अनुच्छेद 21A के तहत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्रदान किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स गठित की

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार के लिए इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया।



- इस समिति का गठन प्रतियोगी और सार्वजनिक परीक्षाओं को सुरक्षित, पारदर्शी, प्रौद्योगिकी-आधारित तथा भविष्य के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से किया गया।
- टास्क फोर्स में इसरो के पूर्व अध्यक्ष एस. सोमनाथ, आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी तथा इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका शामिल हैं।
- यह पहल राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए शुरू की गई।
- यह समिति उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित समाधान, परीक्षा की शुरुआत से अंत तक सुरक्षा व्यवस्था (एंड-टू-एंड सिक्योरिटी) तथा परीक्षा प्रबंधन में प्रशासनिक सुधारों पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेपर लीक रोकने के लिए कड़े संशोधन विधेयक को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दी।
- प्रस्तावित संशोधनों के तहत दोषियों और संगठित गिरोहों के लिए 10 वर्ष तक के कारावास तथा ₹10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

- सार्वजनिक परीक्षा से संबंधित अपराधों के लिए न्यूनतम कारावास की अवधि तीन वर्ष से बढ़ाकर पाँच वर्ष करने का प्रस्ताव रखा गया है।
- विधेयक में पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े संपत्तियों की कुर्की और जब्ती का भी प्रावधान किया गया है।
- इस कानून का उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए त्वरित न्यायालय (फास्ट-ट्रैक ट्रायल) तथा गैर-जमानती (नॉन-बेलेबल) कार्रवाई की व्यवस्था लागू करना है।

स्टैटिक जीके

- संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत की गई है।
- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की स्थापना 2017 में एक स्वायत्त परीक्षा एजेंसी के रूप में की गई थी।

भारत ने ग्वालियर में पहले एकीकृत दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र को मंजूरी दी



- केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ने ग्वालियर में भारत का पहला एकीकृत दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- इस परियोजना से लगभग ₹3,500 करोड़ का निवेश आकर्षित होने तथा 14,000 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।
- 170.5 एकड़ में विकसित होने वाला यह क्षेत्र प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आधारित होगा, जिसमें डिजाइन, विनिर्माण, परीक्षण, प्रमाणन और निर्यात की सभी सुविधाएँ एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी।
- इस केंद्र में 5जी, 6जी, ऑप्टिकल फाइबर, अर्धचालक (सेमीकंडक्टर), नेटवर्किंग उपकरण तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर का निर्माण किया जाएगा।
- इस परियोजना का कार्यान्वयन विशेष प्रयोजन वाहन के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें मध्य प्रदेश सरकार की 51% तथा दूरसंचार विभाग की 49% हिस्सेदारी होगी।

स्टैटिक जीके

- दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थापित किया जाएगा।

- मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम इस परियोजना का मुख्य विकासकर्ता है।

भारत में बाघों की संख्या बढ़कर 3,682 हुई; बाघ अभयारण्यों की संख्या 58 पहुँची



- वैश्विक बाघ दिवस 2026 के अवसर पर घोषणा की गई कि भारत में बाघों की संख्या बढ़कर 3,682 हो गई है तथा बाघ अभयारण्यों की संख्या 58 हो गई है।
- केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने पिछले 12 वर्षों में हाथी अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, संरक्षित क्षेत्रों, सामुदायिक अभयारण्यों तथा आर्द्रभूमियों के विस्तार पर प्रकाश डाला।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने एक एकीकृत ईको-पर्यटन वेबपेज लॉन्च किया, जिसमें सभी बाघ अभयारण्यों की आधिकारिक जानकारी, सफारी बुकिंग लिंक, आवास संबंधी विवरण तथा प्रमाणित जानकारी उपलब्ध कराई गई है।
- मंत्री ने वन्यजीव संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी, मैदानी अनुभवों के दस्तावेजीकरण तथा क्षमता निर्माण के महत्व पर बल दिया।
- उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बड़ी बिल्ली गठबंधन की बड़ी बिल्लियों के संरक्षण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने वाली भूमिका को भी रेखांकित किया।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने बाघ संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वन अधिकारियों और संरक्षण कर्मियों को सम्मानित किया।
- प्राधिकरण ने ईको-क्लबों के माध्यम से देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान भी शुरू किया तथा बाघ संरक्षण और वन्यजीव प्रबंधन पर आधारित पाँच प्रकाशनों का विमोचन किया।

स्टैटिक जीके

- वैश्विक बाघ दिवस प्रत्येक वर्ष 29 जुलाई को मनाया जाता है।
- इसकी शुरुआत 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ शिखर सम्मेलन में की गई थी।
- भारत में 58 बाघ अभयारण्य हैं।
- प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत 1973 में की गई थी।

संसदीय समिति ने ध्रुवीय प्रतिनिधि नियुक्त करने की सिफारिश की



- विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने आर्कटिक और अंटार्कटिका में भारत की भागीदारी को सुदृढ़ करने के लिए ध्रुवीय प्रतिनिधि नियुक्त करने की सिफारिश की।
- यह सिफारिश “आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में भारत की भूमिका और उपस्थिति” शीर्षक वाली रिपोर्ट में की गई, जिसे संसद में प्रस्तुत किया गया।
- प्रस्तावित ध्रुवीय प्रतिनिधि का कार्य ध्रुवीय कूटनीति, वैज्ञानिक सहयोग, सतत विकास तथा भारत की दीर्घकालिक ध्रुवीय रणनीति को बढ़ावा देना होगा।
- समिति ने कहा कि ध्रुवीय क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तन भारत के मानसून, समुद्र-स्तर, जलवायु तथा समुद्री हितों को प्रभावित करते हैं।
- समिति ने मैत्री अनुसंधान केंद्र के नए परिसर के शीघ्र निर्माण की भी सिफारिश की तथा अंतरराष्ट्रीय बड़ी बिल्ली गठबंधन के माध्यम से सहयोग बढ़ाने पर बल दिया।

स्टैटिक जीके

- संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर हैं।
- आर्कटिक क्षेत्र 66° उत्तरी अक्षांश के ऊपर स्थित है।
- अंटार्कटिक संधि प्रणाली अंटार्कटिका के प्रशासन और संरक्षण को नियंत्रित करती है।

ग्लाव झील भारत का 101वाँ रामसर स्थल बना



- अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले में स्थित ग्लाव झील को अंतरराष्ट्रीय महत्व के भारत के 101वें रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया और यह राज्य का पहला रामसर स्थल बना।
- यह मीठे पानी की झील कमलांग टाइगर रिजर्व एवं वन्यजीव अभयारण्य के अंदर स्थित है और पूरे वर्ष पर्वतीय जलधाराओं से जल प्राप्त करती है।
- झील का बेसिन 150 से अधिक वृक्ष प्रजातियों, 49 ऑर्किड प्रजातियों तथा कई दुर्लभ वनस्पतियों और जीव-जंतुओं का आवास है।
- इस मान्यता ने पूर्वी हिमालय के आर्द्रभूमि क्षेत्रों के जैव विविधता संरक्षण, जलवायु अनुकूलन क्षमता और जल सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

स्टैटिक जीके

- रामसर कन्वेंशन को 2 फरवरी 1971 को रामसर, ईरान में अपनाया गया था।
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस प्रतिवर्ष 2 फरवरी को मनाया जाता है।
- चिलिका झील और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान 1981 में भारत के पहले रामसर स्थल बने।
- पश्चिम बंगाल की सुंदरबन आर्द्रभूमि भारत का सबसे बड़ा रामसर स्थल है।

संसद ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया



- संसद ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया, जिसे लोकसभा ने मंजूरी दे दी थी।
- इस विधेयक का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 को बदलना तथा MSME क्षेत्र में भुगतान व्यवस्था और व्यावसायिक नियमों को आधुनिक बनाना है।
- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली के माध्यम से खरीद संबंधी चालानों का भुगतान करना अनिवार्य किया गया है।
- विधेयक में दावों की मध्यस्थता के लिए 90 दिनों और दलीलें प्रस्तुत किए जाने के बाद मध्यस्थता के लिए अतिरिक्त 90 दिनों की अवधि निर्धारित की गई है।
- करोबार को सुगम बनाने के लिए पंजीकरण से जुड़े मामूली उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है और उनकी जगह अलग-अलग स्तर के प्रशासनिक मौद्रिक दंड का प्रावधान किया गया है।

स्टैटिक जीके

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 में लागू किया गया था।
- उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम का ऑनलाइन पंजीकरण किया जाता है।
- व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली का विनियमन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किया जाता है।
- जीतन राम मांझी केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'परम प्रज्ञा' एआई सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का उद्घाटन किया



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने IIT दिल्ली के सोनीपत परिसर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित उच्च-प्रदर्शन सुपरकंप्यूटिंग सुविधा 'परम प्रज्ञा' का दूरस्थ उद्घाटन किया।
- राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत विकसित यह सुविधा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और उन्नत इंजीनियरिंग अनुसंधान के लिए भारत की गणना क्षमता को मजबूत करेगी।
- यह सुपरकंप्यूटर स्वास्थ्य सेवा, मौसम पूर्वानुमान, सामग्री विज्ञान और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में अनुसंधान में सहयोग प्रदान करेगा।
- यह पहल स्वदेशी तकनीकी नवाचार और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ावा देकर 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप है।

स्टैटिक जीके

- PARAM 8000 भारत का पहला स्वदेशी सुपरकंप्यूटर था, जिसे 1991 में विकसित किया गया था।
- PARAM श्रृंखला का विकास करने वाली कंपनी C-DAC की स्थापना 1988 में हुई थी और इसका मुख्यालय पुणे, महाराष्ट्र में स्थित है।
- राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन 2015 में शुरू किया गया था।

भारत ने ई-वीजा प्रवेश के लिए 11 अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह जोड़े

- भारत ने अगस्त 2026 में वैध ई-वीजा धारक विदेशी नागरिकों के लिए 11 अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह जोड़े, जिससे नामित प्रवेश बिंदुओं की कुल संख्या 88 हो गई।



- नए बंदरगाहों में नौ स्थलीय बंदरगाह - अगरतला, दरगा, गेडे, घोडाडांगा, हरिदासपुर, जयगांव, दावकी, मोरेह और अटारी (रोड) - और भोपाल और तिरुपति में दो हवाई अड्डे शामिल हैं।
- 88 नामित ई-वीजा प्रवेश बिंदुओं में 37 हवाई अड्डे, 38 समुद्री बंदरगाह और 13 स्थलीय बंदरगाह शामिल हैं।
- भारत ने 2014 में 43 देशों के नागरिकों के लिए ई-वीजा सुविधा शुरू की थी, जिसे बाद में 172 देशों के नागरिकों तक विस्तारित किया गया।
- इस कदम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सुगम बनाना, पर्यटन को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय संपर्क में सुधार करना और वीजा बुनियादी ढांचे का विस्तार करना था।

स्टैटिक जीके

- भारतीय ई-वीजा पात्र विदेशी नागरिकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण (इलेक्ट्रॉनिक ट्रेवल ऑथराइजेशन) का उपयोग करता है।
- प्रमुख ई-वीजा श्रेणियों में पर्यटक, व्यावसायिक, चिकित्सा, छात्र, पारगमन और पर्वतारोहण वीजा शामिल हैं।

संसद द्वारा न्यायाधिकरण सुधार विधेयक 2026 पारित किया गया



- संसद ने न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 पारित किया, जिसमें प्रमुख न्यायाधिकरणों के प्रशासन के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग (एनटीसी) का प्रावधान है।
- एनटीसी नई दिल्ली में एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करेगा और नियुक्तियों की सिफारिश करेगा, न्यायाधिकरणों की निगरानी करेगा, सदस्यों

की जांच करेगा, प्रस्तावित राष्ट्रीय न्यायाधिकरण डेटा ग्रिड का प्रबंधन करेगा और सेवा शर्तों को मानकीकृत करेगा।

- पांच सदस्यीय आयोग में एक अध्यक्ष, दो न्यायिक सदस्य और दो तकनीकी सदस्य होंगे, जिनमें अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होंगे।
- विधेयक के अनुसार, केंद्र सरकार को सिफारिशें प्राप्त होने के तीन महीने के भीतर नियुक्तियां करनी होंगी और अनुशंसित व्यक्ति की नियुक्ति न होने की स्थिति में एक प्रतीक्षारत उम्मीदवार का प्रावधान है।
- न्यायाधीश अध्यक्ष पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक, जबकि सदस्य पांच वर्ष या 67 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, सेवा कर सकते हैं।
- प्रथम अनुसूची में 16 प्रमुख न्यायाधिकरण और अपीलीय न्यायाधिकरण शामिल हैं, जिनमें CAT, NGT, ITAT, CESTAT, DRT, और TDSAT शामिल हैं।
- इन सुधारों का उद्देश्य रक्तियों और नियुक्तियों में होने वाली देरी को कम करना है, साथ ही एकरूपता, प्रशासनिक दक्षता और न्यायाधिकरण की स्वतंत्रता में सुधार करना है।

स्टैटिक जीके

- न्यायाधिकरण विशिष्ट श्रेणियों के विवादों के समाधान के लिए विशेष तंत्र प्रदान करते हैं।
- न्यायाधीश सुधार अधिनियम, 2021 विधेयक में उल्लिखित पूर्ववर्ती विधायी ढांचा था।

जनगणना 2027 के प्रश्न अधिसूचित कर दिए हैं



- केंद्र सरकार ने अगस्त 2026 में जनगणना 2027 के जनसंख्या गणना चरण के लिए 40 प्रश्न अधिसूचित किए।
- परिवार अनुसूची में जनसांख्यिकीय, शैक्षिक और सामाजिक-आर्थिक विवरणों के साथ-साथ आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, डाइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट नंबर जैसे पहचान संबंधी विवरण भी शामिल हैं, जहाँ लागू हों।
- जनगणना 2027 भारत की पहली डिजिटल जनगणना है, जिसमें कई क्षेत्रों में कागजी अनुसूचियों के बजाय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से डेटा संग्रह की योजना बनाई गई है।

- पहला चरण, गृह सूचीकरण और आवास जनगणना, अप्रैल 2026 में शुरू हुआ।
- व्यापक जाति गणना को अप्रैल 2025 में मंजूरी दी गई, जिसमें प्रश्न 10 में “अनुसूचित जाति (SC)/अनुसूचित जनजाति (ST)/जाति” के लिए एक खुला क्षेत्र दिया गया है।
- प्रश्नावली में डिजिटल साक्षरता, बैंक खातों की कुल संख्या और कोविड-19 टीकाकरण के स्थान के बारे में भी जानकारी एकत्र की जाती है।
- लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढके क्षेत्रों में जनसंख्या गणना अगस्त 2026 में शुरू होगी, जबकि शेष भारत को फरवरी 2027 में कवर किया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- भारत की जनगणना जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत संपन्न की जाती है।
- भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त जनगणना कार्यों की देखरेख करते हैं।
- जनगणना के आंकड़े जनसंख्या गणना, घरेलू जानकारी, सामाजिक-आर्थिक वर्गीकरण, परिसीमन, कल्याणकारी योजना और आधिकारिक सांख्यिकी में सहायक होते हैं।

पीएम मोदी ने विकसित भारत के लिए सप्त धारा फ्रेमवर्क का अनावरण किया



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2026 में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में सात स्तंभों वाले सप्तधारा ढांचे का परिचय दिया।
- शक्ति की सप्तधारा कहलाने वाले इस ढांचे का उद्देश्य सात धाराओं के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना है: विनिर्माण, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गति शक्ति, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, हरित और नीली अर्थव्यवस्था और भारत की सॉफ्ट पावर।
- प्रौद्योगिकी और नवाचार धारा में अगले वर्ष 1 करोड़ युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रशिक्षित करने की मिशन-मोड योजना शामिल है।
- भारत ने 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसके तहत अगले छह से सात वर्षों में पांच नए परमाणु रिएक्टरों के परिचालन में आने की उम्मीद है।

- भारत का घरेलू पाइपलाइन प्राकृतिक गैस नेटवर्क 12 साल पहले के 70 शहरों से बढ़कर 700 से अधिक शहरों तक पहुंच गया है, जिससे 1.75 करोड़ घरों को जोड़ा गया है।

स्टैटिक जीके

- गति शक्ति परिवहन, रसद और अवसंरचना परियोजनाओं के लिए एकीकृत योजना पर केंद्रित है।
- हरित अर्थव्यवस्था कम कार्बन उत्सर्जन वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करती है, जबकि नीली अर्थव्यवस्था में महासागर और समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग शामिल है।
- नरम शक्ति से तात्पर्य सैन्य बल के बजाय संस्कृति, मूल्यों, शिक्षा और कूटनीति के माध्यम से प्रभाव डालने से है।

भारत ने निजी और विदेशी कंपनियों के लिए परमाणु क्षेत्र के दरवाजे खोल दिए हैं



- भारत ने शांति अधिनियम, 2025 के माध्यम से अपने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भारतीय निजी कंपनियों और विदेशी साझेदारों के लिए खोल दिया, जिसने परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को निरस्त कर दिया।
- परमाणु ऊर्जा विभाग ने अगस्त 2026 में मसौदा नियम जारी किए, जिससे निजी कंपनियों को औपचारिक लाइसेंस से पहले साइट की तैयारी, भूमि अधिग्रहण और विक्रेता चयन के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त करने की अनुमति मिल गई।
- ये नियम सुरक्षा आवश्यकताओं के अधीन, सिद्ध विदेशी परिचालन रिकॉर्ड वाली विदेशी रिएक्टर प्रौद्योगिकियों के उपयोग की भी अनुमति देते हैं।
- भारत ने परमाणु ऊर्जा मिशन के तहत 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसमें स्वदेशी 700 मेगावाट रिएक्टर और 2033 तक पांच लघु मॉड्यूलर रिएक्टर शामिल हैं।
- शांति अधिनियम संयुक्त उद्यमों के माध्यम से 49% तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देता है और राज्य पर्यवेक्षण के तहत परमाणु संयंत्रों के निजी स्वामित्व और संचालन के लिए एक ढांचा प्रदान करता है।
- अडानी पावर ने मई 2026 में राजस्थान और महाराष्ट्र में संभावित परियोजनाओं के लिए दो परमाणु-समर्पित सहायक कंपनियों की स्थापना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिसंबर 2025 में शांति विधेयक पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया, जिससे यह औपचारिक रूप से भारत के रूपांतरण के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास अधिनियम, 2025 बन गया।

स्टैटिक जीके

- परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 ने लगभग छह दशकों तक भारत के परमाणु क्षेत्र को विनियमित किया।
- परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 परमाणु दुर्घटनाओं से उत्पन्न होने वाले दायित्व से संबंधित है।
- छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर कम उत्पादन और मॉड्यूलर तैनाती के लिए डिज़ाइन किए गए कॉम्पैक्ट परमाणु रिएक्टर हैं।

एनएमसी ने डॉक्टरों के लिए यूनिफ़ाईड आईडी का प्रस्ताव दिया



- नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने अगस्त 2026 में रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर्स और मेडिसिन प्रैक्टिस करने के लाइसेंस से जुड़े 2026 के संशोधन नियमों का ड्राफ्ट जारी किया।
- ड्राफ्ट में एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड (ईएमआरबी) के माध्यम से रजिस्टर्ड डॉक्टरों के लिए केंद्रीय रूप से जनरेट होने वाली यूनिफ़ाईड आईडेंटिफिकेशन (यूआईडी) संख्या का प्रस्ताव दिया गया।
- यूआईडी को स्टेट मेडिकल रजिस्टर से जोड़ा जाएगा और यह डॉक्टर के मेडिकल रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड के लिए एक सिंगल आइडेंटिफायर के रूप में काम करेगी।
- प्रस्तावित “वन नेशन, वन लाइसेंस” व्यवस्था के तहत यूआईडी वाले डॉक्टर अलग-अलग राज्यों के लिए अलग लाइसेंस के बिना पूरे भारत में प्रैक्टिस कर सकेंगे।
- नेशनल मेडिकल रजिस्टर (एनएमआर) केंद्रीय रिकॉर्ड के रूप में काम करेगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई, प्रोफेशनल मिसकंडक्ट और निलंबन की जानकारी दर्ज करेगा।
- स्टेट मेडिकल रजिस्टर और एनएमआर एक यूनिफ़ाईड रजिस्ट्रेशन पोर्टल के माध्यम से अपने-आप सिंक्रोनाइज होंगे।
- प्रैक्टिस करने का लाइसेंस 5 वर्षों के लिए वैध रहेगा। समाप्ति के 3 महीने के भीतर रिन्यूअल के लिए आवेदन न करने पर डॉक्टर को “इनएक्टिव” चिह्नित किया जाएगा।

- जिन मौजूदा डॉक्टरों के पास यूआईडी नहीं है, उन्हें ईएमआरबी पोर्टल पर अपनी जानकारी अपडेट करनी होगी। एक बार यूआईडी जनरेट करने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।
- एनएमसी ने ड्राफ्ट नियमों पर अधिसूचना जारी होने के 30 दिनों के भीतर आपत्तियाँ और सुझाव आमंत्रित किए।

स्टैटिक जीके

- एनएमसी की स्थापना नेशनल मेडिकल कमीशन एक्ट, 2019 के तहत हुई थी।
- ईएमआरबी एनएमसी के तहत काम करने वाले चार स्वायत्त बोर्डों में से एक है।
- एनएमआर भारत में लाइसेंस प्राप्त मेडिकल प्रैक्टीशनर्स का केंद्रीय रजिस्टर है।

डीओटी ने ग्राहकों की तस्वीरों का उपयोग करते हुए नौ-सिम सीमा लागू की



- डीओटी ने अगस्त 2026 में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया कि निर्धारित सिम सीमा तक पहुँच चुके ग्राहकों को नए मोबाइल कनेक्शन देने से इनकार किया जाए।
- भारत के अधिकांश हिस्सों में एक व्यक्ति सभी ऑपरेटरों में मिलाकर अधिकतम नौ मोबाइल कनेक्शन रख सकता है, जबकि जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में यह सीमा छह है।
- अगस्त 2026 से, डिजिटल इडेंटिफिकेशन प्लेटफॉर्म अनुमत सीमा से अधिक आवेदनों की जाँच हेतु ऑपरेटरों को प्रतिनिधि ग्राहक तस्वीरें उपलब्ध कराएँ।
- ऑपरेटर शुरुआत में अगले दिन सत्यापन (नेक्स्ट-डे वेरिफिकेशन) का उपयोग करेंगे, और एक दिन के लिए भी सक्रिय की गई किसी भी अतिरिक्त सिम को निलंबित करना होगा।
- नवंबर 2026 तक, ऑपरेटरों को ग्राहक नामांकन और सक्रियण के दौरान वास्तविक-समय फोटोग्राफिक सत्यापन (रियल-टाइम वेरिफिकेशन) की ओर परिवर्तित होना होगा।
- इस उपाय का उद्देश्य साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी, जिसमें डिजिटल अरेस्ट घोटाले शामिल हैं, को रोकना है।

स्टैटिक जीके

- डीओटी संचार मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- डिजिटल अरेस्ट घोटाले पुलिस या एजेंसी की कार्रवाई का झूठा दावा करने हेतु धोखाधड़ीपूर्ण कॉल या संदेशों का उपयोग करते हैं।

जल शक्ति मंत्रालय ने डेटा शेयरिंग पॉलिसी जारी की



जल शक्ति मंत्रालय
MINISTRY OF
JAL SHAKTI

- जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने अगस्त 2026 में डेटा शेयरिंग, इंटरऑपरेबिलिटी और स्टेकहोल्डर एक्सेस पॉलिसी जारी की।
- यह पॉलिसी सुजलाम भारत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का समर्थन करती है और भारत के ग्रामीण पेयजल क्षेत्र पर लागू होती है।
- इसमें केंद्र, राज्य, केंद्रशासित प्रदेश, ग्राम पंचायतों और अधिकृत स्टेकहोल्डर्स के लिए फेडरेटेड डेटा-शेयरिंग फ्रेमवर्क बनाया गया है।
- इस फ्रेमवर्क में कॉमन आइडेंटिफायर्स, स्टैंडर्डाइज्ड मेटाडेटा, इंटरऑपरेबल रजिस्ट्रियाँ और सुरक्षित डिजिटल सेवाओं का उपयोग किया जाएगा।
- ग्राम पंचायतों को एसेट मॉनिटरिंग, शिकायत निवारण और सेवा जवाबदेही में अधिक भूमिका दी गई है।
- यह पॉलिसी एआई-सक्षम एनालिटिक्स, जियोस्पेशियल प्लानिंग, वाटर-क्वालिटी मॉनिटरिंग और डिजिटल ट्विन्स के उपयोग को बढ़ावा देती है।

स्टैटिक जीके

- जल जीवन मिशन 2019 में ग्रामीण भारत में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शंस उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया था।
- मेटाडेटा वह डेटा है, जो डेटा के वर्गीकरण, खोज और डिजिटल आदान-प्रदान में उपयोग होता है।
- डिजिटल ट्विन्स भौतिक परिसंपत्तियों या प्रणालियों के वर्चुअल मॉडल होते हैं, जिनका उपयोग मॉनिटरिंग और प्लानिंग के लिए किया जाता है।

कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट की स्थायी लद्दाख बेंच को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त 2026 में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट की लद्दाख में एक स्थायी बेंच को मंजूरी दी।
- यह बेंच साझा हाई कोर्ट का तीसरा स्थान होगा। वर्तमान में हाई कोर्ट श्रीनगर और जम्मू से काम करता है।
- नई बेंच से लद्दाख के दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों को न्याय तक आसान पहुंच मिलेगी और जम्मू या श्रीनगर जाने की जरूरत कम होगी।
- जुलाई 2026 तक हाई कोर्ट में 44,557 मामले लंबित थे, जिनमें 6,100 से अधिक मामले 10 वर्षों से ज्यादा समय से लंबित थे।
- पूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य के पुनर्गठन के बाद 31 अक्टूबर 2019 को लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश बना।

स्टैटिक जीके

- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट एक ही न्यायिक संस्था के माध्यम से दोनों केंद्रशासित प्रदेशों में न्यायिक सेवाएं प्रदान करता है।
- स्थायी हाई कोर्ट बेंच भौगोलिक रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में न्याय तक पहुंच बेहतर बनाने में मदद करती हैं।
- लद्दाख में लेह और कारगिल दो जिले हैं।
- विनय कुमार सक्सेना लद्दाख के उपराज्यपाल थे।

सुप्रीम कोर्ट ने श्रम कानून के तहत “इंडस्ट्री” की परिभाषा में बदलाव किया



- सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2(j) के तहत “इंडस्ट्री” के अर्थ पर फैसला सुनाया।
- पीठ की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने की और 1978 के बेंगलोर वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड बनाम ए. राजप्पा मामले के फैसले पर पुनर्विचार किया।
- 5:4 के बहुमत से कोर्ट ने माना कि पारंपरिक “ट्रिपल टेस्ट” में और सुधार की जरूरत है।
- 6:3 के बहुमत से कोर्ट ने 1978 के फैसले पर पुनर्विचार की मांग को वैध और विचारणीय माना।
- संशोधित ट्रिपल टेस्ट भविष्य में लागू होगा।
- औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत लंबित मामलों में 1978 की मूल परिभाषा ही लागू रहेगी।

- 1978 की व्याख्या इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020 के तहत “इंडस्ट्री” के अर्थ पर लागू नहीं होगी।
- यह मामला स्टेट ऑफ उत्तर प्रदेश बनाम जय बीर सिंह था।
- नौ जजों की पीठ ने मार्च 2026 में तीन दिनों तक लगातार हुई दलीलों के बाद फैसला सुरक्षित रखा था।
- चार जजों ने फैसले के प्रमुख मुद्दों पर असहमति जताते हुए 1978 के फैसले को सही माना।
- असहमति जताने वाले जजों में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल थे।

स्टैटिक जीके

- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 औद्योगिक विवादों और उनके निपटारे से संबंधित है।
- संविधान पीठ में अनुच्छेद 145 के तहत सुप्रीम कोर्ट के 5 या उससे अधिक जज हो सकते हैं।
- बेंगलोर वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड बनाम ए. राजप्पा मामले का फैसला 1978 में आया था।
- इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020 भारत के श्रम कानूनों को एकीकृत करने वाले ढांचे का हिस्सा है।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सेवा के लिए प्रैक्टिस की अनिवार्यता घटाकर 1 वर्ष की



- सुप्रीम कोर्ट ने सिविल जज, जूनियर डिवीजन के पदों के लिए अनिवार्य सक्रिय वकालत का अनुभव 3 वर्ष से घटाकर 1 वर्ष कर दिया।
- यह फैसला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति ऑगस्ट जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की तीन जजों की पीठ ने 2:1 के बहुमत से दिया।
- इस फैसले से सुप्रीम कोर्ट के मई 2025 के उस फैसले में बदलाव किया गया, जिसमें 3 वर्ष की वकालत की अनिवार्यता बहाल की गई थी।
- चयनित उम्मीदवारों को संबंधित राज्य न्यायिक अकादमी में 1 वर्ष का गहन प्रशिक्षण पूरा करना होगा।
- कोर्ट ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश के अधीन 6 महीने और हाई कोर्ट के कार्यरत न्यायाधीश के अधीन 6 महीने की क्लर्कशिप भी अनिवार्य की है।

- मई 2025 से मार्च 2027 के बीच अधिसूचित न्यायिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को ट्रांजिशनल छूट दी गई है और उन्हें प्रैक्टिस सर्टिफिकेट देने की आवश्यकता नहीं होगी।
- अप्रैल 2027 से जारी होने वाली भर्ती अधिसूचनाओं में कम से कम 1 वर्ष की सत्यापित सक्रिय वकालत अनिवार्य होगी।
- न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन ने असहमति जताते हुए कहा कि क्लासरूम ट्रेनिंग सक्रिय वकालत से मिलने वाले अनुभव की जगह नहीं ले सकती।

स्टैटिक जीके

- सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत भारत की सर्वोच्च अदालत के रूप में कार्य करता है।
- सिविल जज, जूनियर डिवीजन अधीनस्थ न्यायपालिका में प्रवेश स्तर का पद है।
- जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिले के स्तर पर सबसे वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी होते हैं।

नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे ने सबसे लंबी अवध महाशक्ति फ्रेट ट्रेन चलाई



- नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे के लखनऊ डिवीजन ने अगस्त 2026 में अवध महाशक्ति फ्रेट ट्रेन चलाई, जो इस जोनल रेलवे के इतिहास की सबसे लंबी ट्रेन थी।
- इस ट्रेन को तीन मालगाड़ियों को जोड़कर तैयार किया गया था। इसमें 129 वैगन और 3 हेवी-ड्यूटी लोकोमोटिव शामिल थे।
- ट्रेन गोंडा जंक्शन से रवाना हुई और सीतापुर के रास्ते मुरादाबाद डिवीजन की ओर गई।
- ट्रेन को गोंडा आरओएच डिपो में तैयार किया गया, जहाँ रेल डिब्बों की जांच, मेंटेनेंस और सर्विसिंग की जाती है।
- तीन अलग-अलग मालगाड़ियों की जगह एक ट्रेन चलाने से ट्रैक का उपयोग, ईंधन की खपत और ट्रांजिट टाइम कम हुआ।

स्टैटिक जीके

- नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे भारतीय रेलवे के रेलवे जोन में से एक है।
- गोंडा जंक्शन उत्तर प्रदेश में स्थित है और नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे जोन के अंतर्गत आता है।
- फ्रेट ट्रेनों कोयला, सीमेंट, खाद्यान्न, उर्वरक, पेट्रोलियम उत्पाद और कंटेनर जैसी वस्तुओं का परिवहन करती हैं।

एनबीएसएस एंड एल्यूपी ने भारत का पहला सॉइल टेक्सचर मैप विकसित किया



- नेशनल ब्यूरो ऑफ सॉइल सर्वेस एंड लैंड यूज प्लानिंग (एनबीएसएस एंड एल्यूपी) ने भारत का पहला सॉइल टेक्सचर मैप (मृदा बनावट मानचित्र) विकसित किया। इसका मुख्यालय नागपुर में है और यह इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) के तहत कार्य करता है।
- यह मैप जुलाई 2026 में जारी किया गया और देशभर में हेक्टेयर स्तर पर डिजिटाइज्ड मृदा वर्गीकरण डेटा उपलब्ध कराता है।
- सॉइल टेक्सचर में रेत, गाद और चिकनी मिट्टी का अनुपात शामिल होता है। यह मृदा वर्गीकरण, सिंचाई योजना, भूमि उपयोग योजना और फसल उपयुक्तता के लिए महत्वपूर्ण है।
- मैप तैयार करने में फील्ड स्टडी, रिमोट सेंसिंग, सैटेलाइट इमेजरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया गया।
- यह कृषि योजना, फसल उपयुक्तता मैपिंग और सरकारी संसाधनों के आवंटन के लिए गाँव स्तर की जानकारी उपलब्ध कराता है।
- भारत का पहला सॉइल डेप्थ मैप (मृदा गहराई मानचित्र) सॉइल टेक्सचर मैप से एक वर्ष पहले विकसित और जारी किया गया था।
- ब्यूरो की अगली परियोजना सॉइल वॉटर रिटेंशन और एब्जॉर्प्शन कैपेसिटी की मैपिंग पर केंद्रित है, विशेष रूप से महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में।

स्टैटिक जीके

- एनबीएसएस एंड एल्यूपी का मुख्यालय नागपुर, महाराष्ट्र में है और इसे 1976 में आधिकारिक दर्जा मिला था।
- ब्यूरो ने 2026 में 50 वर्ष पूरे किए।
- सॉइल टेक्सचर रेत, गाद और चिकनी मिट्टी के अनुपात से निर्धारित होता है।

गृह मंत्रालय ने सीएए आवेदन प्रक्रिया जिला कलेक्टरों को सौंपी

- गृह मंत्रालय ने नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के तहत लंबित नागरिकता आवेदनों की प्रक्रिया का जिम्मा आठ निर्दिष्ट राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जिला कलेक्टरों को सौंप दिया।



- यह बदलाव नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6B के तहत आने वाले आवेदनों पर लागू होगा और इसे नागरिकता (तीसरा संशोधन) नियम, 2026 के माध्यम से लागू किया गया।
- संशोधित व्यवस्था में गुजरात, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख तथा असम और त्रिपुरा के गैर-जनजातीय क्षेत्र शामिल हैं।
- जिला कलेक्टर दस्तावेजों का सत्यापन, जांच, निष्ठा की शपथ दिलाने और पात्र आवेदकों को नागरिकता देने की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।
- मार्च 2024 में लागू पिछली व्यवस्था में सशक्त समितियों और जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया की जाती थी, जिसमें जनगणना, इंटेलिजेंस ब्यूरो और डाक विभाग के अधिकारी शामिल थे।
- नई अधिसूचना ने फरवरी और मार्च 2026 में जारी दो प्रशासनिक आदेशों को रद्द कर दिया, लेकिन उन आदेशों के तहत पहले से पूरी की गई कार्रवाई वैध रहेगी।
- संशोधित व्यवस्था के तहत संबंधित क्षेत्रों में नागरिकता आवेदनों की पहली स्तर की प्रक्रिया जिला प्रशासन के स्तर पर की जाएगी।

स्टैटिक जीके

- नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 ने नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन किया।
- धारा 6B 2019 के संशोधन के तहत पात्र व्यक्तियों को नागरिकता प्राप्त करने का कानूनी रास्ता प्रदान करती है।
- नागरिकता अधिनियम, 1955 जन्म, वंश, पंजीकरण, देशीकरण और क्षेत्र के विलय के आधार पर नागरिकता से संबंधित प्रावधान करता है।

सरकार ने बच्चों के लिए दो-घटक वाली कफ और कोल्ड दवाओं के संयोजन पर प्रतिबंध लगाया



- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाले फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी।
- यह प्रतिबंध ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26A के तहत लगाया गया है और इसमें सिरप और ड्रॉप्स जैसी दवा की फॉर्मूलेशन शामिल हैं।
- दवाओं के पैक, लेबल, पैकेजिंग इंसर्ट और प्रचार सामग्री पर अनिवार्य चेतावनी लिखनी होगी—“फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन का उपयोग चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में नहीं किया जाना चाहिए।”
- यह प्रतिबंध एक्सपर्ट कमेटी के आकलन और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड के विचार-विमर्श के बाद लगाया गया।
- यह आदेश अप्रैल 2025 की उस अधिसूचना का विस्तार है, जिसमें इन्हीं घटकों वाली कुछ विशेष फॉर्मूलेशन से संबंधित प्रावधान थे। इसके अलावा, जून 2026 में 16 अन्य अनुचित फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन पर भी रोक लगाई गई थी।
- यह प्रतिबंध उम्र-विशिष्ट है और सभी कफ एवं कोल्ड दवाओं पर संपूर्ण प्रतिबंध नहीं है।

स्टैटिक जीके

- ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26A केंद्र सरकार को जनहित में दवाओं को नियंत्रित या प्रतिबंधित करने का अधिकार देती है।
- फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन में एक ही डोज फॉर्म में दो या अधिक सक्रिय फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स होते हैं।
- क्लोरफेनिरामाइन मैलेट एक एंटीहिस्टामाइन है, जबकि फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड एक नेजल डीकंजैस्टेंट है।
- सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) भारत की राष्ट्रीय दवा नियामक संस्था है।

आईसीएआर ने 16 नई स्वदेशी पशुधन नस्लों का पंजीकरण किया



- आईसीएआर ने 2026 में आईसीएआर-एनबीएजीआर, करनाल, हरियाणा के माध्यम से 16 नई स्वदेशी पशुधन और कुत्तों की नस्लों का पंजीकरण किया। इसके साथ भारत में पंजीकृत पशु नस्लों की कुल संख्या 262 हो गई है, जिसमें 258 स्वदेशी और 4 सिंथेटिक नस्लें शामिल हैं।
- ब्रीड रजिस्ट्रेशन कमेटी ने नई दिल्ली में आयोजित अपनी 14वीं बैठक में इन 16 नस्लों की सिफारिश की, जबकि आईसीएआर-एनबीएजीआर ने अगस्त 2026 में इन्हें विशिष्ट एक्सेशन नंबर प्रदान किए।
- चार नई गाय की नस्लें हैं—कोप्पल (कर्नाटक), महाकौशली (मध्य प्रदेश), पेरियार (केरल) और उमरदा (महाराष्ट्र)।
- चार नई भेड़ की नस्लें हैं—असोमी (असम), कोव देबार (उत्तराखंड), मडग्याल (महाराष्ट्र और कर्नाटक) और सीमांचली (बिहार)।
- अन्य नई नस्लों में गोमंचली भैंस (गोवा), टोटापुरी और बत्तीसी बकरी (राजस्थान), नागल सूअर (नागालैंड), सिक्किमी याक (सिक्किम), ब्रज गधा (उत्तर प्रदेश), कश्मीरी पोनी (जम्मू-कश्मीर) और कोंबई कुत्ता (तमिलनाडु) शामिल हैं।
- नस्लों का पंजीकरण भारत की स्वदेशी पशु आनुवंशिक विविधता के आधिकारिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण में मदद करता है।

स्टैटिक जीके

- आईसीएआर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के तहत कार्य करता है।
- आईसीएआर-एनबीएजीआर का मुख्यालय करनाल, हरियाणा में है और यह पशु आनुवंशिक संसाधनों से संबंधित कार्य करता है।
- पंजीकृत नस्लों में गाय, भेड़, भैंस, बकरी, सूअर, याक, गधा, पोनी और कुत्ता शामिल हैं।

संसद ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने वाला विधेयक पारित किया



- संसद के दोनों सदनों ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया, जिससे राज्य का नाम बदलकर “केरलम” करने का रास्ता साफ हो गया।
- यह विधेयक संविधान की पहली अनुसूची में संशोधन करता है, ताकि सरकारी रिकॉर्ड में नया आधिकारिक नाम दर्ज किया जा सके।
- यह मंजूरी केरल विधानसभा द्वारा राज्य का नाम बदलने के लिए सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के बाद दी गई।
- यह बदलाव आधिकारिक अंग्रेजी नाम को पारंपरिक मलयालम नाम “केरलम” के अनुरूप करता है।

स्टैटिक जीके

- संवैधानिक अनुच्छेद: अनुच्छेद 3 संसद को राज्यों के नाम बदलने का अधिकार देता है।
- केरल का गठन: केरल का गठन 1 नवंबर 1956 को हुआ था।
- पहली अनुसूची: इसमें भारत के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सूची दी गई है।
- राजभाषा: मलयालम केरल की आधिकारिक भाषा है।



भारत और चीन 1 अगस्त से नाथू ला सीमा व्यापार फिर शुरू करेंगे



- भारत और चीन ने 1 अगस्त 2026 से पूर्वी सिक्किम स्थित नाथू ला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने का निर्णय लिया।
- कोविड-19 महामारी और सीमा पर तनाव के कारण यह व्यापार मार्ग 2020 से छह वर्षों तक बंद रहा।
- विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने जुलाई 2026 में चीन का दौरा किया और उप विदेश मंत्री सुन हाईयान के साथ द्विपक्षीय संबंधों तथा प्राथमिकता वाले मुद्दों पर चर्चा की।
- भारत ने 45 किलोमीटर लंबे सिवोक-रंगपो रेल संपर्क के माध्यम से सिक्किम की कनेक्टिविटी को मजबूत किया, जिसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसे आगे नाथू ला दर्रे तक विस्तारित करने की योजना है।
- भारत-चीन सीमा व्यापार दोनों देशों के द्विपक्षीय समझौतों के तहत निर्धारित दरों के माध्यम से जारी रहता है और यह सामान्य वाणिज्यिक व्यापार से अलग है।
- ये सीमा व्यापार मार्ग सिक्किम और उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों और व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

स्टैटिक जीके

- नाथू ला दर्रा पूर्वी सिक्किम में भारत-चीन सीमा पर स्थित है।
- नाथू ला दर्रा को 2006 में सीमा व्यापार के लिए पुनः खोला गया था और यह ऐतिहासिक रेशम मार्ग से जुड़ा है।
- नाथू ला के माध्यम से सीमा व्यापार सामान्यतः मई से नवंबर तक की अवधि में अनुमति प्राप्त होता है।
- उत्तराखंड का लिपुलेख दर्रा भारत-चीन सीमा व्यापार का दूसरा निर्धारित व्यापार मार्ग है।

रूस ने टेलीग्राम के संस्थापक पावेल ड्यूरोव पर आतंकवाद में सहायता का आरोप लगाया



- रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने जुलाई 2026 में टेलीग्राम के संस्थापक पावेल ड्यूरोव पर रूसी दंड संहिता की धारा 205.1 के तहत आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने का आरोप लगाया।
- एफएसबी ने आतंकवादी गतिविधियों में सहायता से जुड़े आरोपों के आधार पर पावेल ड्यूरोव को अंतरराष्ट्रीय वांछित सूची में शामिल किया।
- एफएसबी ने आरोप लगाया कि टेलीग्राम के प्रशासन ने उन चैनलों, चैट्स और बॉट्स को नहीं हटाया, जिनका कथित रूप से तोड़फोड़, आतंकवादी गतिविधियों और साइबर धोखाधड़ी के लिए उपयोग किया जा रहा था।
- पावेल ड्यूरोव के पास संयुक्त अरब अमीरात और फ्रांस की दोहरी नागरिकता है तथा वे दुबई में निवास करते हैं।

स्टैटिक जीके

- टेलीग्राम की शुरुआत 2013 में पावेल ड्यूरोव और उनके भाई निकोलाई ड्यूरोव ने क्लाउड-आधारित त्वरित संदेश सेवा के रूप में की थी।
- टेलीग्राम का मुख्यालय दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में स्थित है।
- रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) रूस की प्रमुख घरेलू सुरक्षा एजेंसी है।

वेनेजुएला ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय से अलग होने की घोषणा की

- वेनेजुएला ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की स्थापना करने वाली रोम संविधि से अलग होने की औपचारिक सूचना संयुक्त राष्ट्र को दे दी।



- यह निर्णय अंतरिम राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज़ के निर्देश पर विदेश मंत्री फेलिक्स प्लासेंसिया ने घोषित किया।
- वेनेज़ुएला ने भौगोलिक पक्षपात और असमान व्यवहार को आईसीसी से अलग होने का कारण बताया।
- रोम संविधि के अनुच्छेद 127 के अनुसार, यह वापसी सूचना दिए जाने के एक वर्ष बाद प्रभावी होगी।
- इस वापसी का आईसीसी में चल रही जांचों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिसमें 2021 में शुरू की गई वेनेज़ुएला में मानवता के विरुद्ध अपराधों की जांच भी शामिल है।
- आईसीसी ने 2017 के सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कथित रूप से हुए अपराधों की जांच शुरू की थी।
- इस घटनाक्रम से आईसीसी के समक्ष बढ़ती चुनौतियां और स्पष्ट हुईं, क्योंकि कई देशों ने न्यायालय की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए हैं।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) का मुख्यालय द हेग, नीदरलैंड में स्थित है।
- रोम संविधि 2002 में प्रभावी हुई थी।
- आईसीसी नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध तथा आक्रामकता के अपराध की जांच करता है।

नाउरू आधिकारिक रूप से नाओएरो गणराज्य बना



- नाउरू ने अगस्त 2026 में आधिकारिक रूप से अपना नाम बदलकर **नाओएरो गणराज्य** कर लिया, ताकि नाउरू भाषा में प्रचलित पारंपरिक वर्तनी और उच्चारण को प्रतिबिंबित किया जा सके।
- राष्ट्रपति डेविड एडेआंग ने कहा कि इस बदलाव का उद्देश्य देश की पारंपरिक पहचान को पुनर्स्थापित करना, उसकी भाषा और संस्कृति को संरक्षित करना तथा देशभक्ति को बढ़ावा देना है।
- नाम परिवर्तन को सार्वजनिक जनमत संग्रह कराए बिना, परामर्श के बाद संसदीय मतदान के माध्यम से मंजूरी दी गई।
- देश का नया कोड NRO हो गया, जिसने NRU का स्थान लिया। वहीं, नागरिकों को नाउरूवासी के बजाय देई-नाओएरो कहा जाने लगा।
- संयुक्त राष्ट्र ने अपने अभिलेखों में नए नाम को अपडेट कर दिया, जबकि ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और अन्य देशों ने भी इसका उपयोग शुरू कर दिया।
- देश की आबादी लगभग 12,000 है और जर्मन औपनिवेशिक शासन के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन के एक दौर से गुजरने के बाद इसे 1968 में स्वतंत्रता मिली थी।
- फॉस्फेट संसाधनों में कमी आने के बाद नाओएरो को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा और यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति भी संवेदनशील बना रहा।

स्टैटिक जीके

- नाओएरो दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है।
- इसकी राजधानी यारेन है, जो सरकार के वास्तविक मुख्यालय के रूप में कार्य करती है।
- क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों के आधार पर नाओएरो दुनिया के सबसे छोटे संप्रभु देशों में से एक है।
- 1970 के दशक में फॉस्फेट खनन नाओएरो की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख स्रोत था।

18 साल की उम्र में नाथन थॉमस बने दुनिया के सबसे कम उम्र के पुरुष प्रोफेसर



- नाथन थॉमस 18 वर्ष और 346 दिन की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के पुरुष प्रोफेसर बने और उन्होंने 306 साल पुराना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया।
- उन्हें फ्लोरिडा के मियामी डेड कॉलेज में व्याख्याता नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने सी फॉर इंजीनियर्स (COP 2270) विषय पढ़ाया।
- थॉमस ने स्कॉटलैंड के गणितज्ञ कॉलिन मैकलॉरिन का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो 1700 के दशक की शुरुआत में 19 वर्ष की उम्र में प्रोफेसर बने थे।
- उन्होंने 10 वर्ष की उम्र में मियामी डेड कॉलेज में दाखिला लिया और बाद में 14 वर्ष की उम्र में फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया।
- उन्होंने चार वर्षों के भीतर विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक और परास्नातक, दोनों डिग्रियाँ विशिष्ट योग्यता के साथ प्राप्त कीं।
- वह दुनिया के सबसे कम उम्र के पुरुष प्रोफेसर बने, जबकि आलिया साबुर सबसे कम उम्र की महिला प्रोफेसर बनी हुई हैं। थॉमस के रिकॉर्ड बनाने के समय आलिया साबुर उनसे केवल 16 दिन बड़ी थीं।

रूस ने प्रोजेक्ट 885एम यासेन-एम पनडुब्बी 'उल्यानोव्स्क' लॉन्च की



- रूस ने सेवेरोद्विंस्क स्थित सेवमाश शिपयार्ड में परमाणु ऊर्जा से संचालित हमलावर और क्रूज मिसाइल पनडुब्बी K-563 उल्यानोव्स्क को जलावतरण किया।
- यह पनडुब्बी उन्नत प्रोजेक्ट 885एम यासेन-एम श्रेणी की है और इसे गुप्त रूप से लंबी दूरी के नौसैनिक अभियानों के लिए मलाखित डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है।
- इसका निर्माण 28 जुलाई 2017 को शुरू हुआ था और लगभग नौ वर्ष बाद इसे जलावतरण किया गया, जिसके बाद तैरते हुए पनडुब्बी पर उपकरण लगाने का काम किया जाएगा।
- पनडुब्बी का वजन लगभग 13,800 टन है और यह कैलिबर, ओनिक्स और जिरकॉन क्रूज मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है, जिनमें हाइपरसोनिक हथियार भी शामिल हैं।
- उपकरण लगाने का काम पूरा होने और समुद्री परीक्षणों के बाद उल्यानोव्स्क को 2027 में रूसी नौसेना में शामिल किए जाने की योजना है।

ओमान और सऊदी अरब ने ग्रीन लैंड कॉरिडोर का शुभारंभ किया



- ओमान और सऊदी अरब ने अगस्त 2026 में रुब अल खली या खाली क्षेत्र के पार एक सीधे भूमि माल दुलाई मार्ग के रूप में सुरक्षित हरित भूमि गलियारे का शुभारंभ किया।
- यह गलियारा ओमान के सोहार बंदरगाह को सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में स्थित एक अंतर्देशीय शुष्क बंदरगाह सुविधा से जोड़ता है और दोनों देशों के बीच माल दुलाई को सुगम बनाता है।
- यह मार्ग सीमा पार राजमार्ग का उपयोग करता है और चुनिंदा माल दुलाई के लिए संयुक्त अरब अमीरात की पारगमन सीमाओं से बचते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को बाईपास करता है।
- राजमार्ग का सऊदी खंड 564 किलोमीटर लंबा है और इसकी लागत 2 अरब सऊदी अरब है, जिसके निर्माण में 15 करोड़ घन मीटर रेत का उपयोग किया गया है।
- यह गलियारा माल दुलाई के समय को 14 से 18 घंटे तक कम करता है और इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर समुद्री कच्चे तेल परिवहन को प्रतिस्थापित करने के बजाय माल दुलाई दक्षता में सुधार करना है।

स्टैटिक जीके

- रुब अल खली, जिसे 'खाली रेगिस्तान' भी कहा जाता है, दुनिया के सबसे बड़े निरंतर रेतीले रेगिस्तानों में से एक है और सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और यमन तक फैला हुआ है।
- होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है।
- सोहार बंदरगाह ओमान की खाड़ी पर स्थित एक प्रमुख ओमान बंदरगाह है।

भारत का नाम अमेरिकी गुप्त माल दुलाई नेटवर्क में शामिल किया गया

- अमेरिका ने तीसरे देशों के माध्यम से अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश करने वाले चीनी सामानों से जुड़े "अवैध माल दुलाई नेटवर्क" में भारत का नाम लिया है।
- एक अमेरिकी रिपोर्ट ने भारत को कनाडा, यूरोपीय संघ, इज़राइल, जापान, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ "विविध पैमाने के अग्रणी" श्रेणी में प्रथम श्रेणी में रखा है।



- रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी निर्यातक उच्च अमेरिकी आयात शुल्क से बचने के लिए तीसरे देशों का उपयोग करते हैं और संभावित अवैध माल दुलाई का अनुमान लगभग 60 अरब डॉलर प्रति वर्ष लगाया गया है।
- रिपोर्ट में पुणे-गुजरात-चेन्नई औद्योगिक उत्पादन बेल्ट को चीन से जुड़े पंपों और कंप्रेसरों के अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने के संभावित मार्ग के रूप में पहचाना गया है।
- अमेरिकी प्रशासन ने ऐसे नेटवर्क के माध्यम से भेजे जाने वाले शिपमेंट का पता लगाने, उन पर नज़र रखने और उन पर जुर्माना लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों का उपयोग करने की योजना बनाई है।

स्टैटिक जीके

- माल को दूसरे बाजार में निर्यात करने से पहले उसे किसी मध्यवर्ती देश से होकर गुजारना ट्रांसशिपमेंट कहलाता है।
- उत्पत्ति के नियम यह निर्धारित करते हैं कि शुल्क निर्धारण के लिए उत्पाद किस देश में निर्मित माना जाएगा।

सीरियाई अदालत ने अपदस्थ नेता बशर अल-असद को मौत की सजा सुनाई



- सीरिया की एक अदालत ने ऐतिहासिक मुकदमे के बाद अपदस्थ पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई।
- न्यायाधीश ने असद के साथ-साथ उनके भाई माहेर अल-असद और पूर्व राजनीतिक सुरक्षा प्रमुख अतेफ नजीब सहित कई प्रमुख पूर्व अधिकारियों को दोषी पाया।

- उन पर 14 साल के सीरियाई गृहयुद्ध के दौरान किए गए मानवता विरोधी अपराध, हत्या और व्यापक अत्याचारों के आरोप थे।
- यह फैसला असद के तख्तापलट के बाद पूर्व शासन के नेतृत्व के खिलाफ पहली आधिकारिक आपराधिक सजा थी।
- चूंकि असद सीरिया से बाहर निर्वासन में थे, इसलिए नई सीरियाई न्यायपालिका के तहत उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई।

स्टैटिक जीके

- सीरिया की राजधानी दमिश्क है।
- सीरिया की मुद्रा सीरियाई पाउंड है।

रूस ने यूक्रेन विवाद में पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया

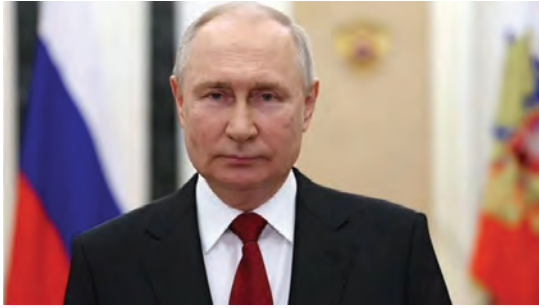


- रूस ने अंतरराष्ट्रीय निवेश संधि मध्यस्थता के लिए भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ को अपना नामित मध्यस्थ नियुक्त किया है।
- यह विवाद यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले ओस्चादबैंक द्वारा 1998 की यूक्रेन-रूस द्विपक्षीय निवेश संधि के तहत शुरू किया गया था।
- दावे में डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसोन और ज़ापोरिज़िया सहित रूसी कब्जे वाले क्षेत्रों में बैंकिंग परिसंपत्तियों के नुकसान और परिचालन क्षति से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।
- न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ओस्चादबैंक द्वारा नियुक्त मध्यस्थ और आपसी सहमति से चुने गए एक अध्यक्ष मध्यस्थ के साथ तीन सदस्यीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण में अपनी सेवाएं देंगे।

स्टैटिक जीके

- धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने 2022 से 2024 तक भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।
- अनुच्छेद 124(2) भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान करता है।
- रूस की राजधानी मॉस्को है और उसकी मुद्रा रूसी रूबल है।
- स्थायी मध्यस्थता न्यायालय का मुख्यालय हैग, नीदरलैंड्स में स्थित है।

जापान-रूस विवाद के बीच पुतिन ने इतुरुप द्वीप का दौरा किया



- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अगस्त 2026 में जापान और रूस के बीच क्षेत्रीय विवाद के बीच इतुरुप द्वीप का दौरा किया।
- इतुरुप दक्षिणी कुरील द्वीपसमूह के चार विवादित द्वीपों में से एक है, जिन्हें जापान नॉर्डर्न टेरिटरीज कहता है।
- अन्य विवादित क्षेत्र कुनाशीर, शिकोटान और हाबोमाई द्वीपसमूह हैं।
- इतुरुप इस विवादित समूह का सबसे बड़ा द्वीप है और रूस द्वारा सखालिन ओब्लास्ट के हिस्से के रूप में प्रशासित किया जाता है।
- जापान ने रूसी राजदूत को तलब करके इस यात्रा का विरोध किया, जबकि बाद में रूस ने भी जापान की आलोचना पर विरोध दर्ज कराया।
- कुरील द्वीपसमूह रूस के कामचटका प्रायद्वीप और जापान के होक्काइडो के बीच स्थित ज्वालामुखीय द्वीपसमूह है।

स्टैटिक जीके

- इतुरुप को जापानी भाषा में एतुरोफू कहा जाता है।
- कुरील द्वीपसमूह उत्तर-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित है।
- रूस और जापान ने द्वीपों को लेकर अपने क्षेत्रीय विवाद को औपचारिक रूप से समाप्त करने वाली शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।
- पुतिन इस विवादित द्वीपसमूह का दौरा करने वाले दूसरे रूसी नेता बने।

मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बांग्लादेश के राष्ट्रपति चुने गए



- मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता, अगस्त 2026 में बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति चुने गए।

- उन्होंने 255 वोट हासिल किए, जबकि लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के कर्नल (सेवानिवृत्त) ओली अहमद को 88 वोट मिले।
- चुनाव जातीय संसद में संसदीय मतदान के माध्यम से हुआ, जिसमें 349 पात्र सदस्यों में से 343 वैध वोट पड़े।
- यह 35 वर्षों में बांग्लादेश का पहला प्रतिस्पर्धी राष्ट्रपति चुनाव था।
- पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद शाहाबुद्दीन ने जुलाई 2026 में इस्तीफा दे दिया था, जबकि संसद अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद ने अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।
- आलमगीर को अगस्त 2026 में बंगभवन में पद की शपथ लेनी थी।

स्टैटिक जीके

- जातीय संसद बांग्लादेश की एकसदनीय राष्ट्रीय संसद है।
- बंगभवन बांग्लादेश के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और मुख्य कार्यस्थल है।
- बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्थापना 1978 में हुई थी।
- बांग्लादेश 1971 में स्वतंत्र हुआ।

पाकिस्तान में रक्षा सुधार लागू किए गए



- पाकिस्तान ने डिफेंस फोर्सेज ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 लागू किया और नेशनल कमांड अथॉरिटी एक्ट, 2010 में संशोधन किया, जिससे उसकी रक्षा और परमाणु कमांड संरचना में बड़े बदलाव हुए।
- नवंबर 2025 के 27वें संवैधानिक संशोधन के तहत चेयरमैन जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद समाप्त कर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज का वैधानिक पद बनाया गया।
- फील्ड मार्शल आसिम मुनीर दिसंबर 2025 में पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बने और साथ ही चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर भी बने रहे।
- डिफेंस फोर्सेज ऑफ पाकिस्तान एक्ट के तहत सभी सैन्य सेवाओं को रावलपिंडी के चक्कलाला स्थित डिफेंस फोर्सेज हेडक्वार्टर्स में चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के अधीन एकीकृत कमांड के तहत रखा गया।
- चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज राष्ट्रीय सुरक्षा और तीनों सेनाओं से जुड़े मामलों में प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार बने और उन्हें सैन्य कर्मियों से संबंधित व्यापक प्रशासनिक अधिकार दिए गए।

- नेशनल कमांड अथॉरिटी में संशोधन के तहत पूर्व जॉइंट-चीफ्स संरचना के संदर्भों को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज से बदल दिया गया तथा नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड को इसमें शामिल किया गया।
- जनरल सैयद आमेर रज़ा जुलाई 2026 में नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड के प्रमुख बने। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा, जिसे चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज की सिफारिश पर तीन वर्ष के लिए और बढ़ाया जा सकता है।
- नेशनल कमांड अथॉरिटी परमाणु नीति, परिचालन नियंत्रण और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से संबंधित पाकिस्तान की सर्वोच्च संस्था बनी रही। इसे एम्प्लॉयमेंट कंट्रोल कमेटी, डेवलपमेंट कंट्रोल कमेटी और स्ट्रैटेजिक प्लान्स डिवीजन का समर्थन प्राप्त है।
- इन सुधारों के तहत पारंपरिक और रणनीतिक कमांड को एकीकृत सैन्य नेतृत्व के अधीन केंद्रित किया गया, जिससे नागरिक-सैन्य संतुलन, लोकतांत्रिक

निगरानी, तीनों सेनाओं की स्वायत्तता और दक्षिण एशिया में तनाव बढ़ने के जोखिम को लेकर चिंताएँ पैदा हुईं।

स्टैटिक जीके

- नेशनल कमांड अथॉरिटी परमाणु नीति और परिचालन नियंत्रण के लिए पाकिस्तान की सर्वोच्च संस्था है।
- स्ट्रैटेजिक प्लान्स डिवीजन पाकिस्तान की रणनीतिक कमांड प्रणाली को प्रशासनिक और सचिवालय संबंधी सहायता प्रदान करता है।
- चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज पाकिस्तान के 27वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से बनाया गया वैधानिक सैन्य नेतृत्व पद है।

तेलंगाना ने परिवार रजिस्टर पहल शुरू की



- तेलंगाना सरकार ने जुलाई 2026 में राज्यभर में इलेक्ट्रॉनिक परिवार रजिस्टर तैयार करने तथा परिवार रजिस्टर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आदेश जारी किया।
- इलेक्ट्रॉनिक परिवार रजिस्टर मुख्य रूप से नागरिक आपूर्ति विभाग के खाद्य सुरक्षा कार्ड के डाटाबेस पर आधारित होगा।
- प्रत्येक परिवार को एक परिवार रजिस्टर पहचान संख्या दी जाएगी, जो राशन कार्ड संख्या के समान होगी।
- परिवार रजिस्टर प्रमाणपत्र में पारिवारिक संबंध, आयु, जन्म तिथि, लिंग, आधार संख्या तथा वर्तमान पता जैसी जानकारी दर्ज होगी।
- परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य मी सेवा केंद्रों, ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल ऐप के माध्यम से इस प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकेगा।
- सरकार आवेदन की तिथि से दो कार्य दिवसों के भीतर यह प्रमाणपत्र जारी करेगी।
- यह प्रमाणपत्र संपत्ति के अधिकार, वैध उत्तराधिकार या किसी सरकारी कल्याणकारी योजना की पात्रता निर्धारित करने का आधार नहीं होगा।
- इस पहल का उद्देश्य तेलंगाना में परिवारों का एक समान डिजिटल अभिलेख तैयार करना है।

स्टैटिक जीके

- मी सेवा तेलंगाना सरकार का सरकार-से-नागरिक डिजिटल सेवा मंच है।
- खाद्य सुरक्षा कार्ड, जिन्हें सामान्यतः राशन कार्ड कहा जाता है, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े होते हैं।

लारा चरण-III परियोजना का निर्माण करेगी एलएंडटी



- लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी की 2×800 मेगावाट लारा चरण-III ताप विद्युत परियोजना के लिए सीमित कार्य प्रारंभ आदेश प्राप्त हुआ।
- ₹5,000 करोड़ से ₹10,000 करोड़ मूल्य की यह परियोजना एलएंडटी की 'मेगा' परियोजना श्रेणी में शामिल है।
- एलएंडटी इस परियोजना के तहत दो 800 मेगावाट इकाइयों के लिए संपूर्ण अभियांत्रिकी, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) कार्य का निष्पादन उच्च दक्षता वाली अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीक के माध्यम से करेगी।
- इस परियोजना में कम उत्सर्जन वाली तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे ताप विद्युत उत्पादन की दक्षता में सुधार होगा।
- यह आदेश पिछले दो वर्षों में एनटीपीसी द्वारा एलएंडटी को प्रदान की गई तीसरी प्रमुख अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना है।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) की स्थापना 1975 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है तथा महानदी इसकी प्रमुख नदी है।
- लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का मुख्यालय मुंबई में स्थित है।

दिल्ली मंत्रिमंडल ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को मंजूरी दी

- दिल्ली मंत्रिमंडल ने पात्र महिलाओं को प्रति माह ₹2,500 की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दिल्ली लक्ष्मी योजना को मंजूरी दी।



- वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना हेतु ₹5,110 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।
- योजना के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अगस्त 2026 से शुरू होगा तथा पहली किस्त 28 अगस्त 2026 को जारी की जाएगी।
- 21 से 60 वर्ष आयु की वे महिलाएँ, जिनके परिवार की वार्षिक आय ₹2.5 लाख तक है, इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगी।
- इस योजना को प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष के लिए मंजूरी दी गई है, जिसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी।

स्टैटिक जीके

- दिल्ली के उपराज्यपाल की नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 239 के तहत की जाती है।
- 69वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1991 के माध्यम से दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का विशेष दर्जा दिया गया।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली अधिनियम 1991 में लागू किया गया था।

छत्तीसगढ़ ने महिला सौर उद्यमिता के लिए 'द्विसि योजना' शुरू की



- छत्तीसगढ़ ने महिलाओं के नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा नीति के रूप में 'द्विसि योजना' की शुरुआत की, जो इस प्रकार की भारत की पहली पहल है।

- इस योजना का उद्देश्य 5,000 महिला-नेतृत्व वाले सौर उद्यम स्थापित करना, लगभग 50,000 हरित रोजगार सृजित करना तथा 5 लाख परिवारों और 10,000 सार्वजनिक संस्थानों को स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है।
- यह योजना स्वयं सहायता समूहों को प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और सौर ऊर्जा आधारित व्यवसाय के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाएगी।
- कबीरधाम इस योजना का पहला कार्यान्वयन जिला बना है, जहाँ महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में रूफटॉप सौर प्रणाली की स्थापना और रखरखाव का प्रशिक्षण दिया गया।
- इस पहल का कार्यान्वयन छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है तथा इसे लखपति दीदी पहल से जोड़ा गया है, ताकि ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाया जा सके।

स्टैटिक जीके

- प्रथम कार्यान्वयन जिला: कबीरधाम
- कार्यान्वयन विभाग: पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़
- सहयोगी संस्था: ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया

लद्दाख में 23 विरासत स्थलों को संरक्षित स्मारक घोषित किया गया



- लद्दाख प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम के तहत 23 ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित स्मारक घोषित किया।
- अधिसूचित विरासत स्थलों में शार्नोस, डोमखर, लेहडो, अलची, मुर्गी और मैंगमोर में स्थित शैलचित्र परिसरों के साथ-साथ शे में मैत्रेय बुद्ध की शैल प्रतिमा, तिंमोसगांग किला, सुमूर किला और सासपोल गुफाएँ शामिल हैं।
- नुब्रा घाटी के प्रमुख बौद्ध विरासत स्थलों में स्टोंगडे गोन्पा, ध्यान गुफाएँ, चट्टानों पर उकेरी गई बुद्ध प्रतिमाएँ, मैत्रेय की शैल प्रतिमाएँ, रिगजुम गोंबो शैल मूर्ति, चंबा कार्पो और फोलोंग सिंगे शामिल हैं।
- सूची में नुब्रा का डेचेन त्सोमो खार किला और कारगिल का योरबाल्टक शैल अभिलेख भी शामिल हैं। ये स्थल लद्दाख की शैल कला, अभिलेखों, बौद्ध विरासत और ऐतिहासिक किलाबंदी की परंपराओं को दर्शाते हैं।
- अधिसूचना के तहत इन विरासत स्थलों के आसपास अनधिकृत निर्माण, अतिक्रमण और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों से कानूनी सुरक्षा प्रदान की गई है।

- इस कदम का उद्देश्य वैज्ञानिक संरक्षण, विशेषज्ञ रखरखाव और सतत सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।

स्टैटिक जीके

- लद्दाख 31 अक्टूबर 2019 को केंद्र शासित प्रदेश बना।
- हेमिस राष्ट्रीय उद्यान लद्दाख में स्थित है और यह हिम तेंदुओं के लिए प्रसिद्ध है।
- पैंगोंग त्सो लद्दाख में स्थित एक उच्च ऊँचाई वाली अंतःस्थलीय झील है।

गुजरात की पिथोरा चित्रकला को जीआई टैग मिला



- गुजरात की सदियों पुरानी पिथोरा चित्रकला को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है। यह मुख्य रूप से राठवा, भील और भिलाला जनजातीय समुदायों द्वारा बनाई जाने वाली पारंपरिक अनुष्ठानिक दीवार कला है।
- यह कला मुख्य रूप से छोटा उदेपुर और पंचमहल जिलों से जुड़ी है। इसे पवित्र समारोहों के दौरान मिट्टी की दीवारों पर बनाया जाता है और पिथोरा देव की पूजा की जाती है, जिन्हें जनजातीय समुदाय आनंद, शांति और समृद्धि से जोड़ते हैं।
- लखारा के नाम से जाने जाने वाले पारंपरिक कलाकार दूध और महुआ के साथ प्राकृतिक रंगों को मिलाकर घोड़ों, ग्रामीण जीवन और पूजनीय देवी-देवताओं के चित्र बनाते हैं।
- जीआई मान्यता का उद्देश्य इस कला को नकल से बचाना, वैश्विक स्तर पर इसकी पहचान बढ़ाना और जनजातीय कलाकारों के लिए आर्थिक अवसरों में सुधार करना है।

स्टैटिक जीके

- भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री चेन्नई, तमिलनाडु में स्थित है।
- जीआई पंजीकरण वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक अधिनियम, 1999 के तहत नियंत्रित किया जाता है।
- दार्जिलिंग चाय 2004 में जीआई टैग प्राप्त करने वाला पहला भारतीय उत्पाद बना था।

बेंगलुरु पुलिस ने 'ऑपरेशन मुक्ता' शुरू किया

- बेंगलुरु शहर पुलिस ने संदिग्ध अवैध प्रवासियों की पहचान करने और पहचान तथा निवास संबंधी दस्तावेजों के सत्यापन को मजबूत करने के लिए 'ऑपरेशन मुक्ता' शुरू किया।



- लगभग 500 पुलिसकर्मियों ने व्हाइटफील्ड प्रौद्योगिकी गलियारे सहित 30 से 50 से अधिक स्थानों पर सुबह-सुबह समन्वित छापेमारी की।
- पुलिस ने अवैध निवासियों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वाले लोगों की पहचान के लिए पासपोर्ट, वीजा, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों की जाँच की।
- शुरुआती छापेमारी के दौरान कम से कम चार बांग्लादेशी नागरिकों को वैध यात्रा और पहचान दस्तावेज नहीं होने के आरोप में हिरासत में लिया गया।
- इस अभियान में किरायेदारों के सत्यापन, अवैध रूप से रहने पर रोक और आवासीय तथा व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा मजबूत करने पर भी ध्यान दिया गया।

स्टैटिक जीके

- बेंगलुरु कर्नाटक की राजधानी है और इसे भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से जाना जाता है।
- विदेशी अधिनियम 1946 में लागू किया गया था।
- संविधान के अनुच्छेद 5 से 11 नागरिकता से संबंधित हैं।
- सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा करता है।

कर्नाटक ने स्वास्थ्य अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए समस्ता को मंजूरी दी



- कर्नाटक ने मैनुअल पेपर-आधारित स्वास्थ्य अभिलेखों के स्थान पर डिजाइन किए गए डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म SAMASTA के चरणबद्ध कार्यान्वयन को मंजूरी दे दी है।

- यह प्लेटफॉर्म आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़ा है और इसका उपयोग आयुष्मान आरोग्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में किया जाएगा।
- SAMASTA, क्षेत्र स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के दौरान आशा कार्यकर्ताओं, सहायक नर्स मिडवाइफ और स्वास्थ्य निरीक्षकों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन डेटा प्रविष्टि की सुविधा प्रदान करता है।
- इसने आशा डायरी के मैनुअल डेटा तत्वों को 485 से घटाकर 134 डिजिटल डेटा बिंदुओं तक सीमित कर दिया है, जिससे डेटा प्रविष्टि कार्यभार में अनुमानित 75% की कमी आई है।
- यह प्लेटफॉर्म पारिवारिक आईडी, आधार-आधारित सत्यापन और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता आईडी को एकीकृत करता है।
- उडुपी में एक पायलट प्रोजेक्ट में 95% लाभार्थी पंजीकरण और 85% स्वास्थ्य जांच पूरी होने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जबकि 400,000 से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता आईडी को लिंक किया गया।

स्टैटिक जीके

- आशा कार्यकर्ता भारत के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यबल का अभिन्न अंग हैं।
- सहायक नर्स मिडवाइफ प्राथमिक स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती हैं।
- आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत एक डिजिटल स्वास्थ्य आईडी है।
- आयुष्मान आरोग्य केंद्र भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के अंतर्गत कार्य करते हैं।

कर्नाटक कैबिनेट ने 'संध्या किरण' स्वास्थ्य योजना को मंजूरी दी



- कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अंशदान आधारित कैशलेस स्वास्थ्य सेवा योजना 'संध्या किरण' को मंजूरी दी।
- यह योजना माध्यमिक, तृतीयक और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए परिवार-फ्लोटर आधार पर प्रति परिवार ₹5 लाख तक का वार्षिक कैशलेस चिकित्सा कवर प्रदान करती है।

- आयुष्मान भारत-आरोग्य कर्नाटक ढांचे के तहत लागू की गई इस योजना से लगभग 4.93 लाख पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।
- यह कवर सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में 70 वर्ष से कम आयु के राज्य पेंशनभोगियों और पात्र आश्रितों पर लागू होता है।
- इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा खर्चों को कम करना और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना है।

स्टैटिक जीके

- कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु है।
- कर्नाटक में पाँच राष्ट्रीय उद्यान हैं: बैनरघट्टा, बांदीपुर, नागरहोल, कुद्रेमुख और अंशी।
- कन्नड़ भाषा को 2008 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ।

CBDC आधारित DBT को चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में लॉन्च किया जाना था



- भारत सरकार ने अगस्त 2026 में चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (CBDC) आधारित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) शुरू करने की घोषणा की।
- चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली पहले ऐसे केंद्र शासित प्रदेश बनने जा रहे थे जहां पात्र लाभार्थियों के CBDC वॉलेट में सीधे प्रोग्रामेबल डिजिटल रुपी टोकन के माध्यम से खाद्य सब्सिडी का हस्तांतरण शुरू किया जाएगा।
- लाभार्थी सुरक्षित, ट्रैक करने योग्य और वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान के माध्यम से सूचीबद्ध व्यापारियों से खाद्यान्न खरीदने के लिए सब्सिडी का उपयोग कर सकेंगे।
- इस पहल का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और वित्तीय समावेशन में सुधार करते हुए नकदी के गबन, हेराफेरी और लेन-देन को कम करना था।
- इस मॉडल का पायलट कार्यान्वयन पहले पुडुचेरी और गुजरात में किया गया था।
- इस कार्यान्वयन को अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक अवधारणा के प्रमाण और एक स्केलेबल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

स्टैटिक जीके

- CBDC किसी देश की संप्रभु मुद्रा का डिजिटल रूप है, जिसे उस देश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी किया जाता है।
- डिजिटल रुपया भारत की CBDC है।

पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में पहला कौशल महोत्सव आयोजित किया गया



- पश्चिम बंगाल में अगस्त 2026 में दक्षिण दिनाजपुर के बालुरघाट स्टेडियम में पहला कौशल महोत्सव आयोजित किया गया। यह भारत में आयोजित होने वाला इस तरह का 11वाँ आयोजन था।
- इस मेले का आयोजन कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) और पश्चिम बंगाल सरकार ने किया।
- मेले में आईटी, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, मैनुफैक्चरिंग और रिटेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में 7,000 से अधिक करियर अवसर उपलब्ध कराए गए।
- विप्रो, टाटा ग्रुप और एक्सिस बैंक भाग लेने वाले प्रमुख नियोजकों में शामिल थे।
- केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार और राज्य के अन्य मंत्रियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया।

स्टैटिक जीके

- कौशल महोत्सव का संबंध स्किल इंडिया मिशन से है।
- नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार क्षमता बढ़ाने से जुड़ी पहलों में सहयोग करता है।
- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की स्थापना 2014 में हुई थी।

तमिलनाडु ने सीएमसीएचआईएस का कवरेज बढ़ाकर ₹25 लाख किया

- तमिलनाडु ने अगस्त 2026 में सीएमसीएचआईएस के तहत वार्षिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज को ₹5 लाख से बढ़ाकर ₹25 लाख कर दिया।



- यह योजना सूचीबद्ध अस्पतालों में पात्र परिवारों को कैशलेस इलाज की सुविधा देती है। इसके तहत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सात सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में विशेष चिकित्सा और सर्जिकल सेवाएँ भी जोड़ी गईं।
- राज्य ने पेरम्बूर में 400 बिस्तरों वाले मल्टी-सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए ₹300 करोड़ और मुख्यमंत्री कैंसर केयर मिशन के लिए ₹677.44 करोड़ मंजूर किए।
- राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल में एकीकृत कैंसर उपचार इकाई के लिए ₹471.80 करोड़ आवंटित किए गए। इसके अलावा पाँच नए क्षेत्रीय कैंसर केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
- सरकार ने सात नए नर्सिंग कॉलेजों के लिए ₹351 करोड़ की घोषणा की और नर्सिंग तथा फार्मसी की सीटों में वृद्धि की।
- तीसरे बच्चे को जन्म देने वाली महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाकर 365 दिन कर दिया गया।
- तमिलनाडु ने 1.38 लाख से अधिक किसानों के लिए ₹75,000 तक के सहकारी कृषि ऋण की पूरी माफी की भी घोषणा की और आविन के दूध खरीद मूल्य में संशोधन किया।

स्टैटिक जीके

- सीएमसीएचआईएस तमिलनाडु की स्वास्थ्य बीमा योजना है।
- तमिलनाडु विधानसभा के नियम 110 का उपयोग विशेष सरकारी वक्तव्य देने के लिए किया जाता है।
- राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल चेन्नई का एक प्रमुख तृतीयक देखभाल अस्पताल है।
- आविन का पूरा नाम तमिलनाडु को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड है।

आरआईएल ने भारत के पहले एकीकृत भूमिगत कोयला गैसीकरण कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव रखा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में भारत के पहले एकीकृत अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन कॉम्प्लेक्स के लिए 30 वर्षों में लगभग ₹2.73 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा।



- इस परियोजना में चिंतलपुडी और रेचेरला ब्लॉक्स के गहरे कोयला भंडार का उपयोग किया जाएगा, जिनमें 600 मीटर से अधिक गहराई पर अनुमानित 3,130.61 मिलियन टन कोयला मौजूद है।
- अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन में पारंपरिक खनन के बिना भूमिगत कोयले को सिंथेसिस गैस (सिनगैस) में बदला जाता है।
- परियोजना में पायलट, डेवलपमेंट और प्रोडक्शन फेज शामिल हैं और उत्पादन 2030 से शुरू करने की योजना है।
- सिनगैस का उपयोग हाइड्रोजन, मेथनॉल, यूरिया, अमोनिया और सिंथेटिक फ्यूल बनाने में किया जा सकता है।
- आरआईएल के अनुमान के अनुसार, इस परियोजना से 3,000–5,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 20,000–35,000 अप्रत्यक्ष एवं संबंधित आजीविकाएँ पैदा हो सकती हैं।

स्टैटिक जीके

- सिनगैस में मुख्य रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन शामिल होते हैं।
- कोयला मंत्रालय कोयला ब्लॉक्स की व्यावसायिक ई-नीलामी आयोजित करता है।
- एलुरु जिला आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में स्थित है।

उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने 180 दिनों की मातृत्व छुट्टी दो बार देने को मंजूरी दी



- उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने अगस्त 2026 में राज्य की महिला सरकारी कर्मचारियों को उनकी सेवा अवधि के दौरान **180 दिनों की सवेतन मातृत्व छुट्टी दो बार देने** की नीति को मंजूरी दी।
- बच्चों को गोद लेने वाली **दत्तक माताओं** को भी 180 दिनों की यही छुट्टी का लाभ दिया गया।
- कैबिनेट ने **उत्तर प्रदेश फाइनेंशियल हैंडबुक के नियम 153(1)** में संशोधन किया और पहली तथा दूसरी मातृत्व छुट्टी के बीच कम से कम **दो वर्ष के अंतर** की पुरानी अनिवार्यता को हटा दिया।
- यह निर्णय इलाहाबाद हाई कोर्ट के जुलाई और अगस्त 2026 के फैसलों के बाद लिया गया, जिसमें कहा गया कि राज्य के कार्यकारी नियम **मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961** या **सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020** के प्रावधानों को प्रभावित नहीं कर सकते।
- कैबिनेट ने **10 अन्य राज्य प्रस्तावों** के साथ इस प्रस्ताव को भी सर्कुलेशन के माध्यम से मंजूरी दी।
- कैबिनेट ने **उत्तर प्रदेश स्टेट स्पनिंग कंपनी लिमिटेड** और **उत्तर प्रदेश यार्न कंपनी लिमिटेड** की बंद चीनी मिलों की जमीन को **उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी** को हस्तांतरित करने पर स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट को मंजूरी दी।
- कैबिनेट ने शहरी क्षेत्रों में **हर घर तिरंगा अभियान 2026** के लिए **1 करोड़ झंडे** तैयार करने हेतु राज्य वित्त आयोग से वित्त पोषण को भी मंजूरी दी।

स्टैटिक जीके

- **मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961** भारत में महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व लाभ को विनियमित करता है।
- **सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020** संसद द्वारा बनाए गए चार श्रम संहिताओं में से एक है।

उत्तर प्रदेश और यामानाशी ने ₹600 करोड़ के एमएसएमई फंड की घोषणा की



- उत्तर प्रदेश और जापान के **यामानाशी प्रीफेक्चर** ने अगस्त 2026 में लखनऊ में आयोजित **यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट** में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

- उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाले यामानाशी स्थित **माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई)** के लिए **₹600 करोड़ के फंड** की घोषणा की गई।
- उत्तर प्रदेश ने निवेशकों के समन्वय और मंजूरी से संबंधित सहायता के लिए **इन्वेस्ट यूपी** में एक समर्पित **यामानाशी डेस्क** स्थापित करने की घोषणा की।
- दोनों पक्षों ने भूमि आवंटन की निगरानी और निवेश से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए **90 दिनों की समीक्षा व्यवस्था** पर सहमति जताई।
- चार एमओयू में **तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल विकास, पर्यटन** और **नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में जापानी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर** से संबंधित समझौते शामिल थे।
- **इन्वेस्ट यूपी** और कानपुर स्थित **टेक्निकल ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर** ने कार्यबल विकास और रोजगार से जुड़ी व्यवस्था के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

- उत्तर प्रदेश के **पर्यटन विभाग** ने बौद्ध-आधारित पर्यटन और इससे जुड़े निवेश को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।
- उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष **सतीश महाना** और यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष **हिदेनोरी मियामोतो** ने विधायी सहयोग से संबंधित एक अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

स्टैटिक जीके

- **यामानाशी** जापान के **47 प्रीफेक्चरों** में से एक है।
- **इन्वेस्ट यूपी** उत्तर प्रदेश की राज्य निवेश प्रोत्साहन एजेंसी है।
- **नोएडा और ग्रेटर नोएडा** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रमुख औद्योगिक और सेवा केंद्र हैं।



समुद्री निर्यात में विशाखापत्तनम बंदरगाह का 50.87% योगदान



- विशाखापत्तनम बंदरगाह ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत के कुल समुद्री उत्पाद निर्यात का 50.87% संभाला, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी हिस्सेदारी 48.89% रही।
- विशाखापत्तनम बंदरगाह भारत के पूर्वी तट का एक प्रमुख बंदरगाह है और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में माल परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात ₹72,325.82 करोड़ (8.28 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसका कुल निर्यात 19.3 लाख टन था।
- जमे हुए झींगे (फ्रोजन श्रिम्प) सबसे प्रमुख समुद्री निर्यात उत्पाद रहे, जिनका निर्यात ₹47,973.13 करोड़ (5.51 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा।
- समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने समुद्री उत्पादों के निर्यात संवर्धन, गुणवत्ता नियंत्रण तथा बाजार विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्टैटिक जीके

- विशाखापत्तनम बंदरगाह आंध्र प्रदेश में भारत के पूर्वी तट पर स्थित है।
- समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

जीडीपी गणना में उत्पादक मूल्य सूचकांक अपनाएगा भारत



- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वार्षिक और तिमाही सकल घरेलू उत्पाद की गणना में अपस्फीतिकरण के लिए उत्पादक मूल्य सूचकांक अपनाने का निर्णय लिया।
- राष्ट्रीय खातों के संकलन में उत्पादक मूल्य सूचकांक चरणबद्ध तरीके से थोक मूल्य सूचकांक का स्थान लेगा।
- थोक मूल्य सूचकांक के विपरीत उत्पादक मूल्य सूचकांक में अप्रत्यक्ष कर, व्यापारिक मार्जिन और परिवहन अधिभार शामिल नहीं होते, जिससे कारखाना-स्तर की कीमतों का अधिक सटीक आकलन किया जा सकता है।
- इस बदलाव का उद्देश्य भारत की राष्ट्रीय लेखा प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकीय मानकों के अनुरूप बनाना है।
- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की योजना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों से उत्पादक मूल्य सूचकांक आधारित अपस्फीतिकृत सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान जारी करने की है।

स्टैटिक जीके

- थोक मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 है और इसे उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग जारी करता है।
- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष 2012 है और इसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत जारी किया जाता है।

पीएम सूर्य घर योजना के लिए एडीबी ने 85 करोड़ डॉलर के ऋण को मंजूरी दी



- एशियाई विकास बैंक ने पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के समर्थन के लिए 85 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी।

- यह ऋण आवासीय रूफटॉप सौर ऊर्जा को तेजी से अपनाने के लिए नीतिगत सुधारों के दूसरे चरण को समर्थन प्रदान करेगा।
- इस परियोजना के तहत कम-से-कम 35 लाख नए रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र घरों में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।
- इस पहल का मुख्य उद्देश्य डिजिटल आवेदन प्लेटफॉर्म को मजबूत करना, विद्युत ग्रिड के साथ बेहतर एकीकरण सुनिश्चित करना तथा निगरानी अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना है।
- इस योजना का उद्देश्य घरेलू बिजली बिलों में कमी, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार को गति देना है।

स्टैटिक जीके

- एशियाई विकास बैंक की स्थापना 1966 में हुई थी और इसका मुख्यालय मंडालुयोंग, मेट्रो मनीला (फिलीपींस) में स्थित है।
- एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा हैं।
- पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत फरवरी 2024 में हुई थी, जिसके तहत प्रति माह 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

₹10 और ₹20 के पॉलिमर नोटों के फील्ड ट्रायल को मंजूरी



- केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के ₹10 और ₹20 के एक-एक अरब पॉलिमर बैंक नोट जारी करने के प्रस्ताव को फील्ड ट्रायल के लिए मंजूरी दी।
- पॉलिमर बैंक नोटों का परीक्षण विभिन्न जलवायु परिस्थितियों और प्रचलन की स्थितियों में किया जाएगा। इसके बाद ही इन्हें व्यापक स्तर पर जारी करने पर निर्णय लिया जाएगा।
- पॉलिमर बैंक नोट कागज के नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ, नमी-रोधी, गंदगी-रोधी तथा जालसाजी के प्रति अधिक सुरक्षित होते हैं।
- सरकार ने स्पष्ट किया कि पॉलिमर बैंक नोट कागज के नोटों के साथ ही प्रचलन में रहेंगे और मौजूदा मुद्रा का स्थान नहीं लेंगे।
- इस पहल का उद्देश्य मुद्रा प्रतिस्थापन की लागत को कम करना तथा बैंक नोटों की टिकाऊपन बढ़ाना है।

स्टैटिक जीके

- यह मंजूरी भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत दी गई है।
- ऑस्ट्रेलिया ने 1988 में सबसे पहले पॉलिमर बैंक नोट जारी किए थे।

ओमनीकार्ड ने भारत का पहला यूपीआई-आधारित फ्लेक्सी बेनिफिट्स वॉलेट लॉन्च किया



- ओमनीकार्ड ने ईरूट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित भारत का पहला यूपीआई-आधारित फ्लेक्सी बेनिफिट्स वॉलेट लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को कर-कुशल लाभ उपलब्ध कराना है।
- यह वॉलेट भारतीय रिजर्व बैंक से लाइसेंस प्राप्त प्रीपेड भुगतान साधन मंच पर संचालित होता है तथा लगभग 6 करोड़ यूपीआई-सक्षम व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर यूपीआई स्कैन एंड पे की सुविधा प्रदान करता है।
- इसके माध्यम से कर्मचारी भोजन, ईंधन, दूरसंचार, पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ तथा गैजेट्स जैसे लाभों का उपयोग एक ही डिजिटल वॉलेट से कर सकते हैं।
- यह मंच व्यापारी श्रेणी कोड आधारित नियंत्रण का उपयोग करता है, जिससे कर नियमों के अनुरूप खर्च सुनिश्चित होता है और कर्मचारी लाभों के प्रबंधन को सरल बनाया जाता है।
- यह पहल आयकर नियम, 2026 के अनुरूप है, जिसके तहत कर-मुक्त भोजन भत्ता बढ़ाकर प्रति भोजन ₹200 कर दिया गया है। इससे पात्र कर्मचारियों को प्रतिवर्ष ₹2 लाख से अधिक के कर-मुक्त लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

स्टैटिक जीके

- ओमनीकार्ड एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कॉर्पोरेट व्यय प्रबंधन मंच है, जिसकी शुरुआत 2021 में हुई थी।
- इसका विकास ईरूट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने किया है।
- प्रीपेड भुगतान साधनों का नियामक भारतीय रिजर्व बैंक है।

विली वॉल्श ने इंडिगो के नए सीईओ का पदभार संभाला



- विली वॉल्श ने अगस्त 2026 में इंडिगो के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने पीटर एल्बर्स का स्थान लिया।
- इंडिगो ने मार्च 2026 में वॉल्श की नियुक्ति की घोषणा की थी। उन्हें एयरलाइन के अंतरराष्ट्रीय विस्तार का नेतृत्व करने और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए चुना गया।
- वॉल्श इससे पहले एयर लिंगस, ब्रिटिश एयरवेज और इंटरनेशनल एयरलाइंस ग्रुप के सीईओ तथा इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महानिदेशक रह चुके हैं।
- इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने वॉल्श का स्वागत किया और एयरलाइन के वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में उनके अंतरराष्ट्रीय विमानन अनुभव और नेतृत्व क्षमता को रेखांकित किया।

स्टैटिक जीके

- इंडिगो एक भारतीय कम लागत वाली एयरलाइन है, जिसका मुख्यालय गुरुग्राम, हरियाणा में है।
- राहुल भाटिया इंडिगो के प्रबंध निदेशक हैं।

आरबीआई ने बेसल III पिलर 3 नियम टाले



- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए अंतिम बेसल III पिलर 3 जानकारी साझा करने के ढाँचे को लागू करने की तारीख 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 1 अप्रैल 2027 कर दी।
- यह बदलाव वाणिज्यिक बैंकों द्वारा अपने रिपोर्टिंग सिस्टम को संशोधित जानकारी साझा करने के प्रारूप और दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाने के लिए अतिरिक्त समय माँगे जाने के बाद किया गया।
- संशोधित ढाँचे में अपेक्षित ऋण हानि व्यवस्था और ऋण जोखिम के लिए पूंजी आवश्यकताओं की मानकीकृत पद्धति के अनुरूप प्रारूप शामिल किए गए।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के वेतन की जानकारी साझा करने से छूट दी गई, क्योंकि उनकी वेतन संरचना सरकार द्वारा निर्धारित होती है।
- संशोधित ढाँचे के तहत तिमाही जानकारी साझा करने की शुरुआत 30 जून 2027 को समाप्त होने वाली अवधि से होगी। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर इस जानकारी का पाँच वर्षों तक रिकॉर्ड रखना होगा।

स्टैटिक जीके

- बेसल III के तीन पिलर हैं—न्यूनतम पूंजी आवश्यकताएँ, पर्यवेक्षी समीक्षा और बाजार अनुशासना।
- पिलर 3 बेहतर नियामकीय जानकारी साझा करने के माध्यम से बाजार अनुशासन को बढ़ावा देता है।
- आरबीआई भारतीय वाणिज्यिक बैंकों के लिए 9% सीआरएआर अनिवार्य करता है।

एयर इंडिया ने तेवोल्डे गेब्रेमरियम को नया सीईओ नियुक्त किया



- एयर इंडिया ने अगस्त 2026 में इथियोपियन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ तेवोल्डे गेब्रेमरियम को अपना नया सीईओ नियुक्त किया।
- उन्होंने कैपबेल विल्सन का स्थान लिया, जिन्होंने 2022 में टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया का स्वामित्व लेने के बाद इसके स्थिरीकरण और एकीकरण के चरण का नेतृत्व किया था।
- गेब्रेमरियम को एयरलाइन संचालन, संगठनात्मक बदलाव, विमानन केंद्रों, विमान रखरखाव एवं मरम्मत सुविधाओं, प्रशिक्षण ढाँचे, सुरक्षा और परिचालन दक्षता का व्यापक अनुभव है।
- इथियोपियन एयरलाइंस में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मार्गों, यात्री और कार्गो संचालन का विस्तार किया, बेड़े का आधुनिकीकरण किया तथा विमानन प्रशिक्षण और विमान रखरखाव सुविधाओं का विकास किया।
- एयर इंडिया को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व से परिचालन उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय संपर्क, ग्राहक अनुभव, सुरक्षा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

स्टैटिक जीके

- इथियोपियन एयरलाइंस का मुख्यालय अदीस अबाबा, इथियोपिया में है।
- एयर इंडिया टाटा समूह की एयरलाइन है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली, भारत में है।

एडीबी ने शहरी बदलाव के लिए 1 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत में शहरी सुधारों को समर्थन देने के लिए शहरी बदलाव और निवेश कार्यक्रम के तहत 1 अरब डॉलर के नीतिगत ऋण को मंजूरी दी।



- यह ऋण शहरी चुनौती कोष को समर्थन देगा, ताकि नगरपालिका बुनियादी ढाँचे के लिए निजी पूंजी और बाजार आधारित वित्तपोषण को आकर्षित किया जा सके।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी शासन, एकीकृत आर्थिक और स्थानिक योजना तथा स्थानीय निकायों की वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करना है।
- एडीबी ने क्षमता निर्माण के लिए 30 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान और राष्ट्रीय रूफटॉप सौर ऊर्जा विकास के लिए अतिरिक्त 85 करोड़ डॉलर के ऋण को भी मंजूरी दी।

स्टैटिक जीके

- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का मुख्यालय मंडालुयोंग, मेट्रो मनीला, फिलीपींस में है।
- एडीबी की स्थापना 19 दिसंबर 1966 को हुई थी।

आयकर विभाग ने विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना शुरू की



- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्त अधिनियम, 2026 के अध्याय IV के अंतर्गत लघु करदाताओं की विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना, 2026 अधिसूचित की है।
- यह योजना पात्र लघु करदाताओं, जिनमें आयकर रिटर्न प्राप्त अनिवासी, युवा पेशेवर और विदेशी संपत्ति रखने वाले कुछ कर्मचारी शामिल हैं, को अगस्त से दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन स्वैच्छिक प्रकटीकरण की सुविधा प्रदान करती है।

- पात्र करदाताओं को फॉर्म 1 के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से घोषणाएं दाखिल करनी होंगी, जिसमें उचित बाजार मूल्य की गणना 31 मार्च 2026 को कट-ऑफ तिथि मानकर की जाएगी।
- श्रेणी 1 में ₹1 करोड़ तक की अघोषित विदेशी संपत्ति या आय शामिल है और इस पर 30% कर और 30% जुर्माना लगता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावी रूप से 60% कर लगता है।
- श्रेणी 2 में कर योग्य आय से या अनिवासी स्थिति के दौरान अर्जित ₹5 करोड़ तक की संपत्ति शामिल है और इस पर ₹1 लाख के एकमुश्त शुल्क के माध्यम से नियमितीकरण की अनुमति है।
- वैध घोषणाएं आगे की कर मांगों, दंडों और ब्लैक मनी एक्ट, 2015 के तहत आपराधिक अभियोजन से प्रतिरक्षा प्रदान करती हैं।

स्टैटिक जीके

- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन सर्वोच्च प्रत्यक्ष कर प्रशासन निकाय है।
- काला धन अधिनियम, 2015 भारत के बाहर अर्जित अघोषित विदेशी आय और परिसंपत्तियों से संबंधित है।

भारत ने पेट्रोल निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर शून्य कर दिया है



- भारत ने अगस्त 2026 में पेट्रोल निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को 3.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया।
- डीजल निर्यात पर शुल्क 25.5 रुपये प्रति लीटर से घटकर 24 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि विमानन टरबाइन ईंधन निर्यात पर शुल्क 22 रुपये प्रति लीटर से घटकर 19.5 रुपये प्रति लीटर हो गया।
- सरकार इन शुल्कों में हर पखवाड़े संशोधन करती है, जो इन्हें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जोड़ता है।
- स्थानीय खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर घरेलू उत्पाद शुल्क अपरिवर्तित रहा।
- भारत ने जुलाई 2022 में पेट्रोलियम निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) लागू किया था और पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़े तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद मार्च 2026 में इसे फिर से लागू किया।

स्टैटिक जीके

- विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, भारत में पेट्रोलियम निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर का आधिकारिक नाम है।
- अचानक मूल्य वृद्धि या बाजार में व्यवधान से उत्पन्न होने वाले असाधारण लाभ पर यह कर लगाया जाता है।

अमित शाह ने NUCFDC कार्यालय का उद्घाटन किया और 'सहकार नव-क्रांति' लॉन्च किया



- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुंबई के फोर्ट स्थित राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम (NUCFDC) के नए कार्यालय का उद्घाटन किया और 'सहकार नव-क्रांति' पहलों का शुभारंभ किया।
- इन पहलों का उद्देश्य भारत भर में शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र का आधुनिकीकरण और पुनरुद्धार करना है।
- NUCFDC एक छत्र संगठन के रूप में कार्य करता है और वित्तीय, तकनीकी और क्षमता निर्माण सहायता के माध्यम से शहरी सहकारी बैंकों का समर्थन करता है।
- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख नेताओं में शामिल थे।

स्टैटिक जीके

- सहकारिता मंत्रालय की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा जुलाई 2021 में की गई थी।
- अमित शाह भारत के पहले सहकारिता मंत्री हैं।

एन चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया



- एन चंद्रशेखरन ने अगस्त 2026 में घोषणा की कि वे फरवरी 2027 में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद टाटा संस के अध्यक्ष पद के लिए पुनर्नियुक्ति नहीं चाहेंगे और बोर्ड से उत्तराधिकार प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध किया।
- उनके प्रस्तावित पांच वर्षीय कार्यकाल विस्तार को टाटा संस बोर्ड से सर्वसम्मति से समर्थन नहीं मिला, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने अगला कार्यकाल न लेने का निर्णय लिया।
- वे 1987 में टाटा समूह में शामिल हुए, 2009 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सीईओ और एमडी बने और 2017 में टाटा संस के अध्यक्ष बने।
- उनके नेतृत्व में, टाटा समूह ने प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल, इस्पात, विमानन, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में विस्तार किया, साथ ही एयर इंडिया, आईटी क्षेत्र और जगुआर लैंड रोवर से संबंधित चुनौतियों का भी सामना किया।
- टाटा संस टाटा समूह की प्रमुख निवेश कंपनी है, जिसकी प्रमुख कंपनियों में टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा पावर और एयर इंडिया शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- टाटा संस की स्थापना जमशेदजी टाटा ने 1868 में की थी।
- टाटा समूह का मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र।
- TCS का मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र।

सेल भिलाई स्टील प्लांट ने कार्बन डाइऑक्साइड डैशबोर्ड लॉन्च किया



- सेल ने अगस्त 2026 में भिलाई स्टील प्लांट में एक डिजिटल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ₂) डैशबोर्ड लॉन्च किया, जो भिलाई स्टील प्लांट और चंद्रपुर फेरी एलॉय प्लांट से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर नज़र रखेगा।
- डैशबोर्ड रियल-टाइम विश्लेषण की सुविधा देता है और असामान्यताओं की पहचान के लिए दोनों प्लांटों में प्लांट-स्तर और अलग-अलग शॉप-स्तर पर दैनिक उत्सर्जन का विश्लेषण करता है।
- यह प्रणाली कार्बन फुटप्रिंट के आकलन के लिए वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन की कार्यप्रणाली, जीएचजी प्रोटोकॉल और यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म के ढाँचे का उपयोग करती है।

- यह प्रणाली भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम के अनुरूप है और उत्सर्जन-तीव्रता से जुड़े लक्ष्यों की निगरानी करती है, जिससे कार्बन क्रेडिट तैयार करने में सहायता मिल सकती है।

स्टैटिक जीके

- सेल इस्पात मंत्रालय के अधीन एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।
- भिलाई स्टील प्लांट छत्तीसगढ़ में, जबकि चंद्रपुर फेरो एलॉय प्लांट महाराष्ट्र में स्थित है।
- कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म यूरोपीय संघ की एक नीति है, जो आयातित वस्तुओं पर कार्बन मूल्य निर्धारण से संबंधित है।

सरकार ने इश्योरेंस ओम्बड्समैन नियमों में संशोधन किया



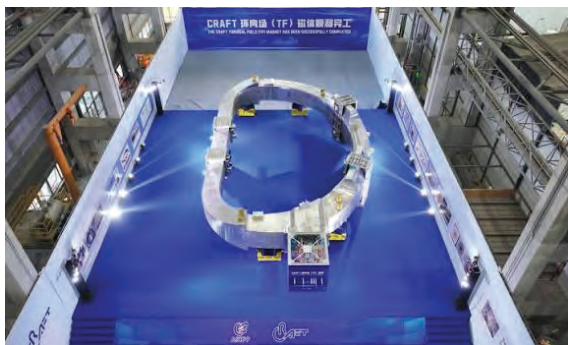
- वित्त मंत्रालय ने मार्च 2021 में इश्योरेंस ओम्बड्समैन रूल्स, 2017 में संशोधन की अधिसूचना जारी की, जिसका उद्देश्य बीमा पॉलिसीधारकों की शिकायत निवारण व्यवस्था को मजबूत करना था।

- 2021 के संशोधनों के तहत ओम्बड्समैन के दायरे को केवल विवादों से बढ़ाकर सेवा में कमी से संबंधित मामलों तक किया गया और इसमें बीमा कंपनियों, एजेंटों, ब्रोकरों तथा अन्य बीमा मध्यस्थों को शामिल किया गया।
- पॉलिसीधारकों को इलेक्ट्रॉनिक शिकायत दर्ज करने, ऑनलाइन शिकायत की स्थिति देखने और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल होने की सुविधा दी गई।
- एग्जीक्यूटिव काउंसिल ऑफ इश्योरेंस का नाम बदलकर काउंसिल फॉर इश्योरेंस ओम्बड्समेन किया गया। ओम्बड्समैन की चयन समिति में उपभोक्ता अधिकारों को बढ़ावा देने का रिकॉर्ड रखने वाले व्यक्ति को भी शामिल किया गया।
- ड्राफ्ट इश्योरेंस ओम्बड्समैन (अमेंडमेंट) रूल्स, 2025 में दो-स्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें इश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा गठित अपील प्राधिकरण शामिल था।
- मसौदे में ऐसे बीमा कंपनियों और ब्रोकरों के खिलाफ कार्रवाई का भी प्रस्ताव था, जो 30 दिनों के भीतर ओम्बड्समैन के फैसले का पालन नहीं करते। यह मसौदा 2026 में भी विचाराधीन था।

स्टैटिक जीके

- इश्योरेंस ओम्बड्समैन व्यवस्था सामान्य दीवानी अदालतों के बाहर कम लागत में शिकायत निवारण की सुविधा प्रदान करती है।
- इश्योरेंस ओम्बड्समैन रूल्स, 2017 इस व्यवस्था का मूल ढाँचा प्रदान करते हैं।
- काउंसिल फॉर इश्योरेंस ओम्बड्समेन इस व्यवस्था की प्रशासनिक संरचना के रूप में कार्य करती है।

चीन ने दुनिया के सबसे बड़े संलयन चुंबक का परीक्षण पूरा किया



- चीन ने 27 जून 2026 को आनहुई प्रांत के हेफेई स्थित चीनी विज्ञान अकादमी के प्लाज्मा भौतिकी संस्थान में स्वदेशी रूप से विकसित दो अतिचालक चुंबकों का विशेषज्ञ स्वीकृति और पूर्ण-पैरामीटर परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
- परीक्षण किए गए उपकरणों में टोरोयडल क्षेत्र अतिचालक चुंबक तथा संलयन अनुसंधान के लिए उच्च-तापमान अतिचालक केंद्रीय सोलनॉइड कुंडली शामिल थे।
- टोरोयडल क्षेत्र अतिचालक चुंबक अब तक निर्मित दुनिया का सबसे बड़ा संलयन रिएक्टर अतिचालक चुंबक बन गया है। इसकी लंबाई 21 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर तथा वजन 582 टन है।
- इस टोरोयडल क्षेत्र चुंबक का उपयोग संलयन उपकरणों में निर्वात कक्ष के भीतर उच्च-तापमान प्लाज्मा को शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र की सहायता से नियंत्रित रखने के लिए किया जाता है।
- उच्च-तापमान अतिचालक केंद्रीय सोलनॉइड कुंडली का परीक्षण टोकामक प्रकार के संलयन उपकरणों में प्लाज्मा धारा नियंत्रण, प्रज्वलन तथा स्थिर संचालन के लिए किया गया।
- दोनों चुंबकीय प्रणालियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा इनके कच्चे माल से लेकर निर्माण प्रक्रिया तक 100% स्वदेशी उत्पादन का उपयोग किया गया।
- यह परियोजना 'कृत्रिम सूर्य' कार्यक्रम के तहत संलयन प्रौद्योगिकी के लिए समग्र अनुसंधान सुविधा से जुड़ी हुई है।

- चीन ने 2030 के आसपास संलयन ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। परीक्षण किया गया टोरोयडल क्षेत्र चुंबक आईटीईआर में प्रयुक्त समान चुंबकों की तुलना में अधिक आयतन और अधिक ऊर्जा भंडारण क्षमता वाला है।

स्टैटिक जीके

- चीनी विज्ञान अकादमी का प्लाज्मा भौतिकी संस्थान चीन के आनहुई प्रांत के हेफेई शहर में स्थित है।
- आईटीईआर फ्रांस में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय संलयन ऊर्जा परियोजना है।
- टोकामक संलयन अनुसंधान में प्रयुक्त चुंबकीय परिरोध उपकरण है।

एचपीवी से जुड़ी सर्वाइकल बीमारी के लिए 'शेता2 (SHetA2)' थेरेपी विकसित



- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान ने जुलाई 2026 में 'शेता2' नामक मौखिक लघु-अणु उपचार को भारत में आगे के विकास के लिए मान्यता प्रदान की।
- शेता2 का लक्ष्य मानव पैपिलोमा वायरस के ई6 और ई7 ऑन्कोप्रोटीन हैं, जो कोशिका चक्र को नियंत्रित करने वाले पी53 और आरबी ट्यूमर-दमनकारी प्रोटीनों के कार्य में बाधा डालते हैं।
- इस उपचार को सर्वाइकल इंट्राएपिथीलियल नियोप्लासिया जैसी गर्भाशय ग्रीवा की कैंसर-पूर्व अवस्थाओं तथा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर संबंधी घावों के उपचार के लिए विकसित किया गया है।
- शेता2 को भारत में बड़े स्तर के मानव परीक्षणों के लिए एमक्वोर फार्मास्यूटिकल्स को हस्तांतरित किया गया है और यह अभी नैदानिक मूल्यांकन के चरण में है।

- इस अणु का विकास भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान तथा ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय के स्टीफेंसन कैंसर केंद्र के वैज्ञानिकों के सहयोग से किया गया।
- पूर्व-नैदानिक अध्ययनों में शोटा2 ने मौखिक जैव-उपलब्धता, सुरक्षा, सहनशीलता तथा मानव पैपिलोमा वायरस से प्रभावित असामान्य कोशिकाओं के विरुद्ध चयनात्मक प्रभावशीलता प्रदर्शित की।

स्टैटिक जीके

- मानव पैपिलोमा वायरस एक डीएनए वायरस है, जो गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से संबंधित है।
- सर्वाइकल इंटरएपिथीलियल नियोप्लासिया गर्भाशय ग्रीवा की कैंसर-पूर्व अवस्था है।
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित है।

सर्वम एआई ने 'एपॉक बिल्डर एडिशन' लॉन्च किया



- सर्वम एआई ने जुलाई 2026 में 'एपॉक बिल्डर एडिशन' लॉन्च किया। यह भारतीय भाषाओं और विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए बड़े भाषा मॉडल विकसित करने, उन्हें परिष्कृत करने तथा तैनात करने हेतु डेवलपर्स और उद्यमों के लिए एक मंच है।
- इस मंच में 7 अरब और 70 अरब पैरामीटर वाले बहुभाषी मॉडल शामिल हैं, जिन्हें 2 ट्रिलियन टोकन पर प्रशिक्षित किया गया है। यह हिंदी, कन्नड़, तमिल, मराठी और बांग्ला सहित 10 से अधिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है।
- सर्वम एआई ने जुलाई 2026 में 'सर्वम विज़न एज' को एक दस्तावेज़ विश्लेषण मंच के रूप में व्यावसायिक रूप से लॉन्च किया, जो जटिल दस्तावेज़ों के प्रसंस्करण के लिए विकसित किया गया है।
- फरवरी 2026 में कंपनी ने 'सर्वम विज़न' नामक ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन प्रणाली लॉन्च की तथा 'बुलबुल' नामक टेक्स्ट-टू-स्पीच मॉडल पेश किया, जो 11 भारतीय भाषाओं में 35 से अधिक आवाज़ों का समर्थन करता है।

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अप्रैल 2025 में इंडियाएआई मिशन के तहत स्वदेशी आधारभूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने के लिए सर्वम एआई का चयन किया था।
- सर्वम एआई ने भारत में एक ट्रिलियन से अधिक पैरामीटर वाला आधारभूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने की योजना की घोषणा की है, जिसकी मूल्य निर्धारण नीति प्रमुख वैश्विक मॉडलों की तुलना में अधिक किफायती रखने का लक्ष्य है।

स्टैटिक जीके

- सर्वम एआई एक भारतीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी है, जो भाषा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करती है।
- इंडियाएआई मिशन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है।

प्रौद्योगिकी कंपनियों ने 'ओपन सिक्योर एआई एलायंस' लॉन्च किया



- एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, सिस्को और 35 से अधिक साझेदारों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 'ओपन सिक्योर एआई एलायंस' की शुरुआत की।
- यह गठबंधन कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित खतरों से डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा के लिए ओपन-सोर्स सुरक्षा उपकरण, फ्रेमवर्क और मानक विकसित करेगा।
- गठबंधन के सदस्यों ने माइक्रोसॉफ्ट के कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बग खोजने वाले एजेंट तथा हंगिंग फेस के सुरक्षित मॉडल भंडारण फ्रेमवर्क जैसी तकनीकों का योगदान दिया।
- स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता एजेंटों से जुड़ी बढ़ती साइबर सुरक्षा चिंताओं के बाद इस पहल की शुरुआत की गई।
- लिनक्स फाउंडेशन के समर्थन से यह गठबंधन पारदर्शी कृत्रिम बुद्धिमत्ता सुरक्षा को बढ़ावा देता है तथा ओपन-वेट कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडलों पर प्रतिबंधों का विरोध करता है।

स्टैटिक जीके

- एनवीडिया की स्थापना 1993 में हुई थी और इसका मुख्यालय सांता क्लारा, कैलिफ़ोर्निया में स्थित है।
- माइक्रोसॉफ्ट का मुख्यालय रेडमंड, वाशिंगटन में है और इसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्य नडेला हैं।
- आईबीएम की स्थापना 1911 में हुई थी और इसका मुख्यालय आर्मीक, न्यूयॉर्क में स्थित है।

आईएआरसी ने तीन दवाओं को समूह-1 कैंसरकारी पदार्थों में रखा



- अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी (आईएआरसी) ने हाइड्रोक्लोरोथायामाजाइड, वोरिकोनाजोल और टैक्रोलिमस को समूह-1, मनुष्यों में कैंसरकारी के रूप में वर्गीकृत किया।
- हाइड्रोक्लोरोथायामाजाइड का उपयोग उच्च रक्तचाप जैसी स्थितियों में, वोरिकोनाजोल का उपयोग फंगल संक्रमण के इलाज में और टैक्रोलिमस का उपयोग अंग प्रत्यारोपण के बाद अंग को अस्वीकार होने से रोकने के लिए किया जाता है।
- समूह-1 वर्गीकरण यह दर्शाता है कि इन दवाओं में कैंसर पैदा करने की क्षमता का प्रमाण है, लेकिन इससे सामान्य उपचार खुराक पर कैंसर के जोखिम का सटीक स्तर निर्धारित नहीं होता।
- यह मूल्यांकन 22 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने प्रकाशित चिकित्सीय और वैज्ञानिक साक्ष्यों की व्यापक समीक्षा के बाद किया।
- मरीजों को चिकित्सकीय सलाह के बिना इन दवाओं को बंद करने या उनमें बदलाव करने की सलाह नहीं दी गई, क्योंकि इनके चिकित्सीय लाभ महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

स्टैटिक जीके

- आईएआरसी की स्थापना 1965 में हुई थी और इसका मुख्यालय लियोन, फ्रांस में है।
- आईएआरसी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की विशेष कैंसर अनुसंधान एजेंसी है।
- डब्ल्यूएचओ का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है और इसकी स्थापना 7 अप्रैल 1948 को हुई थी।

चीन ने अंतरिक्ष में उगाई गई चावल की पहली फसल काटी



- चीन ने तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष से प्राप्त बीजों से उगाई गई चावल की पहली फसल की कटाई की। यह फसल सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण परिस्थितियों में दो महीने से अधिक समय तक उगाई गई।
- यह खेती प्रयोग शेनझोउ-23 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों झू यांगझू, झांग झीयुआन और लाई काइयिंग ने किया।
- चावल के बीज मई 2026 में अंतरिक्ष में भेजे गए थे और पहली फसल की कटाई से पहले उन्हें अंतरिक्ष में उगाया गया।
- यह प्रयोग दुनिया का पहला “ लगातार दो पीढ़ियों ” का अंतरिक्ष में चावल उगाने का प्रयोग बना। यह 2022 में चीन द्वारा किए गए पहले अंतरिक्ष-बीज प्रयोगों पर आधारित था।
- कटे गए चावल की बालियों और बीजों को -80°C पर संरक्षित किया गया है। इन्हें आनुवंशिक स्थिरता और अंतरिक्ष परिस्थितियों के अनुकूलन के विश्लेषण के लिए पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- तियानगोंग निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थित चीन का स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन है।
- चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी चीन के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों का प्रबंधन करती है।
- चावल का वैज्ञानिक नाम ओराइज़ा सैटिवा है और यह पोएसी कुल से संबंधित है।

एस्ट्रोबेस ने ‘एवरेस्ट’ रॉकेट इंजन का अनावरण किया



- बेंगलुरु स्थित एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज ने भारत के पहले निजी तौर पर निर्मित 800 किलोन्यूटन रॉकेट इंजन 'एवरेस्ट' का अनावरण किया।
- यह इंजन तरल ऑक्सीजन और तरल मीथेन द्वारा संचालित पूर्ण प्रवाह चरणबद्ध दहन चक्र का उपयोग करता है।
- पुनः उपयोग योग्य मध्यम-लिफ्ट प्रक्षेपण यानों के लिए डिज़ाइन किए गए एवरेस्ट में 340 सेकंड का विशिष्ट आवेग और 50%-110% शॉटल रेंज है।
- इस उपलब्धि के साथ भारत पूर्ण प्रवाह चरणबद्ध दहन प्रौद्योगिकी विकसित करने वाले देशों में शामिल हो गया है।
- इस विकास को स्वदेशी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नवाचार को गति देने के लिए IN-SPACe के प्रौद्योगिकी अपनाने कोष के तहत समर्थन दिया गया था।

स्टैटिक जीके

- IN-SPACE की स्थापना जून 2020 में हुई थी और इसका मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में स्थित है।
- ISRO की स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुई थी।

इसरो ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने के उपायों को मजबूत किया



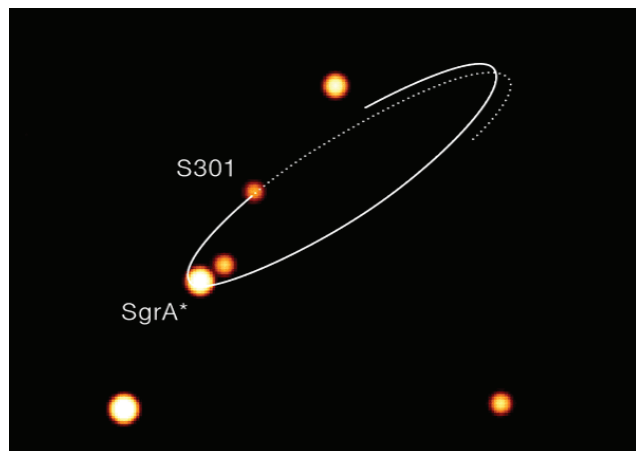
- निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में उपग्रह समूहों से अंतरिक्ष मलबे को कम करने के लिए ISRO उपाय लागू कर रहा है, जिनमें मलबा मुक्त अंतरिक्ष मिशन, सक्रिय मलबा निष्कासन, मिशन के बाद निपटान और कक्षीय क्षय मानदंड शामिल हैं।
- अंतरिक्ष मलबे में निष्क्रिय उपग्रह, प्रयुक्त रॉकेट चरण और कक्षीय टकराव या विस्फोट से उत्पन्न टुकड़े शामिल हैं।
- ISRO ने सक्रिय मलबा निष्कासन के लिए कक्षा में प्रारंभिक प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं, लेकिन पूर्ण मलबा निष्कासन प्रणाली के लिए कोई परिचालन प्रक्षेपण तिथि घोषित नहीं की गई है।
- भारतीय अंतरिक्ष नीति और IN-SPACe द्वारा जारी मानदंडों के तहत भारतीय अंतरिक्ष भागीदारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मिशन के बाद निपटान प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।
- भारत कुछ मिशनों के लिए 5-वर्षीय कक्षीय क्षय दिशानिर्देश का पालन करता है, जिसके तहत अंतरिक्ष यान और ऊपरी चरणों को मिशन पूरा होने के पांच साल के भीतर वायुमंडल में पुनः प्रवेश करना आवश्यक है।

- LVM3 M5 रॉकेट का ऊपरी चरण जुलाई 2026 में अटलांटिक महासागर के ऊपर वायुमंडल में पुनः प्रवेश कर गया, जो 5-वर्षीय कक्षीय क्षय दिशानिर्देश का अनुपालन करता है।

स्टैटिक जीके

- पृथ्वी की निचली कक्षा आम तौर पर पृथ्वी से 2,000 किलोमीटर ऊपर तक फैली होती है और यहाँ संचार, रिमोट सेंसिंग, वैज्ञानिक और मानवयुक्त मिशन संचालित होते हैं।
- अंतर-एजेंसी अंतरिक्ष मलबा समन्वय समिति का गठन 1993 में हुआ था और 1996 में ISRO इसका सदस्य बना।
- केसलर सिंड्रोम एक ऐसी श्रृंखला प्रतिक्रिया को संदर्भित करता है जिसमें कक्षीय टक्करों से अधिक मलबा उत्पन्न होता है और आगे की टक्करों का खतरा बढ़ जाता है।

वैज्ञानिकों ने एस301 को आकाशगंगा का सबसे तेज़ तारा पहचाना



- वैज्ञानिकों ने एस301 को सुरक्षित कक्षा में दर्ज किया गया सबसे तेज़ गति से चलने वाला तारा पहचाना है। इसकी अधिकतम गति लगभग 25,000 किमी/सेकंड, यानी प्रकाश की गति की लगभग 8% है।
- एस301 **मिल्की वे (आकाशगंगा)** के केंद्र में स्थित **सैजिटेरियस ए*** नामक अतिविशाल ब्लैक होल के चारों ओर 8.7 वर्ष की अत्यधिक दीर्घवृत्ताकार कक्षा में परिक्रमा करता है।
- अपनी कक्षा के निकटतम बिंदु पर यह तारा सैजिटेरियस ए* से लगभग 12 खगोलीय इकाई, यानी 1.8 अरब किमी की दूरी से गुजरता है।
- इस खोज के लिए यूरोपियन सदस्य ऑब्जर्वेटरी के वेरी लार्ज टेलीस्कोप इंटरफेरोमीटर का उपयोग किया गया, जो चिली की परानाल वेधशाला में स्थित है। इसके लिए 2017 तक के अभिलेखीय अवलोकनों का भी उपयोग किया गया।
- अंतरराष्ट्रीय शोध दल का नेतृत्व पेरिस ऑब्जर्वेटरी के के. अब्दुल डेयेम ने किया। इसमें फेलिक्स मैंग और स्टीफन गिलेसन भी शामिल थे।

- एस4714 को 2020 में इससे तेज़ तारा बताया गया था, लेकिन बाद के मापों में उन परिणामों की पुष्टि नहीं हुई। इसलिए एस301 को सुरक्षित कक्षा में सत्यापित सबसे तेज़ तारा माना गया।

स्टैटिक जीके

- सैजिटेरियस ए* मिल्की वे (आकाशगंगा) के केंद्र में स्थित अतिविशाल ब्लैक होल है।
- एक खगोलीय इकाई लगभग 14.96 करोड़ किमी के बराबर होती है, जो पृथ्वी और सूर्य के बीच की औसत दूरी के लगभग बराबर है।
- ग्रैविटी सहयोग (जीआरएवीआईटी) सैजिटेरियस ए* के आसपास स्थित तारों का उच्च-सटीकता वाला अवलोकन करता है।

वैज्ञानिकों ने मेगा-अर्थ जीजे 523बी की खोज की

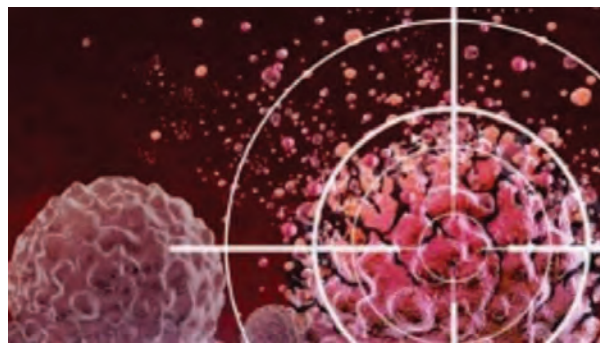


- वैज्ञानिकों ने जीजे 523बी को एक “मेगा-अर्थ” के रूप में पहचाना है, जिसकी त्रिज्या पृथ्वी की त्रिज्या से लगभग 2.55 गुना और द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 23.5 गुना है।
- यह बहिर्ग्रह एक मध्य-के-प्रकार के बौने तारे की परिक्रमा करता है और इसका अनुमानित औसत घनत्व लगभग 7.8 ग्राम/घन सेंटीमीटर है।
- जीजे 523बी अपने तारे की एक परिक्रमा 17.75 दिनों में पूरी करता है और इसका अनुमानित संतुलन तापमान 538 केल्विन है।
- इसके गुणों का निर्धारण टीईएसएस से प्राप्त पारगमन अवलोकनों और एनईआईडी स्पेक्ट्रोग्राफ से प्राप्त रेडियल वेग मापों के आधार पर किया गया।
- इस ग्रह मंडल की अनुमानित आयु 16.9 करोड़ वर्ष है।

स्टैटिक जीके

- बहिर्ग्रह ऐसे ग्रह होते हैं, जो सौरमंडल के बाहर स्थित तारों की परिक्रमा करते हैं।
- ट्रांजिट फोटोमेट्री में जब कोई ग्रह अपने मूल तारे के सामने से गुजरता है, तो तारे के प्रकाश में होने वाली कमी का पता लगाया जाता है।
- रेडियल वेग से किसी परिक्रमा कर रहे ग्रह के गुरुत्वाकर्षण के कारण तारे की गति का पता लगाया जाता है।

वैज्ञानिकों ने आरके-251 कैंसर की दवा विकसित की



- भारतीय शोधकर्ताओं ने अगस्त 2026 में आरके-251 नामक एक स्मार्ट कैंसर दवा विकसित करने की घोषणा की, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह स्वस्थ ऊतकों में निष्क्रिय रहे और ट्यूमर कोशिकाओं के अंदर सक्रिय हो।
- इस दवा को इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी और आईआईटी गुवाहाटी के डॉ. असीस बाला तथा डॉ. के.पी. भाबक के नेतृत्व में हुए सहयोग से विकसित किया गया।
- आरके-251 एक प्रोड्रग के रूप में काम करती है, जो रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज द्वारा सक्रिय होती है। कई कैंसर कोशिकाओं में इनका स्तर अधिक पाया जाता है।
- सक्रिय होने के बाद यह दवा एनबीडीएचईएक्स छोड़ती है, जो कैंसर कोशिकाओं के जीवित रहने में मदद करने वाले प्रोटीन को लक्षित करता है।
- ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर कोशिकाओं पर किए गए प्री-क्लिनिकल परीक्षणों में प्रयोगशाला परिस्थितियों में स्वस्थ कोशिकाओं को सुरक्षित रखते हुए लक्षित प्रभाव देखा गया।
- आरके-251 अभी मानव क्लिनिकल ट्रायल में नहीं पहुँची है और नियामकीय मंजूरी से पहले इसके लिए आगे के अध्ययन आवश्यक हैं।

स्टैटिक जीके

- ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में एस्ट्रोजन रिसेप्टर, प्रोजेस्टेरोन रिसेप्टर और एचईआर2 की अभिव्यक्ति नहीं होती है।
- डैनियो रेरियो ज़ेब्राफिश का वैज्ञानिक नाम है।
- प्रोड्रग वह दवा होती है, जो रासायनिक या चयापचय सक्रियण के बाद सक्रिय रूप में परिवर्तित होती है।

भारत ने जीन-संपादित चावल की किस्में लॉन्च कीं

- भारत ने मई 2025 में अपनी पहली दो जीन-संपादित चावल की किस्में डीआरआर धान 100 (कमला) और पूसा डीएसटी राइस 1 लॉन्च कीं।
- डीआरआर धान 100 को सांवा महसूरी से विकसित किया गया है। यह लगभग 15–20 दिन पहले पकती है और इसकी फसल अवधि लगभग 130 दिन है।



- पूसा डीएसटी राइस 1 को कॉटन डोरा सन्नालु, जिसे एमटीयू1010 के नाम से भी जाना जाता है, से विकसित किया गया है। इसे सूखा और लवणता सहनशीलता के लिए तैयार किया गया है।
- लवणीय तनाव की स्थिति में पूसा डीएसटी राइस 1 ने उत्पादन में 30.36% तक, जबकि डीआरआर धान 100 ने 19-25% तक की वृद्धि दिखाई।
- इनके विकास और परीक्षण में आईसीएआर, आईसीएआर-आईआईआरआर, आईसीएआर-आईएआरआई और ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन राइस से जुड़े संस्थानों की भूमिका रही।
- जीन एडिटिंग में विदेशी डीएनए को आवश्यक रूप से शामिल किए बिना डीएनए के विशिष्ट अनुक्रमों में बदलाव किया जाता है। क्रिस्पर-कैस9 जीन एडिटिंग की एक प्रमुख तकनीक है।

स्टैटिक जीके

- एसडीएन-1 और एसडीएन-2 जीन एडिटिंग की ऐसी श्रेणियाँ हैं, जिनमें विदेशी जीन शामिल नहीं किए जाते।
- चावल पोएसी कुल से संबंधित है।
- भारत विश्व स्तर पर चावल के सबसे बड़े उत्पादकों और उपभोक्ताओं में से एक है।

नासा ने स्विफ्ट टेलीस्कोप बचाव मिशन रद्द किया



- नासा और कैटालिस्ट स्पेस टेक्नोलॉजीज ने अगस्त 2026 में नील गेहरल्स स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी को पकड़ने और उसकी कक्षा ऊँची करने

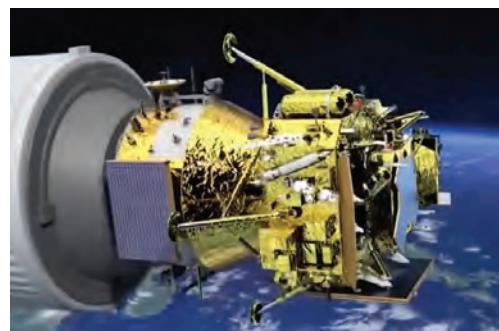
की प्रस्तावित योजना रद्द कर दी, क्योंकि बार-बार होने वाली नियंत्रण विफलताओं के कारण सुरक्षित तरीके से डॉकिंग करना संभव नहीं था।

- स्विफ्ट को नवंबर 2004 में गामा-रे बस्ट और अन्य उच्च-ऊर्जा वाली ब्रह्मांडीय घटनाओं का अध्ययन करने के लिए लॉन्च किया गया था। इसने लगभग 1,800 ब्रह्मांडीय विस्फोटों का अवलोकन किया है।
- 50 करोड़ डॉलर की इस वेधशाला की कक्षा बचाव मिशन रद्द होने से पहले लगभग 347 किमी की ऊँचाई पर थी।
- नासा ने सितंबर 2025 में लिंक रोबोटिक अंतरिक्ष यान का उपयोग करके वाणिज्यिक बचाव मिशन के लिए कैटालिस्ट को 3 करोड़ डॉलर का अनुबंध दिया था।
- लिंक को जुलाई 2026 में प्रशांत महासागर के क्वाजालीन एटोल से नॉर्थरोप ग्रुमैन पेगासस एक्सप्ल रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया।
- जुलाई में एक गंभीर दिशा-नियंत्रण विफलता के कारण लिंक कई अक्षों पर घूमने लगा। इंजीनियरों ने अगस्त में नए नियंत्रक अपलोड किए, लेकिन दिशा और स्थिति निर्धारण से जुड़ी समस्याएँ बनी रहीं।
- नासा और कैटालिस्ट ने अगस्त 2026 में मुख्य कैचर और कक्षा-उन्नयन अभियान को रद्द कर दिया।
- लिंक अब भी स्विफ्ट के पास मिलन और निकटता संचालन का प्रयास करेगा, ताकि तकनीकी डेटा एकत्र किया जा सके।
- उम्मीद है कि स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी 2026 के अंत में वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के दौरान जलकर नष्ट हो जाएगी। इसके अक्टूबर से पहले ऐसा होने की संभावना नहीं है।

स्टैटिक जीके

- गामा-रे बस्ट उच्च-ऊर्जा विकिरण की अल्पकालिक और तीव्र चमक होती है, जो दूर स्थित ब्रह्मांडीय विस्फोटों से संबंधित होती है।
- दिशा-नियंत्रण का अर्थ अंतरिक्ष में किसी अंतरिक्ष यान की दिशा या अभिविन्यास को नियंत्रित करना है।
- क्वाजालीन एटोल प्रशांत महासागर में स्थित एक प्रक्षेपण स्थल है, जिसका उपयोग रॉकेट अभियानों के लिए किया जाता है।

चीन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के लिए चांग'ई-7 मिशन निर्धारित किया



- चीन ने अगस्त 2026 में हैनान स्थित वेनचांग स्पेसक्राफ्ट लॉन्च साइट से लॉन्ग मार्च 5 वाई14 रॉकेट के जरिए चांग'ई-7 चंद्र मिशन लॉन्च करने की योजना बनाई।
- इस मिशन में ऑर्बिटर, लैंडर, रोवर और हॉपिंग प्रोब वाला चार-इन-वन विन्यास इस्तेमाल किया जाएगा।
- लैंडर शैकलटन क्रेटर के पास उतरने का प्रयास करेगा, जबकि रोवर चंद्र सतह का अध्ययन करेगा और हॉपिंग प्रोब कठिन भू-भाग की जांच करेगा।
- मिशन का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का अध्ययन करना और स्थायी रूप से छाया वाले क्रेटरों में जल-बर्फ की खोज करना है।
- हॉपिंग प्रोब सक्रिय शॉक-एब्जॉर्प्शन तकनीक का उपयोग करके छाया वाले क्रेटरों में प्रवेश करेगा और पानी के अणुओं का विश्लेषण करेगा।
- मिशन में छह देशों और एक अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए छह वैज्ञानिक पेलोड शामिल हैं।
- च्चेछयाओ-2 रिले उपग्रह, जिसे मार्च 2024 में लॉन्च किया गया था, पृथ्वी और चंद्र सतह के बीच संचार सहायता प्रदान करेगा।
- चांग'ई-7 चीन के व्यापक चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका फोकस ध्रुवीय विज्ञान, सतह पर गतिशीलता और संसाधनों का पता लगाने पर है।

स्टैटिक जीके

- चांग'ई चीन का चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम है, जिसका नाम चीनी चंद्र देवी चांग'ई के नाम पर रखा गया है।
- शैकलटन क्रेटर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास स्थित एक प्रमुख प्रभाव क्रेटर है।
- स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्र जल-बर्फ जैसे वाष्पशील पदार्थों को संरक्षित कर सकते हैं।
- च्चेछयाओ-2 चंद्र अभियानों के लिए संचार सहायता प्रदान करता है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जो पृथ्वी से सीधे दिखाई नहीं देते।

सोफी अडेनोट अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला बनीं



- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी अडेनोट अगस्त 2026 में अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला और दूसरी यूरोपीय महिला बनीं।
- उन्होंने नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बाहर **यूएस स्पेसवॉक 97** में हिस्सा लिया। यह बाह्य अंतरिक्ष गतिविधि **6 घंटे 23 मिनट** तक चली।
- मुख्य कार्य **आईएसएस के जेड1 ट्रस** पर खराब **स्पेस-टू-ग्राउंड एंटीना** को बदलना था, जो ह्यूस्टन स्थित मिशन कंट्रोल के साथ हाई-स्पीड डेटा संचार में सहायता करता है।
- फंसे हुए बोल्ट और विद्युत केबलों के कारण एंटीना लगाने में देरी हुई। इसके बाद मिशन कंट्रोल ने अंतरिक्ष यात्रियों को खराब यूनिट को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए **टाई-डाउन** से बाँधने का निर्देश दिया।
- नासा की कमांडर **जेसिका मीर** और फ्लाइट इंजीनियर **जैक हैथवे** ने आईएसएस के अंदर से सहायता की और **कनाडाम2 रोबोटिक आर्म** का संचालन किया।
- यह मिशन आईएसएस के निर्माण, रखरखाव और उन्नयन के इतिहास में **282वाँ स्पेसवॉक** बना।
- सोफी अडेनोट और अनिल मेनन को अतिरिक्त एंटीना की स्थापना पूरी करने के लिए अगस्त 2026 में **ईवीए-98** करने के लिए निर्धारित किया गया था।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय कक्षीय प्रयोगशाला है, जिसका संचालन विभिन्न अंतरिक्ष एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय सहयोग से किया जाता है।
- **कनाडाम2** एक रोबोटिक आर्म है, जिसका उपयोग आईएसएस के निर्माण, रखरखाव और कार्गो प्रबंधन कार्यों में किया जाता है।
- **जेड1 ट्रस** आईएसएस का एक संरचनात्मक घटक है, जो स्टेशन की प्रणालियों और उपकरणों को सहारा देता है।

सिंगापुर ने जीवित न्यूरोन्स वाला जैविक डेटा केंद्र लॉन्च किया



- सिंगापुर ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के सेंटर फॉर लाइफ साइंसेज में एक प्रोटोटाइप बायोलॉजिकल डेटा सेंटर लॉन्च किया, जिसमें स्टेम सेल से विकसित जीवित मानव न्यूरोन्स को सिलिकॉन हार्डवेयर से जोड़ा गया है।

- इस प्रणाली में **बायोलॉजिकल कंप्यूटिंग** का उपयोग किया जाता है, जिसमें जीवित कोशिकाएँ या जैविक प्रक्रियाएँ कंप्यूटिंग कार्य करती हैं। वहीं **वेटवेयर** जैविक सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर के संयोजन को कहा जाता है।
- प्रोटोटाइप में **सीएल1 सिस्टम** के 20 यूनिट वाला एक रैक है। प्रत्येक यूनिट में लगभग **8 लाख न्यूरोन्स** हैं और पूरे रैक में लगभग **1.6 करोड़ जीवित न्यूरोन्स** हैं।
- न्यूरोन्स को प्रयोगशाला में बनाए रखने के लिए हर तीन दिन में **पोषक और पीएच-बफर मिश्रण** की आवश्यकता होती है। इसके लिए गैस-मिश्रण आधारित जीवन-समर्थन प्रणाली का उपयोग किया जाता है।
- **प्रोफेसर रिक्की पटानी** कोशिकाओं के रखरखाव की देखरेख करते हैं, **डेवन1** डेटा सेंटर के बुनियादी ढाँचे का प्रबंधन करता है और **कॉर्टिकल लैम्ब्स** जैविक हार्डवेयर उपलब्ध कराती है।
- प्रोटोटाइप को आधिकारिक रूप से **जुलाई 2026** में लॉन्च किया गया और बाद में अगस्त 2026 में **एनयूएस लाइफ साइंसेज इंस्टीट्यूट** में प्रदर्शित किया गया।
- एक **सीएल1 यूनिट** लगभग **25 वाट** बिजली का उपयोग करता है, जबकि एक पूरा रैक लगभग **800–1,000 वाट** बिजली की खपत करता है। हालांकि, अभी प्रति वाट कार्यक्षमता की तुलना करने वाले मानक उपलब्ध नहीं हैं।
- इसके संभावित उपयोगों में **न्यूरो-प्रेरित एआई, बायोमेडिकल मॉडलिंग, दवा खोज और न्यूरोलॉजिकल रोगों पर शोध** शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- **नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर** सिंगापुर का एक प्रमुख सार्वजनिक शोध विश्वविद्यालय है।
- **स्टेम सेल** न्यूरोन्स जैसी विशिष्ट कोशिकाओं में विभेदित हो सकते हैं।
- **सिलिकॉन हार्डवेयर** अधिकांश पारंपरिक डिजिटल डेटा सेंटरों की मानक आधारभूत तकनीक है।
- **ग्रीन डेटा सेंटर नीतियों** का उद्देश्य ऊर्जा की खपत, कूलिंग की आवश्यकता और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है।

भारत ने 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई

- भारत ने प्रस्तावित **भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन** के पहले मॉड्यूल **बीएस-01** को मंजूरी दी है, जिसे **2035 तक** पूरा करने की योजना है।



- इस स्टेशन को **52 टन** के प्लेटफॉर्म के रूप में निम्न पृथ्वी कक्षा में **400–450 किमी** की ऊँचाई पर स्थापित करने की योजना है। इसमें **3–4 अंतरिक्ष यात्री** तीन से छह महीने तक रह सकेंगे।
- प्रस्तावित स्टेशन में **पाँच मॉड्यूल** होंगे और यह इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान रोडमैप का हिस्सा है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **गगनयान कार्यक्रम** के दायरे का विस्तार करते हुए बीएस-01 को मंजूरी दी। 2025 से 2028 तक चार वर्षों में इसके विकास और प्रक्षेपण की अनुमानित लागत **1,763 करोड़ रुपये** है।
- बीएस-01 की **बेसलाइन डिजाइन समीक्षा** और **सिस्टम इंजीनियरिंग** पूरी हो चुकी है तथा 31 बेसलाइन डिजाइन दस्तावेज जारी किए गए हैं।
- इसरो के **विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र** ने मॉड्यूल की भौतिक संरचना के निर्माण और उसे तैयार करने में भारतीय उद्योगों की भागीदारी के लिए आमंत्रित किया।
- स्टेशन की समग्र संरचनात्मक रूपरेखा को **दिसंबर 2025** में राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा समिति ने अंतिम रूप दिया।
- व्यापक **गगनयान रोडमैप** में आठ मिशन शामिल हैं, जिनमें पहला मानव रहित गगनयान मिशन **2026 के भीतर** निर्धारित है।

स्टैटिक जीके

- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन भारत का प्रस्तावित पहला अंतरिक्ष स्टेशन है।
- बीएस को 400–450 किमी की ऊँचाई वाली निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित करने की योजना है।
- प्रस्तावित स्टेशन में पाँच मॉड्यूल होंगे और इसका कुल द्रव्यमान 52 टन होगा।
- गगनयान इसरो के अंतर्गत भारत का मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है।

डीआरडीओ ने लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल 'कुशा' का सफल परीक्षण किया



- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने ओडिशा तट के निकट स्थित डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम द्वीप से 'कुशा' नामक लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया।
- प्रोजेक्ट कुशा के तहत विकसित इस स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली ने उच्च गति और उच्च ऊँचाई पर उड़ रहे कृत्रिम हवाई लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया।
- इस प्रणाली को 350 किलोमीटर तक की दूरी पर स्टील्थ लड़ाकू विमानों, मानवरहित हवाई वाहनों, क्रूज मिसाइलों तथा सटीक-निर्देशित हथियारों को नष्ट करने के लिए विकसित किया गया है।
- परीक्षण के दौरान बहु-कार्यात्मक रडार, स्वदेशी सीकर, भूमि नियंत्रण प्रणाली तथा उन्नत प्रणोदन प्रणाली के प्रदर्शन का सफल सत्यापन किया गया।
- 'कुशा' ने भारत की बहु-स्तरीय वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत किया है तथा इसे रूस की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के स्वदेशी समकक्ष के रूप में देखा जा रहा है।

स्टैटिक जीके

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की स्थापना 1958 में रक्षा मंत्रालय के अधीन की गई थी।
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम की शुरुआत 1983 में की गई थी।

भारतीय सेना ने अत्यधिक ठंड के लिए स्वदेशी एक्सडब्ल्यूजी डीजल लॉन्च किया



- भारतीय सेना ने स्वदेशी एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल पेश किया, जो -42°C तक के तापमान में भी उपयोग योग्य रहा।
- इस ईंधन को भारतीय तकनीक से प्रमुख भारतीय तेल कंपनियों के सहयोग से विकसित किया गया, ताकि अत्यधिक ठंड और अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य वाहनों की आवाजाही सुचारु रहे।
- एक्सडब्ल्यूजी डीजल बीएस-6 मानकों और आईएस 1460:2025 विनिर्देशों के अनुरूप है और बहुत कम तापमान में भी तरल बना रहता है।
- इसे अत्यधिक ठंड में सामान्य डीजल से होने वाली फिल्टर जाम होने, इंजन स्टार्ट करने में कठिनाई और वाहनों के प्रदर्शन में कमी जैसी समस्याओं को रोकने के लिए तैयार किया गया है।
- एक्सडब्ल्यूजी डीजल मौजूदा सेना के वाहनों में बड़े इंजन बदलाव, यांत्रिक परिवर्तन या दोबारा प्रमाणन की आवश्यकता के बिना इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इसका उपयोग टी-90 और टी-72 टैंक, बीएमपी-2 के पैदल सेना लड़ाकू वाहन, के-9 वज्र स्वचालित हॉवित्जर तथा अधिक ऊँचाई वाले परिवहन और रसद वाहनों में किया जा सकता है।
- इसके उपयोग से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) सहित अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों को सहायता मिलेगी।
- सेना ने न्योमा और दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) में अधिक ऊँचाई वाले बख्तरबंद वाहनों के रखरखाव की सुविधाएँ संचालित की हैं, जो लगभग 14,500 फीट की ऊँचाई पर स्थित हैं।
- एक्सडब्ल्यूजी डीजल से भीषण सर्दियों से प्रभावित क्षेत्रों में नागरिक वाहनों और आवश्यक सेवाओं को भी सहायता मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- न्योमा और दौलत बेग ओल्डी लद्दाख में स्थित हैं।
- पूर्वी लद्दाख हिमालय का एक अधिक ऊँचाई वाला क्षेत्र है।
- टी-90 और टी-72 भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मुख्य युद्धक टैंक हैं।
- बीएमपी-2के एक पैदल सेना लड़ाकू वाहन है, जबकि के-9 वज्र एक स्वचालित हॉवित्जर है।

स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ भारतीय वायु सेना की पहली महिला लड़ाकू लड़ाकू नेता बनीं



- स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ ग्वालियर के टीएसीडीई में 20 सप्ताह का कोर्स पूरा करने के बाद भारतीय वायु सेना की पहली महिला फाइटर कॉम्बैट लीडर बनीं।
- उन्होंने जटिल बहु-विमान युद्ध अभियानों की योजना बनाने और उनका नेतृत्व करने तथा भविष्य के फॉर्मेशन लीडरों को प्रशिक्षित करने की योग्यता प्राप्त की।
- वह भारत की पहली महिला “टॉप गन” बनीं और 2016 में भारत की पहली तीन महिला फाइटर पायलटों में से एक के रूप में फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुईं।
- इससे पहले, वह मिग-21 बाइसन में दिन के समय युद्ध मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली पहली महिला पायलट बनीं।
- बाद में उन्होंने बहु-भूमिका वाले सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो सैन्य विमानन में महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

स्टैटिक जीके

- भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी।
- TACDE ग्वालियर के महाराजपुर वायु सेना स्टेशन में स्थित है।
- भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य है, “गौरव के साथ आकाश को छूना”।

भारतीय वायु सेना और रॉयल मलेशियन वायु सेना ने उदरा शक्ति 2026 अभ्यास का शुभारंभ किया

- भारतीय वायु सेना और रॉयल मलेशियाई वायु सेना ने मलेशिया के सुबांग वायु सेना अड्डे पर द्विपक्षीय हवाई अभ्यास उदरा शक्ति 2026 का शुभारंभ किया।



- इस अभ्यास में भारत के Su-30MKI लड़ाकू विमानों सहित लड़ाकू विमानों ने भाग लिया और सामरिक समन्वय तथा हवाई युद्ध क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- दोनों वायु सेनाओं ने संयुक्त योजना, जटिल हवाई युद्ध अभ्यासों और पेशेवर शैक्षणिक आदान-प्रदान में भाग लिया।
- इस अभ्यास ने भारत और मलेशिया के बीच परिचालन अंतरसंचालनीयता, आपसी समझ और रक्षा सहयोग को मजबूत किया।

स्टैटिक जीके

- भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी, जिसे वायु सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य है “नभ स्पर्शम दीप्तम” या “गौरव से आकाश को छूना”।
- भारतीय वायु सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर है और इसकी मुद्रा मलेशियाई रिंगिट है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आधुनिक नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवी बल की घोषणा की



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2026 में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान एक “विशाल, आधुनिक” नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवी बल की घोषणा की।
- प्रस्तावित बल आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों और आपातकालीन स्थितियों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- भारत में नागरिक सुरक्षा युद्ध, आपदाओं, हवाई हमलों और अन्य आपात स्थितियों के दौरान नागरिकों, संपत्ति और आवश्यक सेवाओं की रक्षा करती है।

- स्वयंसेवी बल को आधुनिक प्रणालियों और उन्नत आपातकालीन प्रोटोकॉल में प्रशिक्षण दिया जाएगा, साथ ही चेतावनी, निकासी, बचाव, प्राथमिक चिकित्सा और अग्निशमन अभियानों में सहायता प्रदान की जाएगी।
- नागरिक सुरक्षा राज्य प्रशासनों, जिला अधिकारियों और स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ मिलकर काम करती है, जबकि होम गार्ड राज्य नियंत्रण के तहत एक सहायक बल के रूप में कार्य करता है।
- स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में सप्त धारा, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग और राष्ट्रव्यापी खेल प्रतिभा खोज का भी उल्लेख किया गया।

स्टैटिक जीके

- भारत में नागरिक सुरक्षा के लिए 1968 का नागरिक सुरक्षा अधिनियम और नियम कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं।
- नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक आपात स्थितियों के दौरान बचाव, निकासी, प्राथमिक चिकित्सा और चेतावनी संबंधी गतिविधियों में सहायता करते हैं।

रिलायंस और रोल्स-रॉयस एएमसीए इंजन कार्यक्रम में शामिल हुए



- रिलायंस इंडस्ट्रीज और रोल्स-रॉयस ने अगस्त 2026 में भारत में स्वदेशी लड़ाकू इंजन के डिजाइन, विकास और निर्माण के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।
- यह साझेदारी भारत की पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान परियोजना, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) कार्यक्रम से जुड़ी है।
- कंपनियां इंजन डिजाइन, विकास, निर्माण, परीक्षण और जीवनकाल रखरखाव के लिए भारत में एक एयरोस्पेस गैस टर्बाइन कॉम्प्लेक्स स्थापित कर सकती हैं।
- प्रस्तावित इंजन कार्यक्रम का उद्देश्य स्वदेशी इंजन विकास को बढ़ावा देना और एयरोस्पेस प्रगति में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करना है।
- यह साझेदारी एक निजी वाणिज्यिक समझौता है और यह स्वयं भारत सरकार का कोई आधिकारिक इंजन अनुबंध नहीं है।
- फ्रांस की सैफ्रान भी डीआरडीओ के गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान के साथ उच्च-थ्रस्ट AMCA इंजन प्रस्ताव पर काम कर रही है।
- सरकार ने मई 2026 में AMCA कार्यक्रम को समर्थन और गति देने के लिए 15 अरब रुपये आवंटित किए थे।

स्टैटिक जीके

- AMCA भारत का नियोजित पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान कार्यक्रम है।
- पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में आमतौर पर कम दृश्यता, उन्नत विमानन तकनीक, सेंसर फ्यूजन और आंतरिक हथियार ले जाने की क्षमता जैसी विशेषताएं होती हैं।
- गैस टरबाइन इंजन विमानों, जहाजों और विद्युत उत्पादन प्रणालियों में उपयोग किए जाते हैं।

एस. सोमनाथ आरबीआई बोर्ड में नियुक्त



- पूर्व इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ को अगस्त 2026 में आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल में चार वर्ष के कार्यकाल के लिए अंशकालिक, गैर-आधिकारिक निदेशक नियुक्त किया गया।
- आनंद गोपाल महिंद्रा को भी चार वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए बोर्ड में फिर से नियुक्त किया गया।
- आरबीआई का केंद्रीय निदेशक मंडल भारतीय रिजर्व बैंक का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है और यह आरबीआई अधिनियम, 1934 के तहत कार्य करता है।
- अगस्त 2026 में आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की कुल सदस्य संख्या 15 से घटाकर 11 कर दी गई।
- पुनर्गठन के बाद बाहरी निदेशकों में रेवती अय्यर, सचिन चतुर्वेदी, आनंद महिंद्रा, एस. सोमनाथ, अनुराधा ठाकुर और संजय लोहिया शामिल थे।
- एस. सोमनाथ ने जनवरी 2022 से जनवरी 2025 तक इसरो के 10वें अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव के रूप में कार्य किया।
- उनके कार्यकाल में चंद्रयान-3 मिशन शामिल था, जिसने अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफल सॉफ्ट लैंडिंग की।
- अंतरिक्ष विभाग प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करता है और इसरो की देखरेख करता है।

स्टैटिक जीके

- आरबीआई की स्थापना अप्रैल 1935 में आरबीआई अधिनियम, 1934 के तहत हुई थी।
- आरबीआई भारत का केंद्रीय बैंक है और मौद्रिक नीति, मुद्रा जारी करने तथा बैंकिंग विनियमन का प्रबंधन करता है।

हरजीत सिंह ग्रेवाल ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष का पदभार संभाला



- हरजीत सिंह ग्रेवाल ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना के बाद नई दिल्ली में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- उन्होंने इकबाल सिंह लालपुरा का स्थान लिया, जो इससे पहले राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष थे।
- हरजीत सिंह ग्रेवाल को अल्पसंख्यक समुदायों के संवैधानिक अधिकारों और कल्याण की रक्षा करने तथा शिकायत निवारण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
- उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदायों के साथ विश्वास बढ़ाने और सरकार की समावेशी विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत वैधानिक दर्जा प्राप्त है।
- अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों में मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन शामिल हैं।
- राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का मुख्यालय लोकनायक भवन, नई दिल्ली में स्थित है।

नरेश पाल गंगवार ने उच्च शिक्षा सचिव का पदभार संभाला

- केंद्र सरकार ने 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी नरेश पाल गंगवार को शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग का सचिव नियुक्त किया।



- यह नियुक्ति जुलाई 2026 में मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति द्वारा 13 सचिवों के व्यापक प्रशासनिक फेरबदल के तहत मंजूर की गई।
- उन्होंने विनीत जोशी का स्थान लिया, जिन्हें पंचायती राज विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है।
- इस नियुक्ति से पहले नरेश पाल गंगवार पशुपालन एवं डेयरी विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत थे।
- वे उच्च शिक्षा नीति, शैक्षिक सुधारों, उच्च शिक्षण संस्थानों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों तथा नियामक निकायों के साथ समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे।
- नरेश पाल गंगवार राजस्थान कैडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में बी.टेक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से एम.टेक तथा राजस्थान विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. की उपाधि प्राप्त की है।

स्टैटिक जीके

- उच्च शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- शिक्षा मंत्रालय के दो विभाग हैं—उच्च शिक्षा विभाग तथा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग।

वर्षा अशोक आगलावे बनीं जीएसआई की पहली महिला महानिदेशक

- वर्षा अशोक आगलावे ने 31 जुलाई 2026 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के 54वें महानिदेशक के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने असित साहा का स्थान लिया।
- वह 1851 में स्थापित 176 वर्ष पुराने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं।



- उन्होंने 1992 में जीएसआई में कार्यभार संभाला था और जीवाश्म विज्ञानी के रूप में 30 वर्षों से अधिक का पेशेवर अनुभव रखती हैं।
- उनकी प्राथमिकताओं में गहरे और महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, हिमनद विज्ञान, समुद्रतटीय खनिज मानचित्रण, प्राकृतिक आपदा अध्ययन, प्रयोगशाला बुनियादी ढाँचा और युवा भू-वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की स्थापना 1851 में हुई थी और इसका मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में है।
- जीएसआई खान मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- थॉमस ओल्डहैम जीएसआई के पहले महानिदेशक थे।

वाइस एडमिरल मनीष चड्ढा ने डीजीएनओ का पदभार संभाला



- वाइस एडमिरल मनीष चड्ढा ने 3 अगस्त 2026 को महानिदेशक नौसेना संचालन (डीजीएनओ) का पदभार संभाला। उन्होंने वाइस एडमिरल ए. एन. प्रमोद का स्थान लिया।
- महानिदेशक नौसेना संचालन नौसेना के संचालन, तैनाती और समुद्री सुरक्षा तैयारियों के प्रमुख पहलुओं के लिए जिम्मेदार होते हैं।
- वाइस एडमिरल चड्ढा को 1991 में भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था और उन्हें तीन दशकों से अधिक का विशिष्ट सैन्य सेवा अनुभव है।
- उन्हें विशिष्ट सेवा और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

स्टैटिक जीके

- भारत के राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर होते हैं।
- भारतीय नौसेना दिवस हर वर्ष 4 दिसंबर को 1971 के ऑपरेशन ट्राइडेंट की स्मृति में मनाया जाता है।
- भारतीय नौसेना की तीन परिचालन कमान हैं—पश्चिमी नौसेना कमान, पूर्वी नौसेना कमान और दक्षिणी नौसेना कमान।
- भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य “शं नो वरुणः” है, जिसका अर्थ है—“जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी हों।”

डॉ. श्रीनिवास कुमार तुम्माला ने MoES सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया



- डॉ. श्रीनिवासा कुमार तुम्माला ने अगस्त 2026 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के सचिव के रूप में कार्यभार संभाला। वे अपने साथ समुद्र विज्ञान, रिमोट सेंसिंग, तटीय आपदा निवारण और आपदा प्रबंधन में तीन दशकों से अधिक का अनुभव लेकर आए हैं।
- उन्होंने अगस्त 2020 से हैदराबाद स्थित ESSO-INCOIS के निदेशक के रूप में कार्य किया और समुद्री सूचना सेवाओं और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों पर काम किया।
- 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद, वे INCOIS में भारत की उन्नत सुनामी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के परियोजना प्रबंधक थे, जिन्होंने भारत की क्षेत्रीय सुनामी तैयारियों में योगदान दिया।
- उनके नेतृत्व में, INCOIS ने संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र संबंधी सलाह, प्रवाल भित्ति विरंजन चेतावनी, बहु-आपदा भेद्यता मानचित्रण और समुद्री अवलोकन सेवाएं जैसी सेवाएं प्रदान कीं।
- उन्हें सुनामी चेतावनी, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, आपदा निवारण और समुद्री संसाधन मानचित्रण में योगदान के लिए 2010 में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार और 2008 में भारतीय राष्ट्रीय भू-स्थानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

स्टैटिक जीके

- शिक्षा मंत्रालय का मुख्यालय: नई दिल्ली।

- INCOIS का मुख्यालय: हैदराबाद, तेलंगाना।
- INCOIS शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय है।

एस. सोमनाथ आरबीआई बोर्ड में नियुक्त



- पूर्व इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ को अगस्त 2026 में आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल में चार वर्ष के कार्यकाल के लिए अंशकालिक, गैर-आधिकारिक निदेशक नियुक्त किया गया।
- आनंद गोपाल महिंद्रा को भी चार वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए बोर्ड में फिर से नियुक्त किया गया।

- आरबीआई का केंद्रीय निदेशक मंडल भारतीय रिजर्व बैंक का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है और यह आरबीआई अधिनियम, 1934 के तहत कार्य करता है।
- अगस्त 2026 में आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की कुल सदस्य संख्या 15 से घटाकर 11 कर दी गई।
- पुनर्गठन के बाद बाहरी निदेशकों में रेवती अय्यर, सचिन चतुर्वेदी, आनंद महिंद्रा, एस. सोमनाथ, अनुराधा ठाकुर और संजय लोहिया शामिल थे।
- एस. सोमनाथ ने जनवरी 2022 से जनवरी 2025 तक इसरो के 10वें अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव के रूप में कार्य किया।
- उनके कार्यकाल में चंद्रयान-3 मिशन शामिल था, जिसने अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफल सॉफ्ट लैंडिंग की।
- अंतरिक्ष विभाग प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करता है और इसरो की देखरेख करता है।

स्टैटिक जीके

- आरबीआई की स्थापना अप्रैल 1935 में आरबीआई अधिनियम, 1934 के तहत हुई थी।
- आरबीआई भारत का केंद्रीय बैंक है और मौद्रिक नीति, मुद्रा जारी करने तथा बैंकिंग विनियमन का प्रबंधन करता है।

अमरावती में एकीकृत जीनोमिक समाधान केंद्र स्थापित करेगी एस्ट्राजेनेका इंडिया



- एस्ट्राजेनेका इंडिया ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ अमरावती में एकीकृत जीनोमिक समाधान केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- यह केंद्र भारत के पहले एकीकृत प्रिंसीपल ऑन्कोलॉजी कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा होगा, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय कैंसर उपचार सेवाओं को सुदृढ़ बनाना है।
- इस केंद्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अगली पीढ़ी की आनुवंशिक अनुक्रमण तकनीक तथा उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग उच्च-परिशुद्धता बायोमार्कर परीक्षण के लिए किया जाएगा।
- यह केंद्र फेफड़ों के कैंसर और स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान तथा व्यक्तिगत उपचार रणनीतियों के विकास पर विशेष ध्यान देगा।
- इस पहल से लक्षित रोग हस्तक्षेप के लिए डेटा-आधारित अनुसंधान अवसंरचना विकसित होगी, जिससे आंध्र प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूती मिलेगी।

स्टैटिक जीके

- अमरावती आंध्र प्रदेश की विधायी राजधानी है।
- एस्ट्राजेनेका का मुख्यालय कैम्ब्रिज, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।
- डीएनए की संरचना की खोज जेम्स वॉटसन और फ्रांसिस क्रिक ने 1953 में की थी।
- मानव जीनोम परियोजना की शुरुआत 1990 में हुई थी।

सीसीआरएएस और बीआईएस ने आयुर्वेद मानकों पर किया समझौता

- आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद (सीसीआरएएस) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आयुर्वेद और पारंपरिक स्वास्थ्य

सेवाओं के लिए मजबूत गुणवत्ता मानक तय करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



- इस समझौते पर सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रो. वैद्य रबीनारायण आचार्य और बीआईएस के उपमहानिदेशक संजय पंत ने हस्ताक्षर किए।
- इस साझेदारी के तहत मानकीकृत दिशानिर्देश, अनुरूपता मूल्यांकन प्रक्रियाएँ और आयुष क्षेत्र के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान ढाँचे विकसित किए जाएंगे।
- इससे आयुर्वेदिक औषधियों और पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता बढ़ाने तथा उनकी सुरक्षा और गुणवत्ता के मानकों में सुधार करने में मदद मिलेगी।
- सहयोग के तहत संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी समितियों में भागीदारी और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- सीसीआरएएस आयुष मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- बीआईएस की स्थापना 1986 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- आयुष मंत्रालय की स्थापना नवंबर 2014 में हुई थी।

ISMA और ICAR-ISRI ने गन्ना बीज केंद्र के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



- अगस्त 2026 में, ISMA और ICAR-ISRI ने गुणवत्तापूर्ण गन्ना बीज उत्पादन के लिए एक उन्नत केंद्र स्थापित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- यह केंद्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र की चीनी मिलों की सेवा के लिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित आईसीएआर-आईएसआरआई परिसर में स्थापित किया जाएगा।
- इस परियोजना में ₹80 करोड़ का निवेश शामिल है, जिसमें दोनों साझेदार ₹40 करोड़ का योगदान दे रहे हैं।
- यह केंद्र रोगमुक्त, आनुवंशिक रूप से शुद्ध और उच्च उपज देने वाले गन्ने के बीज का उत्पादन करेगा।
- यह नर्सरी तैयार करने, रोग अनुक्रमण, सख्त बनाने, गुणन, भंडारण और बीज वितरण की सुविधाएँ प्रदान करेगा।
- बीज सत्यापन के लिए डिजिटल ट्रेसबिलिटी और गुणवत्ता निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा।
- लखनऊ परियोजना तमिलनाडु के कोयंबटूर में आईसीएआर-गन्ना प्रजनन संस्थान में प्रस्तावित ₹87.94 करोड़ के उत्कृष्टता केंद्र से अलग है।

स्टैटिक जीके

- गन्ना एक प्रमुख व्यावसायिक फसल है जिसका उपयोग चीनी, गुड़, खिचड़ी और जैव-ऊर्जा के उत्पादन में किया जाता है।
- बीज की गुणवत्ता अंकुरण, रोग प्रसार और फसल उत्पादकता को प्रभावित करती है।
- रोग अनुक्रमण से बीज सामग्री में पादप रोगजनकों का पता लगाने में मदद मिलती है।
- डिजिटल ट्रेसबिलिटी कृषि इनपुट के स्रोत, आवागमन और गुणवत्ता को ट्रैक करने में सहायक होती है।

डिजिटल भारत निधि ने छत्तीसगढ़ के साथ भारतनेट समझौता किया



- डिजिटल भारत निधि ने अगस्त 2026 में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत राज्य-नेतृत्व मॉडल के लिए समझौता किया।

- इस परियोजना में 11,682 ग्राम पंचायतें शामिल हैं, जिनमें 4,048 चरण-I, 5,964 चरण-II और 1,670 नवगठित ग्राम पंचायतें हैं।
- इसके तहत 8,328 गाँवों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के माध्यम से मांग के अनुसार हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सुविधा प्रदान की जाएगी।
- केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 3,942 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।
- छत्तीसगढ़ स्टेट भारतनेट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और भारत संचार निगम लिमिटेड इसके क्रियान्वयन से जुड़ी प्रमुख संस्थाओं में शामिल हैं।
- इस परियोजना से 3 लाख से अधिक ग्रामीण घरों में फाइबर कनेक्शन और टेलीमेडिसिन, डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस तथा ऑनलाइन शिक्षा जैसी सेवाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- डिजिटल भारत निधि दूरसंचार विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।
- भारतनेट का उद्देश्य ग्रामीण भारत को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना है।
- रिंग टोपोलॉजी में नेटवर्क नोड्स एक बंद लूप के रूप में जुड़े होते हैं।
- ग्राम पंचायत ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की मूल इकाई है।

फोनपे और मेइटी ने पल्सप्रो-गतिशक्ति के लिए समझौता किया



- फोनपे ने अगस्त 2026 में मेइटी के साथ अपने पल्सप्रो डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान पोर्टल से जोड़ने के लिए समझौता ज्ञापन किया।
- इस एकीकरण के लिए भौगोलिक और अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों के क्षेत्र में बीआईएसएजी-एन के साथ समन्वय किया जा रहा है।
- पल्सप्रो समेकित और अनामित लेनदेन डेटा को लगभग वास्तविक समय के बाज़ार संकेतों में बदलता है। यह 70 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं और 5 करोड़ व्यापारियों के डेटा का उपयोग करता है।
- यह प्लेटफॉर्म भारत के 99% डाक कोड को कवर करता है और इसका उद्देश्य बुनियादी ढाँचे की योजना, आर्थिक विश्लेषण तथा शहरी-ग्रामीण विकास में सहायता करना है।

- एकीकृत डेटा को **अनामित** रखा जाएगा, ताकि व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों की पहचान सुरक्षित रहे।

स्टैटिक जीके

- **पीएम गतिशक्ति** एकीकृत बुनियादी ढाँचा योजना और भौगोलिक मानचित्रण से संबंधित है।
- **बीआईएसएजी-एन** सरकारी परियोजनाओं के लिए भौगोलिक और अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों पर काम करता है।

भारत और जापान ने समुद्री सुरक्षा समझौता किया



- भारत और जापान ने अगस्त 2026 में नई दिल्ली में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर समझौता जापान पर हस्ताक्षर किए।
- इस समझौते के तहत भारतीय नौसेना और जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के बीच समुद्री सुरक्षा, परिचालन समन्वय और लॉजिस्टिक्स सहायता के क्षेत्र में सहयोग स्थापित किया गया।
- सहयोग में समुद्री क्षेत्र की जागरूकता, खोज एवं बचाव, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत, नौसैनिक अभ्यास, जहाजों की यात्राएँ और कार्मिकों का आदान-प्रदान शामिल हैं।
- दोनों पक्षों ने समुद्र के नीचे बारूदी सुरंगों से निपटने और जहाज मरम्मत व्यवस्था पर भी काम करने पर सहमति जताई।
- भारत और जापान ने मेक इन इंडिया के तहत नौसैनिक जहाज निर्माण और डिजाइन के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की।
- यह समझौता स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की रूपरेखा तथा समुद्री स्थिरता को समर्थन देता है।

स्टैटिक जीके

- भारत और जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ **क्वाड** के सदस्य हैं।
- **महासागर** भारत के समुद्री सहयोग और सुरक्षा संबंधी दृष्टिकोण से जुड़ा है।
- **जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स** जापान के सेल्फ-डिफेंस फोर्स की नौसैनिक शाखा है।

नई दिल्ली में दूसरे भारत ग्रीन हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन



- भारतीय उद्योग परिसंघ ने जुलाई 2026 में नई दिल्ली में दूसरे भारत ग्रीन हाइड्रोजन शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन “भारत को वैश्विक हाइड्रोजन केंद्र के रूप में स्थापित करना” विषय के साथ किया।
- इस शिखर सम्मेलन में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं तथा हरित ऊर्जा विशेषज्ञों ने ग्रीन हाइड्रोजन के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।
- सम्मेलन का मुख्य फोकस घरेलू इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण का विस्तार, एकीकृत ग्रीन हाइड्रोजन केंद्रों की स्थापना तथा बंदरगाह अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने पर रहा।
- इसमें ग्रीन हाइड्रोजन को वैश्विक स्तर पर लागत-प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नवोन्मेषी वित्तपोषण व्यवस्था और नियामक ढांचे पर भी विचार-विमर्श किया गया।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येस्सो नाइक ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

स्टैटिक जीके

- भारतीय उद्योग परिसंघ की स्थापना 1927 में घनश्याम दास बिड़ला और पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास ने की थी।
- भारतीय उद्योग परिसंघ का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत 2023 में की गई थी।

यूनेस्को की 48वीं विश्व धरोहर समिति का सत्र बुसान में संपन्न हुआ

- यूनेस्को की 48वीं विश्व धरोहर समिति का सत्र 19 से 29 जुलाई 2026 तक बुसान, दक्षिण कोरिया में आयोजित किया गया।



- समिति ने 25 नए स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया। कोमोरोस, साओ टोमे और प्रिंसिपे तथा दक्षिण सूडान को पहली बार विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला।
- समिति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विरासत संरक्षण के प्रयासों को मजबूत करने के लिए बुसान घोषणा को अपनाया।
- लेबनान के टायर और फिलिस्तीन के सेबास्तिया को खतरे में विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया।

स्टैटिक जीके

- यूनेस्को का मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है।
- विश्व धरोहर सम्मेलन 1972 में अपनाया गया था।
- विश्व धरोहर समिति में 21 सदस्य देश होते हैं।
- भारत में 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं।

जयपुर में 16वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई



- भारत ने 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत जयपुर में 16वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की और इसे संपन्न किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की।

- सदस्य देशों ने जयपुर सहमति और मार्गदर्शक सिद्धांतों को अपनाया, ताकि नकदी प्रवाह आधारित ऋण व्यवस्था में सुधार हो और MSME के लिए वैश्विक व्यापार वित्त की कमी को दूर किया जा सके।
- बैठक में वैश्विक मूल्य शृंखला कार्य योजना 2026–2030 को अपनाया गया, जिसका उद्देश्य मजबूत, समावेशी और विविध वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ विकसित करना है।
- चर्चा में विश्व व्यापार संगठन (WTO) में विकासशील देशों के लिए विशेष और विभेदक व्यवहार को बनाए रखने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा और किसानों की आजीविका की रक्षा पर जोर दिया गया।

स्टैटिक जीके

- मूल ब्रिक्स सदस्य देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका थे।
- पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2009 में येकातेरिनबर्ग, रूस में आयोजित हुआ था।
- न्यू डेवलपमेंट बैंक का मुख्यालय शंघाई, चीन में है।
- विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1 जनवरी 1995 को हुई थी।

भारत ने 8वें ब्रिक्स युवा ऊर्जा सम्मेलन की मेजबानी की



- भारत ने अगस्त 2026 में अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 8वें ब्रिक्स युवा ऊर्जा सम्मेलन की वर्चुअल मेजबानी की, जिसमें ब्रिक्स सदस्य देशों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- सम्मेलन की थीम “लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण” थी, जबकि ऊर्जा ट्रैक की थीम “सर्वेषां ऊर्जम्”, यानी “सभी के लिए ऊर्जा” थी।
- 20 से अधिक युवा पैनेलिस्टों ने ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता, ऊर्जा की पहुँच और समानता तथा प्रौद्योगिकी और नवाचार पर चर्चा की।
- चर्चाओं में ऊर्जा मिश्रण में विविधता, लचीली आपूर्ति शृंखलाएँ, नवोन्मेषी वित्तपोषण और ऊर्जा प्रणालियों का डिजिटलीकरण शामिल रहे।
- भारत ने पीएम-कुसुम, पीएम सूर्य घर और स्मार्ट ग्रिड एवं ऊर्जा भंडारण पर ब्रिक्स डिजिटल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस को प्रमुखता से प्रस्तुत किया।
- इसके बाद गांधीनगर में ब्रिक्स युवा परिषद की बैठक और युवा सम्मेलन आयोजित हुआ, जबकि ब्रिक्स युवा मंत्रियों की बैठक विशाखापत्तनम में आयोजित की जानी थी।

स्टैटिक जीके

- ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं।
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसका मुख्यालय गुरुग्राम, हरियाणा में है।
- इरेना नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित नीतियों और उनके कार्यान्वयन पर काम करता है।
- पीएम-कुसुम कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग से संबंधित है।

तमिलनाडु में 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक आयोजित हुई



- 31वीं दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक अगस्त 2026 में तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पास कोवलम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुरू हुई।
- दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और पुडुचेरी शामिल हैं।
- बैठक में कावेरी और कृष्णा जल विवाद, प्रस्तावित मेकेदातु बाँध, मुल्लापेरियार बाँध की सुरक्षा और अन्य अंतरराज्यीय मुद्दों पर चर्चा हुई।
- परिसीमन के संदर्भ में कर्नाटक ने 1971 की जनगणना के आधार पर अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की 543 सीटों की संख्या बनाए रखने का प्रस्ताव रखा।
- तमिलनाडु ने कर्नाटक के पास सीमा पर तीन तमिल लोगों की गोलीबारी में मौत को लेकर भी चिंता जताई।

स्टैटिक जीके

- क्षेत्रीय परिषदों का गठन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत किया गया था।
- भारत में कुल पाँच क्षेत्रीय परिषदें हैं।
- क्षेत्रीय परिषदें केंद्र-राज्य और अंतरराज्यीय समन्वय को बढ़ावा देने वाली सलाहकारी संस्थाएँ हैं।



नाविकों की आपूर्ति में भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश



- भारत 2026 में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नाविक आपूर्तिकर्ता देश बन गया। वैश्विक समुद्री कार्यबल में 3,11,936 भारतीय नाविक कार्यरत हैं।
- बीआईएमसीओ-आईसीएस नाविक कार्यबल रिपोर्ट 2026 के अनुसार, वैश्विक नाविक कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी 12.16% रही और फिलीपींस के बाद भारत दूसरे स्थान पर रहा।
- भारत ने 1,40,718 जहाज अधिकारी तथा 1,71,218 नाविक कर्मी उपलब्ध कराए, जिससे वैश्विक समुद्री कार्यबल में उसका महत्वपूर्ण योगदान रहा।
- वैश्विक नाविक कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी 2015 के 5.2% से बढ़कर 2026 में 12.16% हो गई।
- भारत सरकार प्रशिक्षण, जहाजों पर रोजगार के अवसर तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार के माध्यम से वैश्विक नाविक कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी 20% तक पहुंचाने के लिए 'मिशन 20%' पर कार्य कर रही है।
- भारतीय नाविकों की संख्या 2010 के 62,267 से बढ़कर 2025 में 3,23,429 हो गई, जबकि महिला नाविकों की संख्या 2025 में 7,000 से अधिक हो गई।
- 2025 में लगातार तीसरे वर्ष भी भारतीय नाविक दुनिया में सबसे अधिक परित्यक्त चालक दल रहे। विश्वभर में 6,223 परित्यक्त नाविकों में 1,125 भारतीय नाविक शामिल थे।

स्टैटिक जीके

- फिलीपींस दुनिया में नाविकों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश है।
- बीआईएमसीओ-आईसीएस नाविक कार्यबल रिपोर्ट वैश्विक समुद्री कार्यबल से संबंधित आँकड़े प्रकाशित करती है।

वैज्ञानिक खदान बंदी पर कोयला मंत्रालय ने 'आरोह' रिपोर्ट जारी की



- कोयला मंत्रालय ने जुलाई 2026 में वैज्ञानिक खदान बंदी, पारिस्थितिकीय पुनर्स्थापन तथा भूमि के पुनः उपयोग पर आधारित भारत की पहली 'आरोह' रिपोर्ट जारी की।
- इस रिपोर्ट में 42 कोयला खदानों की वैज्ञानिक बंदी का दस्तावेजीकरण किया गया है, जिनमें पिछले वर्ष पूरी की गई 33 खदानें भी शामिल हैं। इसमें दृश्य अध्ययन तथा क्यूआर कोड से जुड़े वीडियो भी दिए गए हैं।
- भविष्य की भूमि पुनर्वास परियोजनाओं के लिए ₹40,000 करोड़ से अधिक का समर्पित कोष प्रस्तावित किया गया है, जिसमें 25% राशि स्थानीय समुदायों के विकास के लिए आरक्षित रहेगी।
- भारत ने 2030 तक खदानों के पुनः उपयोग के लिए तकनीकी सहयोग हेतु जर्मनी की जर्मन अंतरराष्ट्रीय सहयोग संस्था के साथ 1 करोड़ यूरो के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- कोयला मंत्रालय ने 'रीक्लेम', 'लाइव्स' और 'सुविकल्प' रूपरेखाएँ प्रस्तुत कीं तथा कोल नीर जल शुद्धिकरण संयंत्रों का उद्घाटन भी किया।

स्टैटिक जीके

- भारत में प्रमुख कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण 1973 में किया गया था।
- कोयला मंत्रालय का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट: 2025 में वैश्विक भूख में मामूली कमी

- विश्व खाद्य सुरक्षा एवं पोषण स्थिति रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2025 में लगातार तीसरे वर्ष वैश्विक भूख में मामूली कमी दर्ज की गई।



- 2025 में विश्व की 7.8% आबादी, अर्थात लगभग 64.5 करोड़ लोग, भूख से प्रभावित रहे। हालांकि, 2030 तक शून्य भूख के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह प्रगति अभी पर्याप्त नहीं मानी गई।
- पहली बार अफ्रीका ने एशिया को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक भूख से प्रभावित लोगों वाला क्षेत्र बनने का स्थान प्राप्त किया, जहाँ 30.9 करोड़ लोग प्रभावित थे।
- लगभग 210 करोड़ लोगों को मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा, जबकि विश्व की लगभग एक-तिहाई आबादी पौष्टिक आहार का खर्च वहन नहीं कर सकी।
- संघर्ष, चरम मौसम की घटनाएँ, खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि तथा विकास सहायता और मानवीय सहायता में कटौती को भविष्य की प्रगति के लिए प्रमुख चुनौतियाँ बताया गया।

स्टैटिक जीके

- यह रिपोर्ट खाद्य एवं कृषि संगठन, अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, विश्व खाद्य कार्यक्रम तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से जारी की जाती है।
- सतत विकास लक्ष्य-2 का उद्देश्य 2030 तक भूख समाप्त करना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- खाद्य एवं कृषि संगठन तथा विश्व खाद्य कार्यक्रम का मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।

हेनले पासपोर्ट सूचकांक में भारत 81वें स्थान पर



- हेनले पासपोर्ट सूचकांक की नवीनतम रैंकिंग में भारत 75वें स्थान से फिसलकर 81वें स्थान पर पहुंच गया।
- भारतीय पासपोर्ट धारकों को दुनिया के 55 देशों में वीजा-मुक्त या आगमन पर वीजा की सुविधा प्राप्त है।
- सिंगापुर ने 192 देशों में वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा के साथ दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट का स्थान बरकरार रखा।
- जापान, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात 188 देशों में वीजा-मुक्त प्रवेश की सुविधा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।
- यह रैंकिंग वैश्विक आवागमन नीतियों, वीजा व्यवस्थाओं तथा अंतरराष्ट्रीय समझौतों में हुए बदलावों को दर्शाती है।

स्टैटिक जीके

- हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2006 से अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ के विशेष आँकड़ों के आधार पर तैयार किया जाता है।
- अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ का मुख्यालय मॉन्ट्रियल, क्यूबेक (कनाडा) में स्थित है।
- सिंगापुर की मुद्रा सिंगापुर डॉलर है।

नीति आयोग ने वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक 2026 जारी किया



- नीति आयोग ने वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2023-24 के आँकड़ों के आधार पर राज्यों के वित्तीय स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक 2026 जारी किया।
- रिपोर्ट में बढ़ते राजस्व घाटे वाले राज्यों को व्यय पर नियंत्रण रखने तथा ऋण की स्थिरता के लिए स्थानीय राजस्व स्रोतों को मजबूत करने की सलाह दी गई।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 के वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक में ओडिशा प्रथम स्थान पर रहा। इसके बाद गोवा, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश का स्थान रहा।
- बिहार और तेलंगाना ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में अपने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार किया।
- पंजाब, पश्चिम बंगाल और केरल इस सूचकांक में सबसे निचले स्थानों पर रहे।
- वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक 2026 नीति आयोग द्वारा जारी किया गया।

पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2026 में एस्टोनिया प्रथम, भारत 176वें स्थान पर



- पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2026 में 177 देशों में एस्टोनिया प्रथम और भारत 176वें स्थान पर रहा।
- इस सूचकांक में जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वायु गुणवत्ता तथा पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति सहित 12 पर्यावरणीय श्रेणियों के अंतर्गत 47 संकेतकों के आधार पर देशों का मूल्यांकन किया गया।
- भारत को 22.46 अंक प्राप्त हुए और वह केवल लाओस से ऊपर रहा, जो वायु गुणवत्ता, जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों को दर्शाता है।
- यह सूचकांक येल विश्वविद्यालय और कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा मैककॉल मैकबेन फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया गया।
- भारत ने पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक की पिछली रैंकिंग में अपनाई गई कार्यप्रणाली पर अपनी चिंताओं को दोहराया।

स्टैटिक जीके

- प्रथम स्थान: एस्टोनिया
- शामिल देश: 177
- जारीकर्ता: येल विश्वविद्यालय और कोलंबिया विश्वविद्यालय

भारत ने जीवाश्म ईंधन रहित विद्युत उत्पादन क्षमता में 300 गीगावाट का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल किया



- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि भारत ने जुलाई 2026 में गैर-जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन की स्थापित क्षमता 300 गीगावाट का आंकड़ा पार कर लिया, जो 300.50 गीगावाट तक पहुंच गई। यह 2030 के 500 गीगावाट के लक्ष्य का 60% से अधिक है।
- इस क्षमता में 164.59 गीगावाट सौर ऊर्जा, 58.14 गीगावाट पवन ऊर्जा, 57.24 गीगावाट जल ऊर्जा, 11.75 गीगावाट जैव-ऊर्जा और 8.78 गीगावाट परमाणु ऊर्जा शामिल है।
- गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों का भारत की कुल लगभग 552 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता में 54% से अधिक का योगदान है।
- 2025-26 के दौरान, भारत ने गैर-जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन की रिकॉर्ड 55.29 गीगावाट क्षमता जोड़ी, जिसमें 44.6 गीगावाट सौर ऊर्जा और 6 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है।
- नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन 2014-15 में 190.96 बिलियन यूनिट से बढ़कर 2025-26 में 477.79 बिलियन यूनिट हो गया।
- सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के लिए स्वीकृत मॉडल और निर्माताओं की सूची 200 गीगावाट को पार कर गई, जबकि 2014 में यह 2.3 गीगावाट थी।
- राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन ने औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देने और हरित हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्न उत्पादों के लिए एक वैश्विक केंद्र विकसित करने के भारत के प्रयासों का समर्थन किया।

स्टैटिक जीके

- भारत सरकार ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता 500 गीगावाट हासिल करने का लक्ष्य रखा है।
- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत में नवीकरणीय ऊर्जा विकास को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।
- उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल के घरेलू निर्माण को समर्थन देती है।
- राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य भारत में हरित हाइड्रोजन उत्पादन और उसके उत्पादों का विकास करना है।

ग्रेट बैरियर रीफ का प्रवाल आवरण पुनः स्वस्थ हो गया।



- उत्तरी ग्रेट बैरियर रीफ में कठोर प्रवाल आवरण 2025 के रिकॉर्ड निचले स्तर 30% से बढ़कर 2026 में 35.1% हो गया।

- मध्य क्षेत्र में, कठोर प्रवाल आवरण 28.6% से बढ़कर 31.6% हो गया, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में यह 26.9% से घटकर 26.4% हो गया।
- ऑस्ट्रेलियाई समुद्री विज्ञान संस्थान ने अगस्त 2026 में अपना 2025/26 दीर्घकालिक निगरानी कार्यक्रम वार्षिक सारांश रिपोर्ट जारी किया।
- सर्वेक्षण में 121 प्रवाल भित्तियों को शामिल किया गया, जिनमें से 56% प्रवाल भित्तियों पर प्रवाल आवरण अपरिवर्तित रहा, 28% पर बढ़ा और 16% पर घटा।
- 2026 की शुरुआत में ग्रीष्मकालीन मानसून के बाद बादल छा गए और समुद्र का तापमान ठंडा हो गया, जिससे प्रवाल पर गर्मी का दबाव कम हुआ।
- जलवायु परिवर्तन, चक्रवात और क्राउन-ऑफ-थॉर्न्स स्टारफिश के प्रकोप से प्रवाल भित्तियों के स्वास्थ्य पर दबाव बना रहा।

स्टैटिक जीके

- ग्रेट बैरियर रीफ दुनिया का सबसे बड़ा प्रवाल भित्ति तंत्र है और यह ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के तट पर स्थित प्रवाल सागर में फैला हुआ है।
- यह यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है।
- प्रवाल विरंजन तब होता है जब प्रवाल ताप तनाव के कारण जूक्सैन्थेली नामक सहजीवी शैवाल को बाहर निकाल देते हैं।
- ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन साइंस एक वैधानिक ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान निकाय है जो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन करता है।
- क्राउन-ऑफ-थॉर्न्स स्टारफिश प्रवाल के शिकारी होते हैं जो जीवित प्रवाल आवरण को तेजी से कम कर सकते हैं।

कोयंबटूर में हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष चैंपियनशिप का आगाज़



- 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 का आयोजन जुलाई 2026 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में शुरू हुआ।
- हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप भारत की जूनियर पुरुष टीमों के लिए आयोजित होने वाली वार्षिक राष्ट्रीय स्तर की फील्ड हॉकी प्रतियोगिता है।
- इस चैंपियनशिप का आयोजन डिवीजन प्रणाली के तहत किया जाता है, जिसमें टीमों को उनके प्रदर्शन और रैंकिंग के आधार पर विभिन्न समूहों में रखा जाता है।
- इस चैंपियनशिप में 30 टीमों ने भाग लिया और प्रतियोगिता का आयोजन डिवीजन ए, डिवीजन बी तथा डिवीजन सी में किया गया।
- हॉकी इंडिया भारत में हॉकी की राष्ट्रीय खेल महासंघ है।

2026 सत्र के लिए भारतीय पैरा खेल दल का प्रमुख साझेदार बना एसबीआई लाइफ



- एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ समझौता कर 2026 पैरा खेल सत्र के लिए भारतीय पैरा खेल दल का प्रमुख साझेदार बनने की घोषणा की।

- यह साझेदारी पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों के दौरान शुरू हुए एसबीआई लाइफ के सहयोग को आगे बढ़ाती है।
- आधिकारिक जीवन बीमा साझेदार के रूप में एसबीआई लाइफ ग्लासगो में आयोजित होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल पैरा खेलों तथा जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई पैरा खेलों सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले भारतीय दलों का समर्थन करेगा।
- इस साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय सहायता प्रदान करना, समावेशिता को बढ़ावा देना तथा दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए खेल अवसरचना को मजबूत करना है।

स्टैटिक जीके

- भारतीय पैरालंपिक समिति की स्थापना 1992 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस भारतीय स्टेट बैंक और बीएनपी परिबा का संयुक्त उपक्रम है।
- 2026 राष्ट्रमंडल पैरा खेलों का आयोजन ग्लासगो, स्कॉटलैंड में प्रस्तावित है।

अनाहत सिंह बनीं विश्व जूनियर स्कवैश चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय



- भारतीय स्कवैश खिलाड़ी अनाहत सिंह विश्व जूनियर स्कवैश चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।
- 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने कनाडा में आयोजित विश्व जूनियर स्कवैश चैंपियनशिप 2026 के बालिका एकल फाइनल में मिस् की रुक्य्या सालेम को 3-0 से हराया। मैच का स्कोर 11-3, 11-7 और 11-9 रहा।

- इस जीत के साथ अनाहत सिंह ने विश्व जूनियर स्कवैश चैंपियनशिप में भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।
- उनकी इस उपलब्धि की राष्ट्रीय नेताओं ने सराहना की और इसे भारतीय युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया।

स्टैटिक जीके

- विश्व स्कवैश महासंघ का मुख्यालय हेस्टिंग्स, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।
- स्कवैश को पहली बार लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों में शामिल किया जाएगा।
- जोशना चिनप्पा ने 2005 में विश्व जूनियर स्कवैश चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक जीता था।

अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया



- भारत के पूर्व उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की।
- उन्होंने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 एकदिवसीय और 20 ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले तथा 8,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।
- अजिंक्य रहाणे ने 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 2-1 से ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत में भारतीय टीम का नेतृत्व किया।
- उन्हें लॉर्ड्स और मेलबर्न में लगाए गए टेस्ट शतकों तथा शांत नेतृत्व के लिए विशेष पहचान मिली।
- अजिंक्य रहाणे ने “कैप 278, साइनिंग ऑफ” संदेश के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का समापन किया।

स्टैटिक जीके

- भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड की स्थापना दिसंबर 1928 में हुई थी और इसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है।
- अजिंक्य रहाणे भारत के 278वें टेस्ट क्रिकेटर थे।
- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत 1996 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई थी।
- सी. के. नायडू भारत के पहले टेस्ट कप्तान थे।

वैभव सूर्यवंशी टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

- वैभव सूर्यवंशी जुलाई 2026 में हरारे में जिम्बाब्वे के विरुद्ध पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।



- उन्होंने 15 वर्ष 118 दिन की आयु में 19 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर यह उपलब्धि हासिल की।
- उनकी पारी में चार चौके और चार छक्के शामिल रहे तथा उनका स्ट्राइक रेट 263 से अधिक रहा।
- उन्होंने जिब्राल्टर के लुईस ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 वर्ष 56 दिन की आयु में यह उपलब्धि हासिल की थी।
- वैभव सूर्यवंशी आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी तथा भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। इस दौरान उन्होंने सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा के रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का मुख्यालय दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में स्थित है।
- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाती है।

मीराबाई चानू ने लगातार तीसरा राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक जीता



- मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिला 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- उन्होंने कुल 190 किलोग्राम भार उठाकर लगातार तीसरा राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का पहला स्वर्ण पदक दिलाया।
- स्नैच में 85 किलोग्राम भार उठाकर उन्होंने खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया तथा क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम भार उठाकर खिताब अपने नाम किया।

- नाइजीरिया की रूथ असुओको न्यॉन्ग ने रजत पदक, जबकि मलेशिया की आइरीन जेन हेनरी ने कांस्य पदक जीता।
- मीराबाई चानू राष्ट्रमंडल खेलों में चार पदक जीतने वाली भारत की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हो गईं। उनके नाम तीन स्वर्ण और एक रजत पदक हैं।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रमंडल खेल 2026 के मेजबान ग्लासगो, स्कॉटलैंड हैं।
- मीराबाई चानू ने 2014 (रजत), 2018 (स्वर्ण), 2022 (स्वर्ण) और 2026 (स्वर्ण) में राष्ट्रमंडल खेल पदक जीते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा



- भारत 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों में 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक जीते।
- भारत और स्कॉटलैंड दोनों ने 39-39 पदक जीते, लेकिन भारत ने अधिक रजत पदक (17) जीते, जबकि स्कॉटलैंड के खाते में 9 रजत पदक रहे। इसलिए भारत चौथे स्थान पर रहा।
- मुक्केबाजी भारत का सबसे सफल खेल रहा, जिसमें भारत ने 7 स्वर्ण और 3 रजत सहित कुल 10 पदक जीते।
- भारोत्तोलन ने 8 पदक दिलाए, जबकि एथलेटिक्स और पैरा-एथलेटिक्स ने मिलकर 16 पदक जीते। जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 पदक मिला।
- मीराबाई चानू ने महिलाओं की 48 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और लगातार तीन राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
- अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने जूडो में स्वर्ण पदक जीते, जबकि तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में डेकाथलॉन पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।
- गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर में रजत और 5,000 मीटर में कांस्य पदक जीता। वह एक ही राष्ट्रमंडल खेलों में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बने।
- राष्ट्रमंडल खेल जुलाई से अगस्त 2026 तक ग्लासगो, स्कॉटलैंड में आयोजित हुए और प्रतियोगिता 2 अगस्त 2026 को समाप्त हुई।

स्वर्ण पदक विजेता	रजत पदक विजेता	कांस्य पदक विजेता
मीराबाई चानू — भारोत्तोलन, महिला 48 किग्रा	रिशिकांता सिंह — भारोत्तोलन, पुरुष 60 किग्रा	इंद्र कुमार — पैरा पावरलिफ्टिंग, पुरुष हेवीवेट
शर्मिला धनकर — पैरा-एथलेटिक्स, महिला शॉट पुट F57	मुथुपांडी राजा — भारोत्तोलन, पुरुष 65 किग्रा	बिंद्यारानी देवी — भारोत्तोलन, महिला 58 किग्रा
दिलीप गावित — पैरा-एथलेटिक्स, पुरुष 100 मीटर T47	ज्ञानेश्वरी यादव — भारोत्तोलन, महिला 53 किग्रा	शिल्पा के. शायला — पैरा-एथलेटिक्स, महिला शॉट पुट F57
अस्मिता डे — जूडो, महिला -48 किग्रा	सर्वेश कुशारे — एथलेटिक्स, पुरुष हाई जंप	सीमा कालिरमाना — एथलेटिक्स, महिला डिस्कस थ्रो
हर्ष सिंह — जूडो, पुरुष -60 किग्रा	वल्लुरी अजया बाबू — भारोत्तोलन, पुरुष 79 किग्रा	तेजस्विन शंकर — एथलेटिक्स, पुरुष डेकाथलॉन
प्रीति पवार — मुक्केबाजी, महिला 54 किग्रा	हरजिंदर कौर — भारोत्तोलन, महिला 69 किग्रा	यश वीर सिंह — एथलेटिक्स, पुरुष जैवलिन थ्रो
जैस्मीन लाम्बोरिया — मुक्केबाजी, महिला 57 किग्रा	गुलवीर सिंह — एथलेटिक्स, पुरुष 10,000 मीटर	सेल्वा प्रभु — एथलेटिक्स, पुरुष ट्रिपल जंप
साक्षी चौधरी — मुक्केबाजी, महिला 51 किग्रा	मुरली श्रीशंकर — एथलेटिक्स, पुरुष लॉन्ग जंप	उन्नति शर्मा — जूडो, महिला -63 किग्रा

प्रिया घंघस — मुक्केबाजी, महिला 60 किग्रा	मोहम्मद बासिल — पैरा-एथलेटिक्स, पुरुष 100 मीटर T47	गुलवीर सिंह — एथलेटिक्स, पुरुष 5,000 मीटर
अरुंधति चौधरी — मुक्केबाजी, महिला 70 किग्रा	लवप्रीत सिंह — भारोत्तोलन, पुरुष +110 किग्रा	—
सोमन राणा — पैरा-एथलेटिक्स, पुरुष शॉट पुट F57	यामिनी मौर्या — जूडो, महिला -57 किग्रा	—
सचिन सिवाच — मुक्केबाजी, पुरुष 60 किग्रा	नीरज चोपड़ा — एथलेटिक्स, पुरुष जैवलिन थ्रो	—
अंकुश पंधाल — मुक्केबाजी, पुरुष 80 किग्रा	प्रवीण चित्रवेल — एथलेटिक्स, पुरुष ट्रिपल जंप	—
—	जदुमणि सिंह — मुक्केबाजी, पुरुष 55 किग्रा	—
—	शुभम जुयाल — पैरा-एथलेटिक्स, पुरुष शॉट पुट F57	—
—	लवलीना बोरगोहेन — मुक्केबाजी, महिला 75 किग्रा	—
—	नरेंद्र बरवाल — मुक्केबाजी, पुरुष +90 किग्रा	—

स्टैटिक जीके

- ग्लासगो स्कॉटलैंड का सबसे बड़ा शहर है और यह क्लाइड नदी के किनारे स्थित है।
- 2030 के राष्ट्रमंडल खेल गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित हुआ



- एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड में किया गया।
- इस टूर्नामेंट में नया प्रारूप अपनाया गया, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों की प्रतियोगिताएँ एक साथ आयोजित की गईं। इसमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमों शामिल हुईं।
- मैच एमस्टेलवीन, नीदरलैंड और वावरे, बेल्जियम में आयोजित किए गए।
- भारतीय पुरुष टीम को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया, जबकि महिला टीम को पूल डी में चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया।

- भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में वेल्स के खिलाफ मुकाबला निर्धारित था, जबकि महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में चीन के खिलाफ मुकाबला निर्धारित था।

स्टैटिक जीके

- नीदरलैंड और बेल्जियम पश्चिमी यूरोप में स्थित देश हैं।
- एमस्टेलवीन नीदरलैंड का एक शहर है, जबकि वावरे बेल्जियम का एक शहर है।

अश्विनी चालिहा ने पहला कोरिया मास्टर्स खिताब जीता



- भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्विनी चालिहा ने महिला एकल वर्ग में कोरिया मास्टर्स 2026 में अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता।
- फाइनल में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त चीन की हान कियान शी को 14-21, 21-14, 21-14 से 53 मिनट में हराया।
- इस जीत के साथ, अश्विनी किसी भी वर्ग में कोरिया मास्टर्स खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।
- BWF सुपर 300 टूर्नामेंट में यह जीत हासिल करने के बाद उन्होंने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी की और अंतिम दो गेमों में शानदार प्रदर्शन किया।

स्टैटिक जीके

- BWF मुख्यालय: कुआलालंपुर, मलेशिया.
- थॉमस कप: 1949 में स्थापित।
- उबर कप: 1957 में स्थापित।

मैग्नस कार्लसन ने ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप का शतरंज खिताब बरकरार रखा



- विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने पेरिस में आयोजित ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप शतरंज 2026 का खिताब जीतकर लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट में जीत दर्ज की।
- टीम लिक्विड का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्लसन ने बेलारूस के ग्रैंडमास्टर डेनिस लाज़ाविक को सेटों में 2-0 से हराया। दोनों सेटों का परिणाम 3-1 रहा।
- कार्लसन पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उन्होंने एक भी गेम नहीं गंवाया।
- उन्होंने 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की प्रथम पुरस्कार राशि और टीम लिक्विड के लिए 1,000 क्लब चैंपियनशिप अंक जीते।
- अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा ने टीम फाल्कन्स के अलीरेज़ा फिरोज़जा को 4-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

स्टैटिक जीके

- फिडे मुख्यालय: लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड।
- भारत के पहले ग्रैंडमास्टर: विश्वनाथन आनंद 1988 में भारत के पहले ग्रैंडमास्टर बने।

- शतरंज की बिसात: इसमें 64 खाने होते हैं, जिनमें 32 हल्के और 32 गहरे रंग के खाने होते हैं।

विग्नेश वेमुला और सारण्या देवी नरहरि ने एशियाई जूनियर ब्लिट्ज खिताब जीते



- भारतीय शतरंज खिलाड़ियों विग्नेश अद्वैत वेमुला और सारण्या देवी नरहरि ने एशियाई जूनियर ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2026 में ओपन और गर्ल्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।
- चैंपियनशिप का आयोजन महाराष्ट्र चेस एसोसिएशन ने मुंबई के आईटीसी मराठा में किया।
- विग्नेश वेमुला ने 7 राउंड में 6 अंक हासिल कर ओपन वर्ग का खिताब जीता।
- सारण्या देवी नरहरि ने 7 राउंड में 6.5 अंक हासिल कर गर्ल्स वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया।
- 7 राउंड की स्विस् प्रणाली वाली इस प्रतियोगिता में प्रत्येक खिलाड़ी को 3 मिनट का समय दिया गया था और हर चाल के बाद 2 सेकंड का समय जोड़ा गया।

स्टैटिक जीके

- एआईसीएफ अध्यक्ष: नितिन नरंग।
- एशियन चेस फेडरेशन मुख्यालय: अल ऐन, संयुक्त अरब अमीरात।
- भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर: एस. विजयलक्ष्मी 2001 में भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर बनीं।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रोमानिया के एएसई विश्वविद्यालय ने मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया



- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रोमानिया की राजकीय यात्रा के दौरान बुखारेस्ट आर्थिक अध्ययन विश्वविद्यालय ने मानद डॉक्टरेट (डॉक्टर होनोरिस कॉज़ा) की उपाधि से सम्मानित किया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह सम्मान भारत की जनता की ओर से स्वीकार किया और इसे भारत-रोमानिया की मजबूत मित्रता का प्रतीक बताया।
- उन्होंने शिक्षा की सामुदायिक विकास में भूमिका पर बल दिया तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नैतिक मार्गदर्शन की आवश्यकता पर जोर दिया।
- उन्होंने संयुक्त अनुसंधान, विद्यार्थी आदान-प्रदान तथा भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण अवसरों के विस्तार के माध्यम से शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया।
- उन्होंने भारत-रोमानिया के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए रवीन्द्रनाथ टैगोर की एक शताब्दी पहले बुखारेस्ट यात्रा को भी याद किया।

स्टैटिक जीके

- रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट है।
- रोमानिया की मुद्रा रोमानियाई ल्यू है।
- भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल अनुच्छेद 56 के तहत 5 वर्ष का होता है।
- भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम की शुरुआत 1964 में हुई थी।

अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम को 2026 का कॉसपार विक्रम साराभाई पदक मिला



- भारतीय खगोल भौतिक विज्ञानी अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम को अंतरिक्ष अनुसंधान में योगदान के लिए 2026 का कॉसपार विक्रम साराभाई पदक मिला।
- इस पुरस्कार की घोषणा अगस्त 2026 में फ्लोरेंस, इटली में आयोजित 46वीं कॉसपार वैज्ञानिक सभा में की गई।
- वह यह पदक प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला और चौथी भारतीय वैज्ञानिक बनीं। साथ ही, वह यह सम्मान पाने वाली दुनिया की तीसरी महिला वैज्ञानिक हैं।
- सुब्रमण्यम भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान और नैनो एवं सॉफ्ट मैटर विज्ञान केंद्र, बेंगलुरु की निदेशक रह चुकी हैं।
- उनके शोध का क्षेत्र तारकीय आबादी, तारागुच्छ, तारकीय विकास और आकाशगंगा का विकास रहा है।
- कॉसपार विक्रम साराभाई पदक की शुरुआत 1990 में हुई थी। यह कॉसपार और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकासशील देशों के वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है।
- यह पुरस्कार मुख्य रूप से उस वैज्ञानिक कार्य के लिए दिया जाता है, जो पुरस्कार प्रदान किए जाने वाली कॉसपार वैज्ञानिक सभा से पहले के पाँच वर्षों के दौरान किया गया हो।
- अन्य भारतीय पुरस्कार विजेता यू. आर. राव (1996), गुरुबक्स सिंह लखिना (2014) और अनिल भारद्वाज (2024) हैं।

स्टैटिक जीके

- कॉसपार की स्थापना 1958 में हुई थी और यह अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद से संबद्ध है।

- कांसपार वैज्ञानिक सभा हर दो वर्ष में आयोजित की जाती है।
- विक्रम साराभाई को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है।
- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान का मुख्यालय बेंगलुरु में है।

आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर कार्तिकेयन लंका को नासी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2026



- आईआईटी बॉम्बे के एसोसिएट प्रोफेसर कार्तिकेयन लंका को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण योगदान के लिए नासी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2026 के लिए चुना गया।
- वह आईआईटी बॉम्बे के संसाधन इंजीनियरिंग अध्ययन केंद्र और जलवायु अध्ययन के अंतर्विषयक कार्यक्रम में कार्यरत हैं।
- उनके शोध का मुख्य क्षेत्र स्थलीय प्रक्रियाओं का दूरसंवेदी अध्ययन, भूमि-वायुमंडल अंतःक्रिया और कृषि सूखा है।
- यह पुरस्कार दिसंबर 2026 में वाराणसी स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित नासी के 96वें वार्षिक सत्र के दौरान प्रदान किया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- नासी की स्थापना 1930 में हुई थी। यह भारत की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी है और इसका मुख्यालय प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में है।
- आईआईटी बॉम्बे की स्थापना 1958 में मुंबई के पवई में हुई थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार प्रदान किए



- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के दौरान संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार 2025 प्रदान किए।

- कुल 22 उत्कृष्ट बुनकरों को सम्मानित किया गया, जिनमें संत कबीर हथकरघा पुरस्कार के तीन विजेता शामिल थे।
- केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह और वस्त्र राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिता भी समारोह में उपस्थित रहे।
- राष्ट्रपति मुर्मू ने पारंपरिक हथकरघा कला को आधुनिक डिजाइनों, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं और मजबूत ब्रांडिंग से जोड़ने पर जोर दिया।
- उन्होंने कहा कि हथकरघा क्षेत्र युवाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हर वर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है।
- 7 अगस्त 1905 में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत का प्रतीक है।
- संत कबीर हथकरघा पुरस्कार भारत में हथकरघा बुनकरों को दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है।

राष्ट्रपति ने 2024 और 2025 के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए



- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अगस्त 2026 में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 2024 और 2025 के लिए संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप और पुरस्कार प्रदान किए।
- इन सम्मानों के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के उन कलाकारों को सम्मानित किया गया जिन्होंने संगीत, नृत्य, रंगमंच, कठपुतली और लोक परंपराओं में योगदान दिया है।
- सात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप से सम्मानित किया गया, जिसे अकादमी रत्न के नाम से भी जाना जाता है और यह अकादमी का सर्वोच्च सम्मान है।
- ये सात फैलोशिप प्राप्तकर्ता रामलाल बारेश, ए वी आनंद, रीता गांगुली, पुरु दाधीच, चित्तरंजन ज्योतिषी, पसुमार्थी रतैया शर्मा और सुधरानी रघुपाथी थे।
- 2024 और 2025 के संयुक्त अकादमी पुरस्कारों के लिए कुल 115 कलाकारों का चयन किया गया, जिन्हें अकादमी पुरस्कार के नाम से भी जाना जाता है।
- पुरस्कार पाने वालों में हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत, भरतनाट्यम, कथक, रंगमंच, कठपुतली, नौटंकी, संबलपुरी और कालबेलिया जैसी विधाएँ शामिल थीं।

- प्रत्येक अकादमी फेलो को ₹3 लाख, एक ताम्रपत्र और एक अंगवस्त्रम प्राप्त हुआ, जबकि प्रत्येक अकादमी पुरस्कार विजेता को ₹1 लाख के साथ एक ताम्रपत्र और एक अंगवस्त्रम दिया गया।
- संगीत नाटक अकादमी भारत की संगीत, नृत्य और नाटक की राष्ट्रीय अकादमी के रूप में कार्य करती है और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए कार्यक्रम चलाती है।

स्टैटिक जीके

- संगीत नाटक अकादमी की स्थापना 1953 में भारत की राष्ट्रीय संगीत, नृत्य और नाटक अकादमी के रूप में हुई थी।
- अकादमी रत्न संगीत नाटक अकादमी का सर्वोच्च सम्मान है।
- कालबेलिया राजस्थान से जुड़ी एक लोक नृत्य परंपरा है।
- संगीत नाटक अकादमी का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

शुभादा वरदकर को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला



- ओडिसी नृत्यांगना शुभादा वरदकर को अगस्त 2026 में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 2025 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- इस पुरस्कार में 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, ताम्रपत्र और अंगवस्त्रम शामिल थे।
- शुभादा वरदकर मुंबई में रहने वाली ओडिसी नृत्यांगना और अर्थशास्त्र की पूर्व प्रोफेसर हैं, जिन्होंने गुरु केलुचरण मोहपात्रा की कार्यशाला में भाग लेने के बाद ओडिसी नृत्य सीखा।
- उन्होंने मराठी आत्मकथात्मक पुस्तक 'मयूरपंख' और अंग्रेजी पुस्तक 'द सेलेस्टियल प्लम' लिखी है।

स्टैटिक जीके

- संगीत नाटक अकादमी की स्थापना 1953 में संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारत की राष्ट्रीय संगीत, नृत्य और नाटक अकादमी के रूप में हुई थी।
- संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, जिसे अकादमी पुरस्कार भी कहा जाता है, प्रदर्शन कलाओं में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
- ओडिसी भारत के आठ शास्त्रीय नृत्य रूपों में से एक है और इसकी उत्पत्ति ओडिशा में हुई थी।
- ओडिसी अपनी त्रिभंग मुद्रा, सहज धड़ की गति और कलात्मक हस्त मुद्राओं के लिए प्रसिद्ध है।

तीन भारतीयों ने लीबिया में स्काईडाइविंग करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया



- अगस्त 2026 में, संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले तीन भारतीय स्काईडाइवरों ने लीबिया के बेंगाजी शहर के ऊपर एक साथ स्काईडाइव करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- इस छलांग में 38 देशों के 65 स्काईडाइवर शामिल थे, जिन्होंने 13,000 फीट की ऊंचाई पर एक ही सैन्य इल्युमिनेशन आईएल-76टीडी विमान से छलांग लगाई।
- भारतीय प्रतिभागियों में केरल के जमशीर थानालोट, उत्तर प्रदेश के अभिषेक रावत और बिहार की ईशा राज शामिल थे।
- तीनों ने छलांग के दौरान भारतीय तिरंगा फहराया और समूह के सभी सदस्यों को मिलाकर 1,500 से अधिक छलांगों का अनुभव था।
- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने अगस्त 2026 में इस उपलब्धि को एक ही विमान से एक साथ राष्ट्रीय ध्वज लेकर छलांग लगाने वाले सबसे अधिक स्काईडाइवरों के रूप में सत्यापित किया।

स्टैटिक जीके

- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की स्थापना 1955 में हुई थी और यह खेल, विज्ञान, प्रकृति और अन्य क्षेत्रों में मापनीय उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण करता है।
- बेंगाजी पूर्वी लीबिया का एक प्रमुख शहर और साइरेनाइका क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण शहर है।

भारतीय भौतिक विज्ञानी दीपक धर को 2026 का डिराक मेडल प्राप्त हुआ

- प्रख्यात भारतीय सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर दीपक धर को सांख्यिकीय यांत्रिकी और जटिल प्रणालियों में उनके मौलिक योगदान के लिए अंतराष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र द्वारा 2026 का डिराक पदक प्रदान किया गया।
- उन्होंने यह पुरस्कार बर्नार्ड डेरिडा, किरोन मल्लिक और हर्बर्ट स्पॉन के साथ साझा किया।



- प्रोफेसर धर INSA के विशिष्ट प्रोफेसर हैं और इससे पहले टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च और IISER पुणे में संकाय सदस्य के रूप में कार्यरत थे।
- वे ई. सी. जॉर्ज सुदर्शन के बाद डिराक पदक प्राप्त करने वाले दूसरे भारतीय भौतिक विज्ञानी बने, जिन्हें 2010 में यह पदक प्राप्त हुआ था।

स्टैटिक जीके

- ICTP डिराक मेडल की स्थापना 1985 में हुई थी।
- ICTP का मुख्यालय इटली के ट्रिएस्टे में स्थित है।

दो मुंबई के डॉक्टरों को निशान-ए-इम्तियाज़ के लिए नामित किया गया



- पाकिस्तान ने मुंबई के दो पारसी डॉक्टरों डॉ. जल रतनजी पटेल और डॉ. जल धायभो-कू को निशान-ए-इम्तियाज़ के लिए नामित किया।
- ये डॉक्टर 1946 में बंबई में मुहम्मद अली जिन्ना की चिकित्सकीय जाँच से जुड़े थे।
- ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, उन्होंने जिन्ना के एक्स-रे की जाँच की और उन्हें अंतिम चरण की तपेदिक से पीड़ित बताया। उनकी अनुमानित जीवन प्रत्याशा एक से दो वर्ष बताई गई थी।
- प्रस्तावित सम्मान मार्च 2027 में पाकिस्तान दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रपति के अलंकरण समारोह में प्रदान किए जाने हैं।

स्टैटिक जीके

- निशान-ए-इम्तियाज़ पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

- मुहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के संस्थापक थे और 1948 में उनका निधन हुआ।
- पाकिस्तान दिवस 23 मार्च को मनाया जाता है और यह 1940 के लाहौर प्रस्ताव की याद में मनाया जाता है।
- बंबई वर्तमान मुंबई का औपनिवेशिक काल का नाम था।

आशुतोष परिडा 47वें सरल पुरस्कार के लिए चयनित हुए



- ओडिया कवि, निबंधकार और पूर्व सीएसआईआर-आईएमएमटी वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष परिडा को उनके काव्य संग्रह “बिश्वास दे पृथ्वी” के लिए 47वें सरल पुरस्कार के लिए चुना गया।
- इस पुरस्कार में प्रशस्ति-पत्र, तांबे की पट्टिका और 7 लाख रुपये की नकद राशि दी जाती है। पुरस्कार समारोह अक्टूबर 2026 में भुवनेश्वर में आयोजित किया जाना है।
- “बिश्वास दे पृथ्वी” का प्रकाशन प्रभा पब्लिकेशन ने 2024 में किया था। इसे सात पुस्तकों की अंतिम सूची में से चुना गया।
- सरल पुरस्कार का संचालन इंडियन मेटल्स पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया जाता है, जो आईएमएफ की धर्मार्थ शाखा है। यह पुरस्कार ओडिया साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को सम्मानित करता है।
- आईएमपीएसीटी ने 2026 के इला-बंसीधर पांडा कला सम्मान की भी घोषणा की। यह सम्मान ओडिसी गुरु गुरु दुर्गा चरण रणबीर और मूर्तिकार दामोदर बेहरा को दिया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 2.5 लाख रुपये मिलेंगे।
- निर्णायक मंडल में डॉ. सुचेता मिश्रा, डॉ. हृषीकेश मल्लिक, संग्राम जेना, स्वप्ना मिश्रा, प्रो. डॉ. नटवर सतपथी, डॉ. सरोजिनी साहू और अजय कुमार महापात्र शामिल थे।

स्टैटिक जीके

- सरल पुरस्कार ओडिशा से जुड़ा एक प्रमुख साहित्यिक पुरस्कार है।
- इला-बंसीधर पांडा कला सम्मान कला के क्षेत्र में आजीवन उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करता है।

कैबिनेट ने 84,084 करोड़ रुपये की समुद्र मंथन योजना को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत 84,084 करोड़ रुपये की समुद्र मंथन योजना को मंजूरी दी। इसे 2030-31 तक लागू करने की योजना है।
- योजना के तहत भूकंपीय डेटा संग्रह, गहरे समुद्र में ड्रिलिंग, नए क्षेत्रों में तेल-गैस की खोज और एकीकृत तेल एवं गैस विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र की स्थापना पर ध्यान दिया जाएगा।
- इसका लक्ष्य 600 मिलियन टन से अधिक तेल समकक्ष के भंडार में वृद्धि करना है, जिससे घरेलू तेल और गैस उत्पादन बढ़ाया जा सके।
- इस योजना के तहत साझा उत्पादन और निकासी बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे खोज के जोखिम और परियोजना लागत को कम किया जा सके।

स्टैटिक जीके

- भारत का पहला तेल कुआँ 1889 में डिगबोई, असम में खोदा गया था।
- मुंबई हाई भारत का सबसे बड़ा अपतटीय तेल क्षेत्र है और यह अरब सागर में स्थित है।

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत 5,070 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दी।
- इस योजना का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच 5,000 मेगावाट की तैरती सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करना है।
- ग्रिड की स्थिरता और बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाए रखने के लिए कम से कम 10,000 मेगावाट-घंटे की भंडारण क्षमता वाली सह-स्थित ऊर्जा भंडारण प्रणालियाँ लगाना अनिवार्य होगा।
- इस योजना के तहत जलाशयों, नहरों और तालाबों में तैरते सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे, जिससे भूमि की आवश्यकता और पानी के वाष्पीकरण को कम किया जा सकेगा।
- योजना को सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा लागू किया जाएगा।

स्टैटिक जीके

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय इस योजना का नोडल मंत्रालय है।
- सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना 2011 में हुई थी।
- भारत का सबसे बड़ा तैरता सौर ऊर्जा पार्क रामागुंडम, तेलंगाना में स्थित है, जिसकी क्षमता 100 मेगावाट है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम-किसान योजना को चार साल के लिए बढ़ाया



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम-किसान योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक चार वर्षों के लिए जारी रखने को मंजूरी दी। इसके लिए कुल 3.15 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय निर्धारित किया गया है।
- इस योजना के तहत देशभर के पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6,000 रुपये की आय सहायता दी जाती है।

- फरवरी 2019 में शुरू होने के बाद से 23 किस्तों के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में सीधे 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

स्टैटिक जीके

- पीएम-किसान केंद्र सरकार की 100% वित्त पोषित केंद्रीय क्षेत्र योजना है।
- इस योजना को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना को मंजूरी दी



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2026–27 से 2035–36 तक के लिए 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना को मंजूरी दी।
- इस एकीकृत योजना का उद्देश्य कृषि अवशेष, पशु गोबर, प्रेसमड और नगरों के जैविक कचरे का उपयोग करके घरेलू कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन को 10 गुना बढ़ाना है।
- परियोजना डेवलपर्स को स्थिर आय सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 10 वर्षों के लिए सीबीजी की निर्धारित कीमत 2,110 रुपये प्रति एमएमबीटीयू रखी गई है।
- सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं के लिए सीएनजी और पीएनजी में सीबीजी ब्लेंडिंग का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026–27 में 3%, 2027–28 में 4% और 2028–29 से 5% निर्धारित किया गया है।
- परियोजनाओं को प्रति टीपीडी क्षमता पर 2 करोड़ रुपये तक की पूंजी सहायता, एमएसएमई क्रेडिट गारंटी, पाइपलाइन कनेक्टिविटी सहायता और इकोसिस्टम चैलेंज फंड जैसी सुविधाएँ मिलेंगी।

स्टैटिक जीके

- गोबरधन का पूरा नाम गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन है। इसे 2018 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शुरू किया गया था।
- इस योजना का संचालन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के समन्वय से किया जाता है।

एमसी²⁺ ने ऊर्जा स्टार्टअप्स के लिए इग्नाइट कार्यक्रम शुरू किया

- एमसी²⁺ इग्नाइट को अगस्त 2026 में आईआईटी मद्रास में भारत के ऊर्जा क्षेत्र के डीप-टेक स्टार्टअप्स के लिए एक क्षेत्र-विशिष्ट एक्सेलेरेटर कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया।



- पहले चरण में प्रोटोटाइप से शुरुआती पायलट चरण में मौजूद लगभग 30 स्टार्टअप्स का चयन किया जाएगा।
- चयनित स्टार्टअप्स को माइलस्टोन से जुड़ी 2 करोड़ रुपये तक की परिवर्तनीय फंडिंग मिल सकती है। इसमें शुरुआत में 50 लाख रुपये और माइलस्टोन के आधार पर 1.5 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त राशि शामिल है।
- कार्यक्रम का मुख्यालय दिल्ली में होगा और पायलट परीक्षण के लिए प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में विकेंद्रीकृत नोड्स का उपयोग किया जाएगा।
- संस्थागत साझेदारों में आईआईटी मद्रास, आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी बॉम्बे, सी-कैप और वेंचर सेंटर, पुणे शामिल हैं।
- भाग लेने वाली ऊर्जा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल, गेल, ऑयल इंडिया और पेट्रोनेट एलएनजी शामिल हैं। इनसे पहले वर्ष में 70–80 करोड़ रुपये देने की उम्मीद है।
- आवेदन प्रक्रिया अगस्त 2026 में शुरू हुई और इसके अगस्त के अंत तक बंद होने की निर्धारित थी।

स्टैटिक जीके

- डीप-टेक स्टार्टअप्स ऊर्जा, सामग्री विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान का उपयोग करते हैं।
- आईआईटी मद्रास संस्थान प्रौद्योगिकी अधिनियम, 1961 के तहत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है।
- परिवर्तनीय फंडिंग निर्धारित शर्तों के तहत इक्विटी में परिवर्तित की जा सकती है।

केंद्र ने 62,500 करोड़ रुपये की मोबाइल फोन विनिर्माण योजना अधिसूचित की

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अगस्त 2026 में 62,500 करोड़ रुपये की मोबाइल फोन विनिर्माण योजना अधिसूचित की। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पाँच वर्षों के लिए लागू होगी।



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस योजना को मंजूरी दी थी। यह बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की जगह लाई गई है।
- लक्षित खंड 1 में वैश्विक और बड़े पैमाने के विनिर्माताओं को शामिल किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में कम से कम 10,000 करोड़ रुपये का कारोबार करने वाली कंपनियों को 2.25%-5% का आधार प्रोत्साहन मिलेगा।

- लक्षित खंड 2 में घरेलू ब्रांड शामिल हैं। इन्हें 5% का समान प्रोत्साहन और घरेलू डिजाइन तथा अनुसंधान एवं विकास के लिए अतिरिक्त 3% प्रोत्साहन मिलेगा। इसके लिए 1,000 करोड़ रुपये के कारोबार की सीमा निर्धारित है।
- वित्त वर्ष में निर्मित कुल मोबाइल इकाइयों में से कम से कम 25% प्रमुख घटकों की घरेलू खरीद करने वाली कंपनियों को 1.5% तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है।
- भारतीय ब्रांडों की वास्तविक बौद्धिक संपदा और डिजाइन अधिकारों की पुष्टि के लिए उनकी जांच की जाएगी।
- योजना का लक्ष्य 39 लाख करोड़ रुपये के संचयी मोबाइल फोन उत्पादन, अधिक निर्यात और लगभग 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन करना है।
- यह योजना भारत की व्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य घरेलू मोबाइल फोन असेंबली और घटक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

डॉ. गुंथर वॉन हेगन्स का 81 वर्ष की आयु में निधन

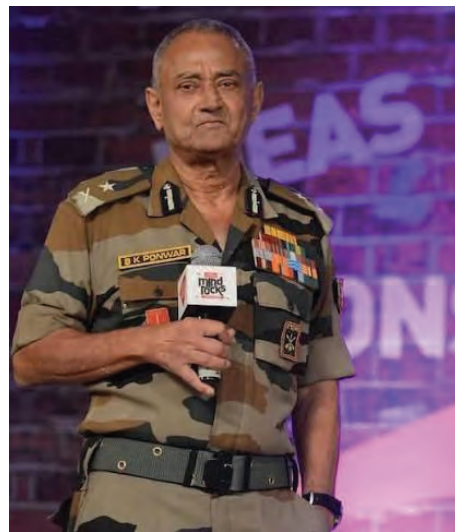


- जर्मनी के प्रसिद्ध शरीर रचना वैज्ञानिक डॉ. गुंथर वॉन हेगन्स का 24 जुलाई 2026 को जर्मनी के हीडलबर्ग में 81 वर्ष की आयु में मस्तिष्क रक्तस्राव के कारण निधन हो गया।
- डॉ. गुंथर वॉन हेगन्स ने 1977 में प्लास्टिनेशन तकनीक का आविष्कार किया, जिसमें शरीर के तरल पदार्थों को तरल प्लास्टिक से प्रतिस्थापित कर शारीरिक नमूनों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है।
- उन्होंने 'बॉडी वर्ल्ड्स' प्रदर्शनी की शुरुआत की, जिसका पहला आयोजन 1995 में जापान में हुआ था। इसमें संरक्षित मानव शरीरों को शैक्षिक उद्देश्य से प्रदर्शित किया गया।
- 'बॉडी वर्ल्ड्स' प्रदर्शनी को विश्वभर में 5.8 करोड़ से अधिक लोगों ने देखा और यह शरीर रचना शिक्षा के क्षेत्र में उनका सबसे बड़ा योगदान माना गया।
- 2008 में डॉ. गुंथर वॉन हेगन्स को पार्किंसन रोग का पता चला, जिससे उनकी चलने-फिरने, बोलने और शारीरिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा।
- प्लास्टिनेशन संस्थान ने उनके निधन की पुष्टि की तथा उनकी इच्छा के अनुसार उनके शरीर का प्लास्टिनेशन किए जाने की घोषणा की।

स्टैटिक जीके

- प्लास्टिनेशन तकनीक का आविष्कार डॉ. गुंथर वॉन हेगन्स ने 1977 में किया था।
- प्लास्टिनेरियम की स्थापना 2006 में गूबेन, जर्मनी में हुई थी।
- 'बॉडी वर्ल्ड्स' प्रदर्शनी का पहला आयोजन 1995 में जापान में किया गया था।

जंगल युद्धकला के अग्रणी ब्रिगेडियर बी.के. पोनवार का 77 वर्ष की आयु में निधन



- सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर बसंत कुमार पोनवार, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के कांकेर में आतंकवाद निरोधक एवं जंगल युद्धकला महाविद्यालय की स्थापना की थी, का मध्य प्रदेश के महु में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- ब्रिगेडियर पोनवार ने दिसंबर 1969 में मराठा लाइट इन्फैंट्री की प्रथम बटालियन से भारतीय सेना में सेवा शुरू की और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लिया।
- उन्होंने मिजोरम के वैंगटे स्थित सेना के प्रति-विद्रोह एवं जंगल युद्धकला विद्यालय के कमांडेंट के रूप में भी कार्य किया।
- ब्रिगेडियर पोनवार ने 2004 में आयोजित भारत-अमेरिका के पहले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास' का पर्यवेक्षण किया।
- आतंकवाद निरोधक एवं जंगल युद्धकला महाविद्यालय की स्थापना अगस्त 2005 में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के कांकेर में की गई। इस संस्थान ने गुरिल्ला युद्ध और जंगल अभियानों के लिए 37,000 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को प्रशिक्षण दिया।
- सेवानिवृत्ति के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें माओवादी उग्रवाद के विरुद्ध अभियानों के लिए पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया।
- ब्रिगेडियर पोनवार को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

स्टैटिक जीके

- प्रति-विद्रोह एवं जंगल युद्धकला विद्यालय मिजोरम के वैरेंगटे में स्थित है।
- 'युद्ध अभ्यास' भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आयोजित होने वाला द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल वी.एन. शर्मा का निधन



- भारतीय सेना के पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का जुलाई 2026 में निधन हो गया। उन्होंने मई 1988 से जून 1990 तक भारतीय सेना के 14वें प्रमुख के रूप में सेवा दी।
- जनरल वी.एन. शर्मा को जून 1950 में 16वीं लाइट कैवलरी में नियुक्त किया गया था। वे स्वतंत्रता के बाद कमीशन प्राप्त करने वाले पहले अधिकारी थे, जो आगे चलकर सेना प्रमुख बने।
- पूर्वी सेना कमांडर के रूप में उन्होंने 1987 में अरुणाचल प्रदेश के सुमदोरोंग चू गतिरोध के दौरान चीन के साथ स्थिति संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उनके छोटे भाई मेजर सोमनाथ शर्मा स्वतंत्र भारत के पहले परमवीर चक्र सम्मान प्राप्तकर्ता थे। परमवीर चक्र भारत का सर्वोच्च युद्धकालीन सैन्य सम्मान है।
- जनरल वी.एन. शर्मा का अंतिम संस्कार अगस्त 2026 में दिल्ली छावनी स्थित बरार स्क्वायर में किया जाना निर्धारित था।

स्टैटिक जीके

- सेना प्रमुख भारतीय सेना के व्यावसायिक प्रमुख होते हैं।
- परमवीर चक्र की स्थापना 1947 में की गई थी और यह दुश्मन के सामने असाधारण वीरता के लिए प्रदान किया जाता है।
- 16वीं लाइट कैवलरी भारतीय सेना की एक बख्तरबंद रेजिमेंट है।

हिंदी साहित्यकार कैलाश चंद्र पंत का 90 वर्ष की आयु में निधन



- प्रसिद्ध हिंदी लेखक, पत्रकार और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित कैलाश चंद्र पंत का मध्य प्रदेश के भोपाल में हृदयाघात के बाद 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उन्होंने अपने लंबे करियर के दौरान हिंदी भाषा, पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- उन्होंने मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के निदेशक के रूप में कार्य किया और हिंदी साहित्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्हें हिंदी साहित्य और जनसेवा में विशिष्ट योगदान के लिए 2026 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

स्टैटिक जीके

- पद्म श्री भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- पद्म पुरस्कारों की शुरुआत 1954 में हुई थी और इनकी घोषणा गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है।
- विश्व हिंदी दिवस हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है।

बिहार और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल डी. वाई. पाटिल का निधन



- प्रसिद्ध शिक्षाविद्, समाजसेवी और पूर्व राज्यपाल डॉ. ज्ञानदेव यशवंतराव (डी. वाई.) पाटिल का 4 अगस्त 2026 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- उन्होंने 2012 से 2014 तक बिहार के राज्यपाल और 2013 में त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2013 से 2014 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।
- उन्होंने डी. वाई. पाटिल ग्रुप की स्थापना की और पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अस्पतालों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया।
- उन्हें सामाजिक कार्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए 1991 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

स्टैटिक जीके

- संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- अनुच्छेद 156 के तहत राज्यपाल का सामान्य कार्यकाल 5 वर्ष होता है, लेकिन वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर रहता है।
- पद्म पुरस्कारों की शुरुआत 1954 में हुई थी।
- अगरतला त्रिपुरा की राजधानी है, जबकि पटना बिहार की राजधानी है।

हॉल ऑफ फेम के कोच डॉन नेल्सन का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया



- महान NBA खिलाड़ी और कोच डॉन नेल्सन का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- एक खिलाड़ी के रूप में, उन्होंने 1960 और 1970 के दशक में बोस्टन सेल्टिक्स के साथ पांच NBA चैंपियनशिप जीतीं।
- एक कोच के रूप में, उन्होंने 31 सीज़न में 1,335 नियमित सीज़न जीत दर्ज कीं, जिससे वे एनबीए इतिहास में दूसरे सबसे सफल मुख्य कोच बन गए।
- उन्होंने तेज गति वाले “नेली बॉल” आक्रमण की शुरुआत की और मिल्वौकी बक्स, गोल्डन स्टेट वॉरियर्स, न्यूयॉर्क निक्स और डलास मावेरिक्स जैसी टीमों को कोचिंग देते हुए पॉइंट-फॉरवर्ड पोजीशन को लोकप्रिय बनाया।
- तीन बार NBA कोच ऑफ द ईयर रहे नेल्सन को 2012 में नाइस्मिथ मेमोरियल बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था।

स्टैटिक जीके

- नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (NBA) की स्थापना 1946 में न्यूयॉर्क में हुई थी।
- जेम्स नाइस्मिथ ने दिसंबर 1891 में बास्केटबॉल का आविष्कार किया था।
- इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन का मुख्यालय मीस, स्विट्जरलैंड में है।
- NBA का एक मानक बास्केटबॉल कोर्ट 94 फीट लंबा होता है।

इतिहासकार सुमित सरकार का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया



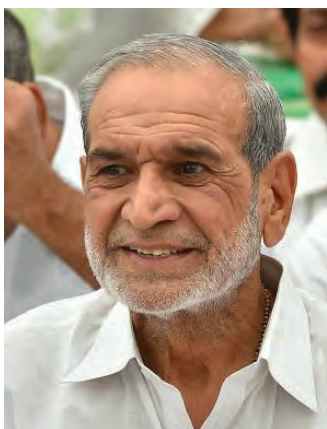
- प्रख्यात इतिहासकार प्रोफेसर सुमित सरकार का वृद्धावस्था संबंधी बीमारी के कारण नई दिल्ली में 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- वे आधुनिक भारतीय इतिहास, विशेष रूप से उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद और सामाजिक आंदोलनों के विशेषज्ञ थे।
- उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया और इससे पहले कलकत्ता विश्वविद्यालय और प्रेसिडेंसी कॉलेज में भी पढ़ाया।
- उनकी पुस्तक ‘आधुनिक भारत: 1885-1947’ आधुनिक भारतीय इतिहास और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बनी हुई है।
- उन्होंने सबाल्टर्न स्टडीज समूह में योगदान दिया और ‘बंगाल में स्वदेशी आंदोलन: 1903-1908’ पुस्तक का लेखन किया।

स्टैटिक जीके

- लॉर्ड कर्जन द्वारा बंगाल के विभाजन के बाद 1905 में स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ।
- सबाल्टर्न स्टडीज समूह की स्थापना रणजीत गुहा ने 1982 में की थी।
- प्रेसिडेंसी कॉलेज मूल रूप से 1817 में कोलकाता में हिंदू कॉलेज के रूप में स्थापित किया गया था।

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का 80 वर्ष की उम्र में निधन

- पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का अगस्त 2026 में 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे।



- उन्होंने 1980, 1991 और 2004 में लोकसभा में बाहरी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।
- दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2018 में दिल्ली कैट के राज नगर में पाँच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने में उनकी भूमिका के लिए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।
- 2025 में दिल्ली की एक अदालत ने दंगों से जुड़े एक अलग मामले में भी उन्हें एक अन्य समवर्ती आजीवन कारावास की सजा सुनाई।
- अगस्त 2026 में उन्हें तिहाड़ जेल से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

स्टैटिक जीके

- 1984 के सिख विरोधी दंगे 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए थे।
- तिहाड़ जेल भारत के सबसे बड़े जेल परिसरों में से एक है और यह दिल्ली में स्थित है।

सौकार जानकी का 94 वर्ष की आयु में निधन



- वरिष्ठ दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शंकरमंची जानकी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से सौकार जानकी के नाम से जाना जाता है, का अगस्त 2026 में चेन्नई में 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा में काम किया। उन्होंने एल. वी. प्रसाद द्वारा निर्देशित 1950 की तेलुगु फिल्म “शवुकारु” से फिल्मी करियर की शुरुआत की।
- उनका फिल्मी करियर कई दशकों तक चला और प्रकाशित विवरणों के अनुसार उन्होंने लगभग 400 से 450 से अधिक फिल्मों में काम किया।
- उनकी अंतिम ऑन-स्क्रीन उपस्थिति नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित 2023 की तेलुगु फिल्म “अन्नी मांची शकुनमुले” में हुई।
- सिनेमा और कला के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें 2022 में पद्म श्री, 1969 में कलाईमामणि और कई नंदी पुरस्कार मिले।

स्टैटिक जीके

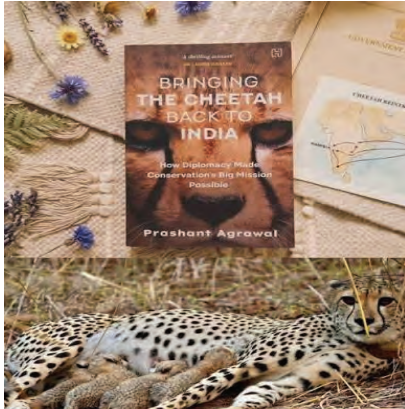
- पद्म श्री भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- कलाईमामणि तमिलनाडु सरकार द्वारा कला और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए दिया जाने वाला सम्मान है।
- नंदी पुरस्कार तेलुगु सिनेमा, रंगमंच और टेलीविजन से जुड़े पुरस्कार हैं।

श्रीलंकाई गायिका नंदा मालिनी का 82 वर्ष की आयु में निधन



- श्रीलंकाई गायिका और संगीतकार विशारद डॉ. नंदा मालिनी का अगस्त 2026 में 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका संगीत करियर लगभग 70 वर्षों तक चला।
- वह सिंहली संगीत की एक प्रमुख हस्ती थीं और सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों से जुड़े गीतों के लिए जानी जाती थीं।
- उन्हें 11 सरस्वती पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ महिला गायिका के लिए 8 राष्ट्रपति पुरस्कार मिले थे।
- उनके निधन के बाद श्रीलंका सरकार ने अगस्त 2026 में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।
- श्रीलंका की संसद ने उनकी स्मृति में एक मिनट का मौन रखा।
- उनका अंतिम संस्कार कोलंबो के बोरैला कब्रिस्तान में निर्धारित किया गया था।

प्रशांत अग्रवाल ने चीता पुनर्वास पर पुस्तक लिखी

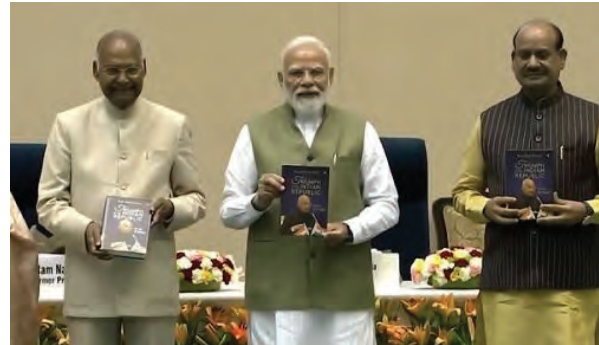


- नामीबिया में भारत के पूर्व उच्चायुक्त और भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी प्रशांत अग्रवाल ने ब्रिंगिंग द चीता बैक टू इंडिया: हाउ डिप्लोमेसी मेड कंजर्वेशन'स बिग मिशन पॉसिबल पुस्तक लिखी है।
- हैशेट इंडिया द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक चीता रीइंट्रोडक्शन प्रोग्राम से जुड़ी इंटरनेशनल नेगोशिएशन, ग्रीन डिप्लोमेसी, ट्रीटीज और लॉजिस्टिकल चुनौतियों का प्रत्यक्ष विवरण देती है।
- इसमें चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में लाने के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख है।
- पुस्तक में भारत के वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन प्रयासों को रेखांकित किया गया है। भारत में चीते को 1952 में आधिकारिक रूप से विलुप्त घोषित किया गया था।

स्टैटिक जीके

- भारत में चीते को 1952 में आधिकारिक रूप से विलुप्त घोषित किया गया था।
- कूनो नेशनल पार्क मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित है।
- प्रोजेक्ट चीता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में औपचारिक रूप से लॉन्च किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'भारतीय गणराज्य की विजय' का विमोचन किया।



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की आत्मकथा "भारतीय गणराज्य की विजय: मेरा जीवन, मेरा संघर्ष" का विमोचन किया।
- इस पुस्तक में कोविंद के बचपन के संघर्ष, कानूनी करियर, राजनीतिक यात्रा और भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल का वर्णन है।
- पीएम मोदी ने इस पुस्तक को भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक सशक्तिकरण और संवैधानिक मूल्यों का प्रतिबिंब बताया।
- उन्होंने युवाओं को अनुकरणीय नेताओं की आत्मकथाएँ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और सोशल मीडिया रीलों की "शॉर्टकट संस्कृति" से सावधान किया।

स्टैटिक जीके

- राम नाथ कोविंद ने 2017 से 2022 तक भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।
- संविधान का अनुच्छेद 52 भारत के राष्ट्रपति पद का प्रावधान करता है।
- राष्ट्रपति बनने की न्यूनतम आयु 35 वर्ष है।
- राष्ट्रपति को शपथ भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा दिलाई जाती है।



22 जुलाई: राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस



- राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस 22 जुलाई 2026 को संविधान सभा द्वारा 22 जुलाई 1947 को तिरंगे को अपनाए जाने की स्मृति में मनाया गया।
- भारत के राष्ट्रीय ध्वज की मूल रूपरेखा स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने तैयार की थी।
- राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया, सफेद और हरा रंग क्रमशः साहस, सत्य एवं शांति तथा आस्था एवं शक्ति का प्रतीक हैं। इसके मध्य में गहरे नीले रंग का 24 तीलियों वाला अशोक चक्र अंकित है।
- इस अवसर पर भारतीय ध्वज संहिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मानजनक प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया गया।

स्टैटिक जीके

- भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने अपनाया था।
- पिंगली वेंकैया ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की रूपरेखा तैयार की थी।
- भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का लंबाई-चौड़ाई अनुपात 3:2 है।
- अशोक चक्र में 24 तीलियाँ होती हैं।

24 जुलाई: आयकर दिवस



- आयकर दिवस (आयकर दिवस) 24 जुलाई 2026 को भारत में आयकर व्यवस्था की शुरुआत के 167 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया गया।
- 24 जुलाई 1860 को सर जेम्स विल्सन ने 1857 के विद्रोह के कारण हुए वित्तीय नुकसान की भरपाई के लिए भारत में आयकर लागू किया था।
- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मुख्य समारोह आयोजित किया, जबकि देशभर में क्षेत्रीय कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।
- इस अवसर का उद्देश्य ईमानदार करदाताओं को सम्मानित करना, स्वैच्छिक कर अनुपालन को प्रोत्साहित करना तथा कर प्रशासन में डिजिटल सुधारों को उजागर करना था।
- निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए व्यक्तिगत करदाताओं और गैर-लेखापरीक्षा मामलों में आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई।

स्टैटिक जीके

- भारत में आयकर पहली बार 24 जुलाई 1860 को सर जेम्स विल्सन द्वारा लागू किया गया था।
- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है।
- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

26 जुलाई: कारगिल विजय दिवस



- भारत ने 1999 के कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर विजय की स्मृति में 26 जुलाई 2026 को 27वाँ कारगिल विजय दिवस मनाया।
- लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पण समारोह आयोजित किया गया, जहाँ 527 वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।
- ऑपरेशन विजय की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए युवा जागरूकता कार्यक्रमों तथा सैन्य मोटरसाइकिल रैलियों सहित देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्टैटिक जीके

- 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारत के सैन्य अभियान का नाम ऑपरेशन विजय था।
- कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई में लड़ा गया था।
- कारगिल युद्ध स्मारक ट्रास में तोलोलींग पहाड़ी के निकट स्थित है।

28 जुलाई: विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस



- विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस 28 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में जागरूकता गतिविधियों, प्लास्टिक हटाओ अभियान तथा आगंतुक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया गया।
- विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस प्रतिवर्ष 28 जुलाई को पर्यावरण संरक्षण, सतत जीवनशैली तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
- राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में आयोजित प्लास्टिक हटाओ अभियान में लगभग 35 सफाई कर्मियों ने भाग लिया, जिसके दौरान लगभग 230 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया।
- आगंतुकों के लिए आयोजित जागरूकता सत्र में लाइफ पहल, कचरे का पृथक्करण तथा कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदलने पर विशेष जानकारी दी गई।
- प्रकृति संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आगंतुकों के लिए डूडल गतिविधि का भी आयोजन किया गया।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय प्राणी उद्यान नई दिल्ली में स्थित है और इसे दिल्ली चिड़ियाघर के नाम से भी जाना जाता है।
- लाइफ पहल पर्यावरण के अनुकूल सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने से संबंधित एक पहल है।

28 जुलाई: विश्व हेपेटाइटिस दिवस



- विश्व हेपेटाइटिस दिवस 28 जुलाई 2026 को वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, जांच और उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया गया।
- 2026 की थीम “हेपेटाइटिस: आइए इसे समझें” थी।
- यह दिवस डॉ. बारूक सैमुअल ब्लमबर्ग की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने हेपेटाइटिस बी वायरस की खोज की और इसका पहला टीका विकसित किया।
- इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जांच, टीकाकरण, उपचार तक पहुंच बढ़ाना तथा हेपेटाइटिस से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त करना था।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने के अपने लक्ष्य को जारी रखा।
- वैश्विक अनुमान के अनुसार लगभग 28.7 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी या हेपेटाइटिस सी से प्रभावित थे, जबकि 2024 में दीर्घकालिक हेपेटाइटिस के कारण लगभग 13 लाख लोगों की मृत्यु हुई।

स्टैटिक जीके

- विश्व हेपेटाइटिस दिवस प्रतिवर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

29 जुलाई: अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस



- अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई 2026 को बाघ संरक्षण तथा प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया गया।

- 2026 की थीम “बाघों के भविष्य को सुरक्षित करना: स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों की केंद्रीय भूमिका” थी।
- इस अवसर पर शिकार, आवास का विनाश, अवैध वन्यजीव व्यापार, जलवायु परिवर्तन तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया गया।
- इस दिवस की शुरुआत 2010 के सेंट पीटर्सबर्ग बाघ शिखर सम्मेलन के बाद हुई, जहाँ 2022 तक जंगली बाघों की वैश्विक संख्या दोगुनी करने का टीएक्स2 लक्ष्य अपनाया गया था।
- भारत वैश्विक बाघ संरक्षण में अग्रणी बना हुआ है। विश्व के 70% से अधिक जंगली बाघ भारत में पाए जाते हैं तथा देश में 58 बाघ अभयारण्य हैं।

स्टैटिक जीके

- प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत 1973 में की गई थी।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना 2005 में हुई थी।
- भारत का राष्ट्रीय पशु रॉयल बंगाल टाइगर है।

विश्व फिनटेक दिवस: 1 अगस्त



- विश्व फिनटेक दिवस 2026 1 अगस्त को दुनियाभर में फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी और डिजिटल फाइनेंस के विकास को उजागर करने के लिए मनाया गया।
- ग्लोबल फिनटेक विशेषज्ञों ने एआई मॉडल्स को पायलट चरण से सुरक्षित, नियंत्रित और वास्तविक उपयोग वाले प्रोडक्शन एनवायरनमेंट में ले जाने पर जोर दिया।
- क्लीन कस्टमर डेटा और आइडेंटिटी वेरिफिकेशन को फ्रॉड रोकने और सीमा-पार डिजिटल लेनदेन के लिए महत्वपूर्ण आधार माना गया।
- भारतीय फिनटेक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय डेटा पर प्रशिक्षित लोकलाइज्ड एआई मॉडल्स पर जोर दिया, ताकि टियर-3 शहरों में जनसांख्यिकीय और भाषाई बाधाओं को कम किया जा सके।
- डिजिटल एसेट्स, ब्लॉकचेन आधारित सेटलमेंट और सप्लाय-चेन फाइनेंस वैश्विक कारोबार में लिक्विडिटी सुधारने के प्रमुख क्षेत्र रहे।

स्टैटिक जीके

- एनपीसीआई की स्थापना 2008 में हुई थी।
- यूपीआई को एनपीसीआई ने 2016 में लॉन्च किया था।
- कोसिमो डी' मेडिसी को आधुनिक बैंकिंग का जनक माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय क्लाउडेड लेपर्ड दिवस: 4 अगस्त



- अंतरराष्ट्रीय क्लाउडेड लेपर्ड दिवस हर वर्ष 4 अगस्त को क्लाउडेड लेपर्ड और उनके कंजर्वेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।
- इसकी शुरुआत 2018 में द एस्पिरॉल फाउंडेशन द्वारा की गई थी। पहला आयोजन हॉवलेट्स वाइल्ड एनिमल पार्क में हुआ था।
- भारत ने अगस्त 2026 में क्लाउडेड लेपर्ड कंजर्वेशन एक्शन प्लान लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य हैबिटेट प्रोटेक्शन, साइंटिफिक मॉनिटरिंग, एंटी-पोचिंग उपायों और कम्युनिटी पार्टिसिपेशन को मजबूत करना है।
- यह एक्शन प्लान जुलाई 2026 में कोयंबटूर में आयोजित 91वीं एससीएनबीडब्ल्यूएल बैठक में भारत सरकार, जीईएफ और यूएनडीपी के सहयोग से पेश किया गया।
- योजना में 14 प्राथमिक लैंडस्केप की पहचान की गई है। इसमें स्पीशीज रिकवरी, फॉरेस्ट कॉरिडोर कंजर्वेशन, साइंटिफिक मॉनिटरिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग और क्लाइमेट-रेजिलिएंट कंजर्वेशन शामिल हैं।
- क्लाउडेड लेपर्ड की दो प्रजातियाँ हैं—मेनलैंड क्लाउडेड लेपर्ड (नियोफेलिस नेबुलोसा) और सुंडा क्लाउडेड लेपर्ड (नियोफेलिस डियार्डी)।
- दोनों प्रजातियों को आईयूसीएन रेड लिस्ट में वल्नरेबल श्रेणी में रखा गया है। इन्हें हैबिटेट डिस्ट्रक्शन, इल्लिगल वाइल्डलाइफ ट्रेड और ह्यूमन-एनिमल कॉन्फ्लिक्ट से खतरा है।
- क्लाउडेड लेपर्ड की पहचान उनके बादल जैसे निशान, लंबी पूंछ और पेड़ों पर चढ़ने की मजबूत क्षमता से होती है।

स्टैटिक जीके

- क्लाउडेड लेपर्ड मुख्य रूप से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के वन क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- मेनलैंड क्लाउडेड लेपर्ड का वैज्ञानिक नाम नियोफेलिस नेबुलोसा है।
- सुंडा क्लाउडेड लेपर्ड का वैज्ञानिक नाम नियोफेलिस डियार्डी है।

हिरोशिमा दिवस: 6 अगस्त



- हिरोशिमा दिवस 6 अगस्त 2026 को हिरोशिमा पर 1945 में हुए परमाणु बम हमले की 81वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया गया।
- 2026 की थीम “स्मरण, जिम्मेदारी और दृढ़ता” रही, जिसमें पीड़ितों, बचे लोगों और भविष्य में परमाणु संघर्षों को रोकने के वैश्विक प्रयासों पर ध्यान दिया गया।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने हिरोशिमा पर “लिटिल बॉय” नामक यूरेनियम आधारित परमाणु बम गिराया, जिससे भारी तबाही और जनहानि हुई।
- अनुमानतः 70,000–80,000 लोगों की तत्काल मृत्यु हुई, जबकि चोटों और विकिरण के प्रभाव के कारण 1945 के अंत तक मृतकों की संख्या लगभग 1,40,000 हो गई।
- अगस्त 1945 में दूसरा परमाणु बम “फैट मैन” नागासाकी पर गिराया गया और बाद में उसी महीने जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया।
- बमबारी से विस्फोट, अत्यधिक गर्मी, आग और रेडियोधर्मी प्रदूषण हुआ तथा बचे लोगों में लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ देखी गईं।
- हिरोशिमा दिवस पीड़ितों और हिबाकुशा को सम्मान देने, परमाणु हथियारों के मानवीय दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा परमाणु निरस्त्रीकरण और शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

स्टैटिक जीके

- हिरोशिमा जापान के होंशू द्वीप पर स्थित है।
- एनोला गे वह बी-29 बमवर्षक विमान था, जिसने हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था।
- हिरोशिमा पीस मेमोरियल पार्क में स्थित शांति की ज्योति 1964 से लगातार जल रही है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: 7 अगस्त

- भारत ने 7 अगस्त 2026 को 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया, जो बुनकर समुदाय को सम्मानित करने और 7 अगस्त 1905 को शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में मनाया गया।



- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था और यह हर साल 7 अगस्त को मनाया जाता है।
- हथकरघा क्षेत्र 35.22 लाख बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है, जिनमें महिलाओं की संख्या कार्यबल का 72% से अधिक है।
- केंद्र सरकार ने 2025 के लिए 22 पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें 3 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार और 19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार शामिल हैं।
- सरकार ने चार स्मारक डाक टिकट और दो प्रकाशन भी जारी किए, जिनमें ‘अर्थ. रूट. थ्रेड - मध्य भारत के आल रंगे हथकरघा वस्त्र’ और ‘हथकरघा पुरस्कार पुस्तिका 2025’ शामिल हैं।
- हथकरघा बुनकरों के लिए एक डिजिटल पहचान प्रणाली के रूप में जनवरी 2025 में ई-पहचान पोर्टल लॉन्च किया गया था, जिस पर जुलाई 2026 तक लगभग 84,000 अतिरिक्त श्रमिकों को पंजीकृत किया गया था।

स्टैटिक जीके

- भारत में हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है।
- स्वदेशी आंदोलन 7 अगस्त 1905 को शुरू हुआ और इसने स्वदेशी वस्तुओं और हाथ से बुने हुए कपड़ों को बढ़ावा दिया।

विश्व शेर दिवस: 10 अगस्त



- विश्व शेर दिवस 10 अगस्त 2026 को वैश्विक स्तर पर मनाया गया, जिसका उद्देश्य शेरों के संरक्षण और उनके आवासों की सुरक्षा को उजागर करना था।
- भारत में 2025 में गुजरात में 891 एशियाई शेर दर्ज किए गए, जो इस प्रजाति की आबादी में वृद्धि दर्शाते हैं।
- प्रोजेक्ट लायन का उद्देश्य बरदा वन्यजीव अभ्यारण्य में शेरों के आवास का विस्तार करना है, ताकि एशियाई शेरों के लिए एक सुरक्षित दूसरा घर स्थापित किया जा सके।

- वैश्विक संरक्षण प्रयासों का उद्देश्य सामुदायिक नेतृत्व वाली ट्रेकिंग और पशुधन बाड़ों की सुरक्षा के माध्यम से मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना भी था।

स्टैटिक जीके

- विश्व शेर दिवस की स्थापना सर्वप्रथम 2013 में हुई थी।
- एशियाई शेर का वैज्ञानिक नाम पैंथेरा लियो पर्सिका है।
- गुजरात स्थित गिर राष्ट्रीय उद्यान एशियाई शेर का प्रमुख निवास स्थान है।

विश्व जैव ईंधन दिवस: 10 अगस्त



- सतत परिवहन और ऊर्जा परिवर्तन में गैर-जीवाश्म ईंधनों की भूमिका को उजागर करने के लिए 10 अगस्त 2026 को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया गया।
- यह दिवस सर रुडोल्फ डीजल द्वारा 1893 में यांत्रिक इंजन में ईंधन के रूप में मूंगफली के तेल का उपयोग करने के प्रयोग की स्मृति में मनाया जाता है।
- भारत में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय स्वच्छ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर केंद्रित पहलों का नेतृत्व करता है।
- प्रमुख पहलों में संपीड़ित बायोगैस के लिए SATAT, ग्रामीण जैविक अपशिष्ट के लिए GOBARDHAN और 2G जैव-इथेनॉल परियोजनाओं के लिए PM JI-VAN योजना शामिल हैं।
- यह दिवस जैव-ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और किसानों की आय बढ़ाने को बढ़ावा देता है।

स्टैटिक जीके

- SATAT का मुख्य उद्देश्य संपीड़ित बायोगैस उत्पादन और स्वच्छ ईंधन के रूप में इसके उपयोग को बढ़ावा देना है।
- GOBARDHAN जैविक कचरे को बायोगैस और अन्य उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करने को बढ़ावा देता है।
- PM JI-VAN Yojana लिग्नेसेलुलॉसिक बायोमास का उपयोग करके 2G बायो-इथेनॉल परियोजनाओं को सहायता प्रदान करती है।

विश्व हाथी दिवस: 12 अगस्त



- भारत ने 12 अगस्त 2026 को विश्व हाथी दिवस मनाया, जिसमें हाथी संरक्षण, पर्यावास संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया।
- भारत में 14 राज्यों में फैले 33 हाथी अभ्यारण्य और 150 वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हाथी गलियारे हैं।
- भारत वैश्विक जंगली एशियाई हाथी आबादी के लगभग 60% का घर है, जो इसे इस प्रजाति के लिए एक प्रमुख पर्यावास क्षेत्र बनाता है।
- हाथी संरक्षण, पर्यावास निरंतरता और मानव-हाथी सह-अस्तित्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस मनाया गया।
- एशियाई हाथी को आईयूसीएन की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है और भारत में इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित किया गया है।
- हाथी संरक्षण, पर्यावास संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में 1992 में प्रोजेक्ट एलिफेंट शुरू किया गया था।
- मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए जनसंख्या निगरानी, पर्यावास प्रबंधन और स्थानीय प्रतिक्रिया प्रणालियों का उपयोग किया गया, जबकि आंध्र प्रदेश ने वन्यजीवों की प्रतिक्रिया के लिए प्रशिक्षित कुमकी हाथियों और हनुमान टीमों का उपयोग किया।

स्टैटिक जीके

- विश्व हाथी दिवस: 12 अगस्त
- प्रोजेक्ट एलिफेंट: 1992
- भारत में हाथी अभ्यारण्य: 33
- वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हाथी गलियारे: 150
- एशियाई हाथी: आईयूसीएन की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय श्रेणी में शामिल

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस: 12 अगस्त



- युवाओं की क्षमता को पहचानने और युवा संबंधी मुद्दों पर प्रकाश डालने के लिए 12 अगस्त 2026 को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया।
- 2026 का विषय था “विभिन्न संदर्भ, साझा आकांक्षाएँ”।
- इस दिवस पर शिक्षा में अंतर, जलवायु परिवर्तन और रोजगार के अवसरों सहित युवाओं की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र ने युवा नेतृत्व वाले समाधानों और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल अभियान और संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए।

स्टैटिक जीके

- अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।

विश्व अंगदान दिवस: 13 अगस्त



- अंग और ऊतक दान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 13 अगस्त 2026 को विश्व अंगदान दिवस वैश्विक स्तर पर मनाया गया।
- एक मृत अंग दाता आठ लोगों की जान बचा सकता है, जबकि ऊतक दान से कई और प्राप्तकर्ताओं के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है।
- जागरूकता अभियान भ्रांतियों को दूर करने और लोगों को डिजिटल रूप से दान करने की प्रतिज्ञा दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करने पर केंद्रित थे।
- भारत में, नागरिक राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के डिजिटल पोर्टल के माध्यम से अपनी प्रतिज्ञा दर्ज कर सकते हैं।
- परिवार के सदस्यों के साथ दान के विकल्पों पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है क्योंकि अंग प्राप्त करने से पहले करीबी परिवार की कानूनी सहमति आवश्यक है।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन कार्य करता है।
- भारत में अंग प्रत्यारोपण मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 द्वारा विनियमित है।
- राष्ट्रीय अंगदान दिवस 3 अगस्त को मनाया जाता है।
- विश्व का पहला सफल अंग प्रत्यारोपण 1954 में किया गया गुर्दा प्रत्यारोपण था।

तीसरा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस: 23 अगस्त



- भारत ने 23 अगस्त 2026 को तीसरा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया। यह दिवस 2023 में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास शिव शक्ति पॉइंट पर उतरने की स्मृति में मनाया जाता है।
- 2026 की थीम “विकसित भारत की ओर: नवाचार, सहयोग और वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व की आकांक्षा” थी।
- राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन इसरो के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर, अहमदाबाद ने किया। इसमें भारत के अंतरिक्ष अभियानों और अवसरों पर प्रदर्शनी, विशेषज्ञ वार्ता और पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं।
- इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने बताया कि भारत अंतरिक्ष से जुड़े 9 क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर पहले स्थान पर है और 50 से अधिक अनुप्रयोग क्षेत्रों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।
- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम जारी है। इसके पहले मॉड्यूल को मंजूरी मिल चुकी है और स्टेशन को 2035 तक स्थापित करने का लक्ष्य है।
- माईगव ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस क्विज़ 2026 शुरू किया, जिसमें शीर्ष विजेताओं के लिए 1 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार और इसरो परिसर के दौरे का अवसर रखा गया। वहीं, भारत स्पेस एजुकेशन रिसर्च सेंटर ने अंतरिक्ष विज्ञान में एआई के अनुप्रयोगों पर एक निःशुल्क ऑनलाइन सत्र आयोजित किया।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस: प्रत्येक वर्ष 23 अगस्त को मनाया जाता है।
- शिव शक्ति पॉइंट: चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर का लैंडिंग स्थल।
- स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर: अहमदाबाद, गुजरात में स्थित है।
- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन: भारत का प्रस्तावित स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन है।